तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज करने का आदेश - 7

एआई से 0.8 प्रतिशत बढ़ेगी वैश्विक वृद्धि मगर नौकरियों के लिए भारी जोखिम भी - 10

असम में बोले अमित शाह देश से सभी घुसपैठियों को बाहर करेंगे - 11

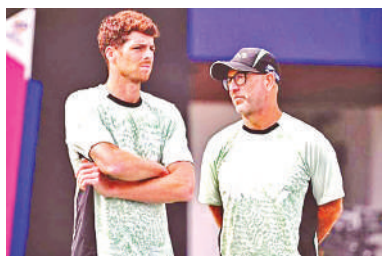

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों का लक्ष्य पाकिस्तानी स्पिनरों को काबू करना - 12

आज का मौसम

28.0° अधिकतम तापमान

14.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.40

सूर्यास्त 06.05

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष चतुर्थी 01:01 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 21 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 17, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का ट्रंप को बड़ा झटका...टैरिफ रद्द

6-3 के बहुमत से सुनाया फैसला कहा- टैरिफ का अधिकार कांग्रेस को

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों के थोपे गए टैरिफ के आदेशों को शुक्रवार को रद्द कर दिया। न्यायालय ने 6-3 के बहुमत से इस फैसले को सुनाया। कोर्ट के इस फैसले से ट्रंप के आर्थिक एजेंडे को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट के फैसले का केंद्र बिंदु आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत लगाए गए शुल्क हैं, जिनमें लगभग हर दूसरे देश पर लगाए गए पारस्परिक शुल्क भी शामिल हैं।

वहीं, कोर्ट से झटका लगने के बाद ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कड़े तेवर दिखाते हुए सभी देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त ग्लोबल टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। पहले से ही तय समझौते पर बात बढ़ेगी, क्योंकि पीएम मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं। वे काफी स्मार्ट हैं। इससे पूर्व न्यायालय ने पाया कि संविधान बहुत स्पष्ट रूप से कांग्रेस को कर लगाने की शक्ति देता है, जिसमें शुल्क भी शामिल हैं। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने फैसले में लिखा, संविधान निर्माताओं ने कराधान की शक्ति का कोई भी हिस्सा कार्यपालिका शाखा को नहीं सौंपा। न्यायमूर्ति सैमुअल एलिटो, न्यायमूर्ति क्लेरेंस थॉमस और न्यायमूर्ति ब्रेट कावानाघ ने असहमति व्यक्त की। न्यायमूर्ति कावानाघ ने लिखा, यहां जिन शुल्कों पर चर्चा हो रही है, वे नीति के लिहाज से उचित हो सकते हैं या नहीं हो सकते हैं। लेकिन लिखित प्रमाण, इतिहास और पूर्व उदाहरणों के आधार पर, ये स्पष्ट रूप से वैध हैं। शुल्क संबंधी निर्णय से ट्रंप को अन्य कानूनों के तहत शुल्क लगाने से नहीं रोका जा सकता।

ट्रंप ने 2025 में ज्यादातर देशों पर लगाए थे पारस्परिक शुल्क : ट्रंप ने अप्रैल 2025 में ज्यादातर देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाए, ताकि व्यापार घाटे को दूर किया जा सके, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया था। ये कदम तब उठाए गए जब उन्होंने कनाडा, चीन और मैक्सिको पर शुल्क लगाए, जिसका मकसद मादक पदार्थों की तस्करी की आपात स्थिति से निपटना था। इसके बाद कई मुकदमे दायर किए गए।

ट्रंप ने कहा- जजों को शर्म आनी चाहिए

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की ओर से ट्रंप द्वारा कई देशों पर लगाए गए टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद अमेरिकी राजनीति में टैरिफ को लेकर घमासान तेज हो गया है। ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कड़े तेवर दिखाते हुए सभी देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त ग्लोबल टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है। ट्रंप ने साफ कहा कि वह तुरंत ही एक नया कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। ट्रंप ने कहा मैं धारा 122 के तहत 10% वैश्विक टैरिफ लगाने का आदेश साइन करूंगा। यह पहले से वसूले जा रहे सामान्य शुल्कों के अतिरिक्त होगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रशासन धारा 301 समेत अन्य प्रावधानों के तहत कई जांच प्रक्रियाएं शुरू कर रहा है, ताकि अमेरिका को अन्य देशों और कंपनियों की कथित अनुचित व्यापारिक नीतियों से बचाया जा सके। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को समाप्त कराने के लिए शुल्क का इस्तेमाल किया, साथ ही उन्होंने दुनिया भर के देशों पर लगाए गए अपने व्यापक टैरिफ को रद्द करने के अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले की कड़ी आलोचना की।

भारत-ब्राजील को शुल्क वापसी की उम्मीद

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के प्रमुख व्यापार संगठन यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क के फैसले को रद्द किए जाने के बाद ब्राजील और भारत से आयातित कुछ वस्तुओं पर लगाए गए शुल्क की राशि वापस मिलने की उम्मीद जगी है। यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए प्रशासन से कहा कि इसका उपयोग समग्र शुल्क नीति को पुनः निर्धारित करने और लोगों के लिए महंगाई कम करने के वास्ते किया जाना चाहिए।

जज ने रूसी तेल खरीद पर टैरिफ का जिक्र किया

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति ब्रेट केवानॉ ने अपने असहमति वाले फैसले में रूस से तेल खरीदने पर भारत पर लगाए गए टैरिफ का जिक्र किया। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क और रूसी तेल खरीदे जाने पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया था। हालांकि, उन्होंने पारस्परिक शुल्क को घटाकर 18% कर दिया, वहीं रूस से तेल खरीदने पर लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क को हटा दिया। ट्रंप ने इस बात का जिक्र किया था कि भारत ने मॉस्को से कच्चे तेल का आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है।

ब्रीफ न्यूज

जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी ने तिहाड़ जेल में किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी मनोज गौर ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। हाल में दिल्ली की एक अदालत ने घर खरीदारों से जुड़े धन शोधन मामले में उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। अंतरिम जमानत प्राप्त करने वाले गौर ने गुरुवार को आत्मसमर्पण कर दिया और अब वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। दिल्ली की कोर्ट ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि उनके खिलाफ लगे आरोपों में आपराधिक के आरोप शामिल हैं।

बंगाल में एसआईआर की निगरानी करेंगे न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच जारी गतिरोध को लेकर नाखुशी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में विवादों से घिरी मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग की सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का शुक्रवार को असाधारण निर्देश दिया। निर्वाचन आयोग और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई तृणमूल सरकार के बीच दुर्भाग्यपूर्ण आरोप-प्रत्यारोप पर खेद जताते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या और विपुल एम की पीठ ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने को निर्देश जारी किए।

जेई और उसकी पत्नी को 33 बच्चों के यौन शोषण में मौत की सजा

पोर्न साइट पर डालते थे वीडियो, बांदा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने सुनाया फैसला

- सुनवाई के दौरान सीबीआई की टीम भी कोर्ट में रही मौजूद

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार : नाबालिग बच्चों से यौन शोषण कर अश्लील वीडियो को पोर्न साइट में अपलोड करने के मामले में बांदा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने चित्रकूट के सिंचाई विभाग के निलंबित जेई (अवर अभियंता) व उसकी पत्नी को फांसी की सजा सुनाई है। सुनवाई के दौरान सीबीआई की टीम भी कोर्ट में मौजूद रही।

मामला सन 2020 का है। सीबीआई को जानकारी मिली थी कि सिंचाई विभाग चित्रकूट में तैनात जेई रामभवन, चाइल्ड पोर्नोग्राफी जैसे संगीन अपराध में लिप्त है। सीबीआई ने रामभवन को एसडीएम कालोनी स्थित किराये के मकान से गिरफ्तार किया था। वहीं साक्ष्य संकलन के दौरान सीबीआई को रामभवन की पत्नी दुर्गावती की भी संलिप्तता मिली थी। इसके बाद दुर्गावती को भी गिरफ्तार किया गया और दोनों को बांदा जेल में निरुद्ध किया गया था। सीबीआई की पूछताछ में रामभवन ने बताया था कि वह पांच से 16 साल के बच्चों को अपना शिकार बनाता था। उन्हें जाल में फंसाने के लिए वह इलेक्ट्रानिक गैजेट्स का लालच देता था। बच्चों के अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर ऑनलाइन बेचा करता था, जिसके लिए उसे अच्छी खासी मोटी रकम मिलती थी। देश-विदेश के कई पोर्न गिरोहों के संपर्क में होने की बात भी उसने स्वीकारी थी। उसने यह भी बताया कि पीड़ित परिवारों को उनके बच्चों के अश्लील फोटो और वीडियो दिखाकर उन्हें ब्लैकमेल करता था और इसके एवज में उनसे पैसे मांगता था। इससे भी उसने अच्छी खासी रकम मिलती थी।

पिछले पांच साल से अधिक की अवधि में मामले की कई बार सुनवाई हुई और साक्ष्य संकलित किए गए। शुक्रवार को दोषसिद्ध पाए जाने पर बांदा की विशेष पॉक्सो कोर्ट के न्यायाधीश प्रदीप कुमार मिश्रा ने दोषी दंपती को मृत्युदंड की सजा सुनाई। अधिवक्ता सौरभ सिंह ने बताया कि इस घिनौने मामले में लगभग 33 नाबालिग बच्चों के शोषण की बात सामने आई।

चित्रकूट : फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद जेई व उसकी पत्नी(कपड़े से मुंह ढके) पुलिस गिरफ्त में।

पीड़ित बच्चों को 10-10 लाख देने के आदेश

कोर्ट ने सभी पीड़ित बच्चों को 10- 10 लाख रुपये देने का भी आदेश पारित किया। सजा में किए गए जुर्माने को भी बच्चों को देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसे अपराध न केवल पीड़ित बच्चों के जीवन को बर्बाद करते हैं, बल्कि समाज की नैतिक नींव को भी हिला देते हैं। यदि ऐसे मामलों में सख्ती नहीं बरती गई तो यह समाज के लिए खतरनाक संदेश होगा। कोर्ट ने पीड़ित बच्चों के पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक उपचार और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार और संबंधित विभागों को ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही पीड़ितों को उचित मुआवजा, काउंसिलिंग और शिक्षा-संबंधी सहायता उपलब्ध कराने के भी आदेश दिए।

शिक्षामित्रों को 18 हजार रुपए, अनुदेशकों को 17 हजार मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में ऐतिहासिक बढ़ोतरी का ऐलान किया है। उन्होंने विधानसभा में घोषणा की कि अब शिक्षामित्रों को 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। अभी तक शिक्षामित्रों को 10 हजार और अनुदेशकों को नौ हजार रुपये मिलते थे। इस फैसले से प्रदेश के करीब 1.70 लाख शिक्षामित्र और अनुदेशक लाभान्वित होंगे। यह व्यवस्था एक अप्रैल से लागू होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में इन कर्मियों की भूमिका अहम है और सरकार उनके सम्मान व सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मानदेय बढ़ोतरी के साथ ही ट्रांसफर नीति लागू करने व पांच लाख तक कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की भी घोषणा की गई है। जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां विद्यालय बनेंगे। इसके लिए 580 करोड़ की व्यवस्था की है। शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार व अनुदेशकों को 17 हजार देंगे।

नौ वर्षों में पहली बड़ी बढ़ोतरी

सूत्रों के अनुसार यह मानदेय वृद्धि एकमुश्त 8 हजार रुपये की है, जो नौ वर्षों में पहली बड़ी बढ़ोतरी है। शिक्षा कर्मियों का कहना है कि महंगाई के बीच यह फैसला आर्थिक संबल देगा।

अनुदेशकों की कानूनी लड़ाई का अंत

अनुदेशकों के मानदेय को लेकर 2017 से कानूनी संघर्ष चल रहा था। वर्ष 2017 में मानदेय 9 हजार से बढ़ाकर 17 हजार रुपये करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद इसे लागू नहीं किया गया। इसके बाद लखनऊ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय नौ प्रतिशत ब्याज सहित देने का आदेश दिया। राज्य सरकार की अपील पर डबल बेंच ने एक वर्ष के लिए भुगतान का निर्देश दिया। मामला आगे चलकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि लंबे समय से कार्यरत अनुदेशकों की सेवा समाप्त नहीं की जा सकती।

शिक्षामित्रों का सफर

- 2001 : नियुक्ति के समय 1500 मानदेय
- 2005 : मानदेय बढ़कर 2400 रुपये

मायावती सरकार : 3000 रुपये मानदेय, दो वर्षीय बीटीसी कोर्स शुरू

- 2014 : अखिलेश सरकार में पूर्णकालिक सहायक अध्यापक बने, करीब 43 हजार रुपये वेतन
- 25 जुलाई 2017 : सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर समायोजन रद्द, 3500 रुपये मानदेय पर वापसी
- 2017 : योगी सरकार ने मानदेय बढ़ाकर 10 हजार रुपये किया
- 2026 : अब बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह

मृतक के परिवार को मुआवजा देने को गाइडलाइंस बनाए राज्य सरकार: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

कस्टोडियल डेथ मामला

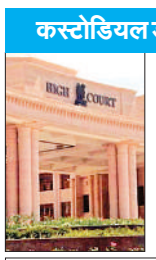

- पीलीभीत के एक मामले में दस लाख का मुआवजा देने का कोर्ट ने दिया आदेश

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कस्टोडियल डेथ के मामलों में मृतक के परिवार को मुआवजा प्रदान करने के लिए गाइडलाइंस बनाने का आदेश राज्य सरकार को दिया है। इसी के साथ कोर्ट ने पीलीभीत के एक कस्टोडियल डेथ के मामले में मृतक बंदी के परिवार को दस लाख का मुआवजा तीन सप्ताह में देने का आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ़ व न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने पीलीभीत जिला जेल में याची के नाबालिग पुत्र की अप्राकृतिक मृत्यु के मामले में पारित किया है। याचिका में कहा गया था कि वर्ष 2016 में पीलीभीत जनपद के पूरनपुर थाने की पुलिस ने नाबालिग पुत्र के विरुद्ध दुष्कर्म एवं पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया था। वह लगभग तीन वर्ष दस माह तक कारावास में रहा। जमानत मिलने के पश्चात उसे विचारण कोर्ट के समक्ष उपस्थित होना था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हो सका। परिणामतः ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी वारंट के अनुपालन में उसे पुनः गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। 20 फरवरी 2024 को उसकी जेल में मृत्यु हो गई। मजिस्ट्रेट जांच में पाया गया कि याची के पुत्र ने आत्महत्या की। कोर्ट ने कहा कि अभिलेख पर उपलब्ध सामग्री से यह स्पष्ट है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

हिरासत में यातना मानव गरिमा का उल्लंघन

कोर्ट ने कहा कि हिरासत में यातना मानव गरिमा का उल्लंघन है। जो पीड़ित के आत्म सम्मान और अस्तित्व को मूल से नष्ट कर देती है। जब भी मानव गरिमा आहत होती है, सभ्यता एक कदम पीछे चली जाती है। जांच प्रणाली से यातना को समाप्त करने की सिफारिशों के बावजूद पुलिस हिरासत और जेलों में यातना एवं मृत्यु की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक हैं। हिरासत में हिंसा और मौतें विधि के शासन की मूल भावना पर प्रहार हैं। राज्य अपनी अभिरक्षा में रखे गए व्यक्तियों के जीवन और स्वतंत्रता का संरक्षक है।

मानहानि मामले में राहुल के बयान दर्ज

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की कोर्ट में सुबह 10:40 बजे पेश हुए, जहां उन्होंने मानहानि प्रकरण में बयान दर्ज कराया।

उनके साथ उनके अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल मौजूद रहे। वहीं, परिवादी विजय मिश्र अपने अधिवक्ता संतोष पांडेय के साथ अदालत में उपस्थित रहे। करीब 45 मिनट चली कार्यवाही में राहुल गांधी ने आठ प्रश्नों के उत्तर देते हुए आरोपों से इंकार करते हुए कहा कि यह मुकदमा सस्ती लोकप्रियता पाने , मेरी व कांग्रेस पार्टी की छवि धूमिल करने के लिए राजनीतिक दुर्भावनावश दायर किया गया है। बयान दर्ज करने के उपरांत मामले मे सफाई साक्ष्य की सुनवाई के लिए अदालत ने अगली तारीख 9 मार्च निर्धारित की है।

- गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित टिप्पणी से जुड़ा मामला, अगली सुनवाई 9 मार्च को

सपा कार्यकर्ता की हत्या में 5 दोषियों को उम्रकैद

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

- आलोक पाल हत्याकांड : कोर्ट ने लगाया 90 हजार रुपये अर्थदंड

अमृत विचार : अमेठी जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के पूरे गड़ेरियन मौजा राजापुर में चार वर्ष पूर्व हुए सपा कार्यकर्ता आलोक पाल हत्याकांड में शुक्रवार को दोषसिद्ध आरोपियों की सजा पर फैसला सुनाते हुए एडीजे तृतीय निशा सिंह की अदालत ने पांच आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। कोर्ट ने प्रत्येक दोषी पर 18 हजार रुपये अर्थदण्ड भी लगाया है। अभियोजन पक्ष से एडीजीसी संदीप सिंह के मुताबिक घटना 2 मार्च 2022 को संग्रामपुर थानाक्षेत्र के पूरे गड़ेरियन मौजा राजापुर कोहरा की है ।

वादी रामराज पाल का पुत्र प्रशांत पाल और सपा कार्यकर्ता आलोक पाल सामान खरीदने बाजार जा रहे थे। रास्ते में ननकू दास की कुटी के पास घात लगाए बैठे आरोपियों ने लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से दोनों पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल आलोक पाल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने गांव के ही अजय मिश्र, माधवराज मिश्र, आशुतोष मिश्र, दुर्गा प्रसाद और अभिषेक मिश्र के खिलाफ केस दर्ज कर चार्जशीट दाखिल की। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष के नौ गवाहों की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए अदालत ने सभी पांचों को दोषसिद्ध दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाकर जेल भेज दिया।

रणनीतिक गठजोड़

एआई समिट में समझौते पर किए गए हस्ताक्षर, महत्वपूर्ण खनिजों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना प्राथमिकता

भारत का अमेरिका से समझौता, पैक्स सिलिका का बना हिस्सेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत अमेरिका के नेतृत्व वाले रणनीतिक गठजोड़ पैक्स सिलिका में शामिल हो गया है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों व कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है। यहां में एआई इम्पैक्ट समिट में आयोजित एक समारोह में गठबंधन में शामिल होने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

वहां उपस्थित लोगों में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, आर्थिक मामलों के लिए अमेरिकी उप विदेश मंत्री जैकब हेलबर्ग और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर शामिल थे। यह कदम दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और संबंधों में गंभीर तनाव के दौर के बाद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कई अन्य पहलों पर आगे बढ़ने के प्रयासों के बीच आया है।

गोर ने कहा, व्यापार समझौते से लेकर पैक्स सिलिका और रक्षा सहयोग तक, दोनों देशों की साथ काम करने की संभावनाएं वास्तव में असीमित हैं। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि पैक्स सिलिका में भारत का प्रवेश केवल एक प्रतीकात्मक कदम नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक कदम है जो द्विपक्षीय संबंधों की समग्र दिशा को और मजबूत करेगा। भारत ऐसा देश है जहां प्रतिभा का भंडार है, जो प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती देने के लिए काफी है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता इस महत्वपूर्ण गठबंधन के लिए आवश्यक योग्यताएं प्रदान करती है। प्रतिभा के अलावा, भारत ने महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण क्षमता की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और हम इसमें भी पूरी तरह से सहभागिता कर रहे हैं। गोर ने सुझाव दिया कि अमेरिका पैक्स सिलिका ढांचे के तहत भारत से एआई प्रौद्योगिकियां साझा कर सकता है। अमेरिकी उप विदेश मंत्री हेलबर्ग ने भारत के फैसले की सराहना की और पैक्स सिलिका को आपूर्ति श्रृंखलाओं में दबाव की रणनीति व ब्लैकमेल के खिलाफ पहल बताया, जिसे चीन की ओर एक स्पष्ट इशारा माना जा रहा है।

नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव।

मोदी ने एआई व डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ संग कृषि, शिक्षा में एआई की संभावनाओं पर की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने एआई व डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ के साथ शुक्रवार को बैठक की और कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं मातृभाषा में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी के उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के साथ आयोजित गोलमेज बैठक में 16 एआई एवं डीपटेक स्टार्टअप के सीईओ तथा संस्थापकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। मोदी ने मजबूत 'डेटा गवर्नेंस' की आवश्यकता पर जोर दिया, दुष्प्रचार के प्रति सावधान रहने को कहा और भारत की जरूरतों के अनुरूप समाधान विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने यूपीआई को सरल एवं व्यापक डिजिटल नवाचार का उदाहरण बताते हुए भारतीय कंपनियों पर विश्वास जताया और घरेलू उत्पादों पर भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 21 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

मोदी यूपी को देंगे सेमीकंडक्टर और रैपिड रेल की रफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 और 22 फरवरी को प्रदेश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण और

अत्याधुनिक परिवहन कनेक्टिविटी का तोहफा देंगे। दोनों कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति रहेगी। शनिवार को प्रधानमंत्री वर्चुअली उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट 'इंडिया चिप' का शिलान्यास करेंगे। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर-28 में 48 एकड़ भूमि पर स्थापित होने वाली यह परियोजना एचसीएल ग्रुप और फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप का संयुक्त उपक्रम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव परियोजना स्थल पर मौजूद रहेंगे। यह देश की पहली डिस्प्ले ड्राइवर इंटीग्रेटेड सर्किट ओसैट सुविधा होगी, जिससे प्रतिवर्ष लगभग 45,000 करोड़ के जीडीपी योगदान और करीब 3,000 रोजगार सृजन की संभावना है। रविवार को पीएम मोदी मेरठ में नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक रैपिड रेल के संचालन से दिल्ली-मेरठ का सफर एक घंटे से भी कम समय में पूरा होगा। 180 किमी प्रति घंटे की डिजाइन गति और हर 10 मिनट में ट्रेन उपलब्ध होने से यातायात सुगम होगा और प्रदूषण घटेगा। साथ ही, 12 मेट्रो स्टेशनों के साथ 21 किमी की शहरी यात्रा आधे घंटे से कम में संभव होगी।

आज किसानों को बड़ा तोहफा देंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : शनिवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसानों और आपदा मित्रों को बड़ी राहत देंगे। पीएम फसल बीमा योजना (खरीफ 2025) के तहत 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के 3,500 परिवारों को 175 करोड़ की सहायता राशि वितरित की जाएगी। आपदा मित्रों को जीवन बीमा लाभ मिलेगा। साथ ही बागपत, शामली, कासगंज, भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय व मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं, मऊरानीपुर (झांसी) में 50 शैय्या छात्रावास और लखनऊ में स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो का शिलान्यास होगा।

लापता लोगों को न तलाश पाने पर डीजीपी नाराज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 20,350 लोग लापता चल रहे हैं, लेकिन पुलिस का भारी भरकम अमला उन्हें तलाश नहीं कर सका है। उधर डीजीपी राजीव कृष्ण ने लोगों को तलाश नहीं कर पाने पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने एक कार्य योजना तैयार की है। साथ ही सभी पुलिस अफसरों से कहा है कि वह हर माह लापता लोगों और बच्चों को तलाशने के लिए विशेष अभियान चलाएं। प्रदेश में एक जनवरी-2024 से 18 फरवरी-2026 यानी दो साल के भीतर 1,08,372 लोग लापता हो गए। हालांकि पुलिस ने 88,022 लोगों को तलाश भी कर उनके घरों तक पहुंचा दिया। अब 20,350 लोग ऐसे हैं, जो कि अपनों के पास नहीं पहुंच सके हैं। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक लापता व्यक्ति को तलाशना पुलिस की पहली प्राथमिकता है।

प्रदेश के सरकारी उपक्रमों में हजारों करोड़ की अनियमितताएं

विधानसभा के पटल पर रखी गई सीएजी रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का खुलासा, निर्माण निगम से परिवहन व औद्योगिक उपक्रमों तक नियम विरुद्ध भुगतान व ठेके

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा में शुक्रवार को वित्तमंत्री सुरेश खन्ना द्वारा रखी गई भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की ताजा रिपोर्ट ने प्रदेश के राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों यानी एसपीएसई में व्यापक भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितताओं और कमजोर शासन व्यवस्था की परतें उधेड़ दी हैं। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि कई उपक्रमों में बिना अनुमति काम शुरू करना, वास्तविक कार्य के बिना भुगतान, नियमों को ताक पर रखकर ठेके देना और सरकारी धन पर अर्जित ब्याज को जमा न करना जैसी गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं।

- **घाटे में डूबे उपक्रम, कमजोर निगरानी और सरकारी धन के दुरुपयोग पर गंभीर सवाल**

मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए तैयार यह रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार का प्रतिवेदन संख्या-9 राज्य विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च 2023 तक यूपी में सीएजी के लेखापरीक्षा दायरे में 113 एसपीएसई थे, जिनमें 72 क्रियाशील और 41 निष्क्रिय (13 परिसमापनाधीन सहित) थे। 68 क्रियाशील उपक्रमों में जहां 39 ने 2,169.50 करोड़ का लाभ कमाया, वहीं 27 उपक्रमों ने 32,393.08 करोड़ का भारी घाटा उठाया। सीएजी का कहना है कि यह घाटा केवल कारोबारी जोखिम नहीं, बल्कि खराब वित्तीय प्रबंधन और नियंत्रण तंत्र की विफलता को भी दर्शाता है।

निगरानी और गवर्नेंस की नाकामी : रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि अधिकांश एसपीएसई में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं हुई, कई बोर्डों ने अनिवार्य बैठकें तक नहीं कीं और लेखापरीक्षा समिति, नामांकन-पारिश्रमिक समिति जैसी वैधानिक व्यवस्थाएं कागजों तक सीमित रहीं। महिला निदेशकों की नियुक्ति में भी व्यापक लापरवाही पाई गई। सीएजी ने इसे संस्थागत भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाला वातावरण बताया है।

विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट रखते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

निर्माण निगम बना भ्रष्टाचार का केंद्र

सीएजी ने प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड की निष्पादन लेखापरीक्षा में सबसे गंभीर अनियमितताएं दर्ज की हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, तकनीकी स्वीकृति और पर्यावरणीय अनापत्ति के बिना 2,058 करोड़ से अधिक के कार्य शुरू कर दिए गए। कई मामलों में कार्य के वास्तविक निष्पादन के बिना 31.72 करोड़ का भुगतान कर दिया गया। उप-संविदाकारों को बिना बैंक गारंटी के करोड़ों रुपये के अग्रिम दे दिए गए। सरकारी निधियों पर अर्जित 641.45 करोड़ का ब्याज कोषागार में जमा नहीं कराया गया। ठेकों में खुली निविदा प्रक्रिया के बजाय सीमित कोटेशन से काम देकर पारदर्शिता को नुकसान पहुंचाया गया। सीएजी ने इसे गंभीर वित्तीय कदाचार करार देते हुए कहा है कि इससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ, बल्कि जवाबदेही तंत्र भी पूरी तरह विफल रहा।

भ्रष्टाचार के मुख्य बिंदु

- बिना तकनीकी स्वीकृति 2,058 करोड़ के कार्य शुरू
- बिना वास्तविक काम के 31.72 करोड़ का भुगतान
- उप-संविदाकारों को 20.40 करोड़ के अग्रिम बिना गारंटी
- सरकारी निधियों पर 641.45 करोड़ ब्याज जमा नहीं
- ठेकों में खुली निविदा की अनदेखी, सीमित कोटेशन से काम

वित्तीय रेड फ्लैग्स

- घाटे में एसपीएसई : 27
- कुल घाटा : 32,393.08 करोड़
- ब्याज वहन में अक्षम उपक्रम : 12
- पूरी तरह नेटवर्थ गंवाने वाले उपक्रम : 16

गवर्नेंस फेल्योर

- स्वतंत्र निदेशक नहीं : 26 एसपीएसई
- अनिवार्य बोर्ड बैठकें नहीं : 35 एसपीएसई
- लेखापरीक्षा समिति का अभाव/गलत गठन : 21 एसपीएसई

नियोजन से लेकर आवंटन तक गड़बड़ी की भरमार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) ने गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा विकास एवं संपत्तियों के आवंटन को लेकर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही, वित्तीय अनियमितताओं और संभावित भ्रष्टाचार को उजागर किया है। एनसीआर का हिस्सा होने के बावजूद गाज़ियाबाद महायोजना-2021 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड से अनुमोदन नहीं कराया गया, जो नियोजन कानूनों का सीधा उल्लंघन है। इसके अलावा, एकीकृत महायोजना बनाने के बजाय गाज़ियाबाद और मोदीनगर के लिए अलग-अलग महायोजनाएं तैयार की गईं, जिनके ज़ोनिंग नियमों में भारी विरोधाभास पाए गए। इन योजनाओं के निर्माण में चार से दस वर्षों तक की देरी हुई और आठ में से केवल एक ज़ोन के लिए ही ज़ोनल विकास योजना तैयार की गई।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने शुक्रवार को सीएजी का निष्पादन लेखापरीक्षा प्रतिवेदन संख्या-11 (वर्ष 2025), को राज्य विधानमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया। इसमें वर्ष 2017-18 से 2021-22 की अवधि के दौरान जीडीए की कार्यशैली का व्यापक मूल्यांकन किया गया। सीएजी ने पाया कि महायोजना-2021 के तहत निर्धारित विकास लक्ष्य अधिकांश क्षेत्रों में पूरे ही नहीं किए गए। खुले स्थान, पार्क और मनोरंजन क्षेत्र में 79 प्रतिशत, व्यावसायिक क्षेत्र में 66 प्रतिशत और सार्वजनिक सुविधाओं में 39 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

- **गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल**
- **ईडब्ल्यूएस आवास, संपत्ति आवंटन और अवैध निर्माण पर कार्रवाई में भारी चूक**

अनियमितता के प्रमुख बिंदु

- महायोजना-2021 बिना एनसीआर बोर्ड की मंजूरी
- ईडब्ल्यूएस आवास लक्ष्य का केवल 40% ही पूरा
- संपत्ति आवंटन का कोई योजनावार डाटा बैंक नहीं
- हिंडन बाढ़ क्षेत्र में अवैध निर्माण पर ढीली कार्रवाई
- बिना रिकॉर्ड कारणों के नीलामी/आवंटन से संपत्तियां बाहर

वित्तीय रेड फ्लैग्स

- राजस्व लक्ष्य में कमी : 40-58%
- व्यय लक्ष्य में कमी : 40-63%
- राज्य सरकार से लंबित वसूली : 347.43 करोड़

गवर्नेंस और नियंत्रण की विफलता

- ज़ोनल विकास योजनाओं का अभाव
- आंतरिक लेखापरीक्षा निष्कर्षों पर सुधार नहीं
- तकनीकी संवर्ग में भारी मानवशक्ति की कमी
- बोर्ड बैठकें मानकों के अनुरूप नहीं

वित्तीय प्रबंधन में भारी चूक, करोड़ों की वसूली लंबित

वित्तीय मोर्चे पर भी जीडीए की स्थिति चिंताजनक रही। वर्ष 2017-18 से 2021-22 के दौरान, 2018-19 को छोड़कर, राजस्व लक्ष्य में 40 से 58 प्रतिशत तक की कमी रही। वहीं, व्यय लक्ष्य भी 40 से 63 प्रतिशत तक कम रहा। सीएजी ने यह भी इंगित किया कि उप-निबंधन कार्यालयों द्वारा अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क वसूली के बावजूद, जीडीए की 347.43 करोड़ की वैधानिक मांग अब तक राज्य सरकार से प्राप्त नहीं हो सकी, जो कमजोर वित्तीय फॉलो-अप और जवाबदेही को दर्शाता है।

आवंटन और प्रवर्तन में पारदर्शिता का अभाव

संपत्तियों के आवंटन में पारदर्शिता की भारी कमी सामने आई। जीडीए के पास योजनावार विकसित, बेची गई और शेष संपत्तियों का कोई समेकित डाटा बैंक नहीं था। बोली-सह-नीलामी और पहले आओ-पहले पाओ जैसी प्रक्रियाओं में यह तक स्पष्ट नहीं किया गया कि पूर्व नीलामी में अविकसित/अविक्रीत संपत्तियों को आगे क्यों नहीं लाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 45,000 इकाइयों के लक्ष्य के मुकाबले मात्र 20,173 इकाइयों की योजना बनाई गई और मार्च 2024 तक केवल 5,801 इकाइयां ही निर्माणाधीन पाई गईं। हिंडन नदी के बाढ़ क्षेत्र में अवैध निर्माण रोकने में भी जीडीए विफल रहा। अनधिकृत निर्माण के चिन्हित मामलों में केवल 19 से 65 प्रतिशत पर ही कार्रवाई की गई। 1,303 स्वीकृत मानचित्रों में से मात्र 125 को ही पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी किया गया, जबकि शेष भवनों की स्थिति का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया गया।

दुर्बल आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए वर्ष 2017-22 में न्यूनतम 25,000 आवासीय इकाइयों के लक्ष्य के मुकाबले मात्र 9,960 इकाइयां ही बन सकीं।

सीएजी की रिपोर्ट साफ संकेत देती है कि गाज़ियाबाद विकास प्राधिकरण में अनियमितताएं केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि संस्थागत लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार का परिणाम हैं। रिपोर्ट में दोषी अधिकारियों के विरुद्ध उत्तरदायित्व तय करने, पारदर्शी डाटा प्रणाली विकसित करने और अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

पेशी पर आए कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिलते प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व आराधना मिश्रा।

पूरे देश में राहुल गांधी के खिलाफ कराए जा रहे मुकदमे : प्रमोद तिवारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का हुआ स्वागत**

अमृत विचार : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को दिल्ली से लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतरे तो उनका स्वागत किया गया। इस दौरान प्रमोद तिवारी ने कहा कि पूरे देश में राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमे कराए जा रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ सुल्तानपुर के एमएलए-एमपी कोर्ट में एक मानहानि का मुकदमा चल रहा है। उसी मामले में शुक्रवार की सुबह राहुल गांधी दिल्ली से एयरपोर्ट पर उतरे। वहां पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद प्रमोद तिवारी, वरिष्ठ नेता अखिलेश सिंह, कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता अराधना मिश्रा, प्रवक्ता अंशु अवस्थी समेत भारी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। यहां से राहुल गांधी कार से सुल्तानपुर गए। वहां से दोपहर में करीब ढाई बजे एयरपोर्ट लौटे और दिल्ली के लिए चले गए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि राहुल गांधी सुल्तानपुर की एक अदालत में चल रहे मामले में आए थे, उनका और कोई कार्यक्रम नहीं था।

स्पष्ट नीति व सख्त वित्तीय अनुशासन से बदला यूपी : योगी

मुख्यमंत्री ने सदन में रखा 'न्यू यूपी' के विकास का ब्लूप्रिंट, कांग्रेस-सपा पर निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में बजट 2026-27 पर चर्चा के दौरान नौ वर्षों की सरकार के कामकाज का विस्तृत लेखा-जोखा पेश करते हुए कांग्रेस और सपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि यूपी आज बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकलकर देश के टॉप-3 राज्यों में शामिल हो चुका है। यह परिवर्तन किसी एक योजना का नहीं, बल्कि स्पष्ट नीति, शुद्ध नीयत और प्रभावी वित्तीय प्रबंधन का परिणाम है। उन्होंने डाटा, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग और रोजगार की योजनाएं गिनाते हुए कहा कि इनके सहारे यूपी ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की धुरी बनेगा।

मुख्यमंत्री ने बजट सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को अपने लंबे भाषण में बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को दसवां बजट प्रस्तुत करने का अवसर मिला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह बजट केवल खर्च का दस्तावेज नहीं, बल्कि भविष्य के उत्तर प्रदेश का रोडमैप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लीकेज रोके, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया। इसी का नतीजा है कि आज बैंक, निवेशक और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं उत्तर प्रदेश पर भरोसा कर रही हैं। नीति आयोग की फिस्कल हेल्थ इंडेक्स और कैग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यूपी को अब फ्रंट रनर स्टेट माना जा रहा है। योगी ने बताया कि वर्ष 2016-17 में प्रदेश का पूंजीगत व्यय करीब 71 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर में लगाया गया एक रुपये का निवेश पांच से छह गुना प्रतिफल देता है। उन्होंने डाटा को नई अर्थव्यवस्था की आधारशिला बताते हुए कहा कि एआई 'न्यू ऑयल' बनने जा रहा है। बजट 2026-27 में डाटा सेंटर क्लस्टर, स्टेट डाटा सेंटर अथॉरिटी और डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने के प्रावधान किए गए हैं। यूपी अब रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रोएक्टिव गवर्नेंस मॉडल की ओर बढ़ रहा है।

- **डाटा, इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग और रोजगार के सहारे यूपी बनेगा ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की धुरी**

घालमेल की राजनीति अब नहीं चलेगी नेता प्रतिपक्ष पर साधा निशाना

वित्तीय प्रबंधन पर विपक्ष के सवालों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि उम्र और अनुभव के साथ आंकड़ों में ईमानदारी आएगी, लेकिन चच्चू का प्रभाव अब भी हावी दिखा। योगी ने तथ्यों के साथ जवाब देते हुए कहा कि 2016-17 में समाजवादी पार्टी सरकार के दौरान राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 4.39 प्रतिशत था, जो अब 2025-26 में घटकर 2.97 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने बताया कि ऋणग्रस्तता लगभग 30 प्रतिशत से घटकर 26 प्रतिशत आ गई है और 2026-27 तक इसे 23 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य है। प्रति व्यक्ति आय पर विपक्ष को घेरते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2016-17 में यह करीब 43 हजार रुपये थी, जबकि आज 1.20 लाख रुपये से अधिक हो चुकी है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या 43 हजार और 1.20 लाख में कोई फर्क नहीं दिखता।

आठ हजार न्याय पंचायतों में चुने जाएंगे डिजिटल इंटरप्रेन्योर

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आठ हजार न्याय पंचायतों में डिजिटल इंटरप्रेन्योर चुने जाएंगे। हर जिले में 'सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन' विकसित होंगे। अगले पांच वर्षों में 100 नई टाउनशिप, 27 एक्सप्रेसवे क्लस्टर और 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक तैयार किया जाएगा। महिलाओं के लिए 100 करोड़ रुपये से महिला उद्यमी उत्पाद विपणन केंद्र, 60 लाख सुरक्षित प्रसव के लिए 1000 करोड़ और बालिकाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की गई। उन्होंने दावा किया कि सरकार में प्राइमरी स्कूलों का ड्रॉपआउट रेट शून्य हुआ है और शिक्षकों व कार्मिकों के आश्रित परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा दी जाएगी। पर्यटन, स्टार्टअप, एमएसएमई, पशुधन, मत्स्य और पर्यावरण संरक्षण पर बजट फोकस का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे तरक्की और रोजगार बढ़ा है।

कांग्रेस पर देश की छवि बिगाड़ने का आरोप

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भारत मंडपम में अराजकता फैलाकर कांग्रेस ने देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि जब 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और 20 राष्ट्राध्यक्ष एआई समिट के लिए भारत आए थे, तब कांग्रेस के युवा संगठन ने शर्मनाक कृत्य कर दुनिया के सामने भारत को बदनाम करने की कोशिश की। सीएम योगी ने दो टूक कहा कि देश की प्रतिष्ठा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए।

विशेषाधिकार हनन और शिक्षामित्रों के मुद्दे पर तीखी बहस

विधान परिषद : अधिकारियों के फोन न उठाने समेत कई मामलों पर सत्ता पक्ष व विपक्षी सदस्य एकमत

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : बजट सत्र में विधानसभा के बाद विधान परिषद में भी अधिकारियों द्वारा फोन न उठाने का मुद्दा उठा है। विपक्ष के साथ सत्ता पक्ष सदस्यों ने भी सुर में सुर मिलाए। दोनों पक्षों ने शिकायत की कि जिलों में जिलाधिकारी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी फोन नहीं उठाते, जिससे जनसमस्याओं के समाधान में बाधा आ रही है।

बजट सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को शून्य प्रहर में शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने जिलों के जिलाधिकारी सीयूजी नंबर खुद नहीं उठाने की सूचना दी। कहा कि उनके अर्दली फोन उठाते हैं, बात नहीं कराते हैं, जिससे समस्याओं के समाधान में दिक्कत आती है। भाजपा के उमेश द्विवेदी ने भी विधायक त्रिपाठी की सूचना का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जिले की डीएम को पांच महीनों में कई बार फोन किया, लेकिन हर बार मैडम व्यस्त थीं। भाजपा के ही सुरेंद्र चौधरी ने बिजली विभाग के एमडी के पीआरओ द्वारा एमडी बनकर बात करने का गंभीर आरोप लगाया। सपा सदस्य जासमीर अंसारी ने कहा कि अधिकारी जब सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों की नहीं सुन रहे और उन्हें धरने पर बैठना पड़ रहा है तो विपक्ष की कौन सुनेगा।

जवाब में नेता सदन एवं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आश्वासन दिया कि वह संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों से सीधे बातचीत करेंगे और समस्या का समाधान कराने का प्रयास करेंगे।

मगर, सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि यह स्थिति केवल कुछ जिलों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रदेश के अधिकांश जिलों में यही हाल है। नेता सदन को निर्देश दिए कि सभी जिलों के जिलाधिकारियों से इस विषय में बात कर स्थिति में सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रोटोकाल में किसी प्रकार की अनदेखी नहीं होनी चाहिए । इसी क्रम में नियम 223 अंतर्गत निर्दलीय डॉ. आकाश अग्रवाल ने 18 फरवरी 2026 को ताज महोत्सव के आयोजन में अपना नाम शामिल न किए जाने को विशेषाधिकार हनन बताया। सभापति ने संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया है। शाम 6 बजे सभापति द्वारा सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गयी है।

शिक्षकों के मुद्दे पर गरमाया सदन

शून्य काल में नियम-105 अंतर्गत सपा सदस्यों ने शिक्षा मित्रों की समस्याओं का मुद्दा उठाया, कहा कि कम मानदेय में कई कार्य कराना नियति बन चुकी है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने जवाब दिया। शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने नियम-105 अंतर्गत अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में स्ववित्तपोषित शिक्षकों के वेतन भुगतान व विनियमितीकरण की सरकार से मांग उठाई। सभापति ने मामले को प्रभावी कार्रवाई के लिए सरकार को भेजा।

शहीद के सम्मान में कोताही नहीं : केशव मौर्य

महराजगंज के शहीद पंकज त्रिपाठी को उनके शहादत दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा सम्मान न दिए जाने का मामला विधान परिषद में भाजपा सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह ने उठाया। उन्होंने कहा कि शहीदों का सम्मान करना प्रशासन की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। सभापति ने भी चिंता जताई और कार्रवाई के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री के तंज पर भड़के सपा सदस्य

सदन की कार्यवाही के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सपा सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। केशव मौर्य ने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव पूर्व मुख्यमंत्री थे और पूर्व ही रहेंगे। इस पर सपा एमएलसी भड़क गए और पलटवार करते हुए कहा कि 15 मार्च 2027 को अखिलेश यादव बतौर मुख्यमंत्री सदन में मौजूद होंगे। इसके अलावा, सदन में मंत्रियों की अनुपस्थिति को लेकर भी सभापति ने नाराजगी जताई। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के देरी से पहुंचने पर सभापति ने उनके स्पष्टीकरण को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

जिला विद्यालय निरीक्षक पर भ्रष्टाचार की जांच के निर्देश

भाजपा सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह ने मिर्जापुर के जिला विद्यालय निरीक्षक पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को लेकर प्रश्न उठाया। माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी के जवाब से सदस्य के असंतुष्ट होने पर कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने उच्च अधिकारियों से जांच कराकर पुराने अधिकारियों एवं संबंधित जिला विद्यालय निरीक्षक पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

वंदेभारत पर पथराव करने में दो किशोर पकड़े गए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **ट्रेन में सफर कर रहे थे संघ प्रमुख मोहन भागवत**

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक मोहन भागवत के पास वाले कोच में पथराव करने के आरोप में हरदोई आरपीएफ ने दो किशोरों को अभिरक्षा में ले लिया। दोनों किशोर आपस में मौसेरे भाई हैं। अभी तक की जांच में खुलासा हुआ है कि बच्चे वंदे भारत ट्रेन को देखने के लिए आए थे, तभी खेल-खेल में कोच पर पथराव कर दिया।

संघ प्रमुख गुरुवार को दोपहर 2 बजे के करीब वंदे भारत ट्रेन से लखनऊ से मेरठ के लिए रवाना हुए थे। जैसे ही ट्रेन अपरान्ह 3.20 बजे के करीब हरदोई जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के बलोखर फाटक के पास पहंची, तभी एक पत्थर ट्रेन के कोच की खिड़की पर पत्थर जोर से लगा। जिस कोच की खिड़की पर पत्थर लगा उसके बराबर वाले कोच में संघ प्रमुख बैठे थे। पुलिस ने तुरंत उनका कोच बदल दिया गया। उधर

अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कायम कर जीआरपी और आरपीएफ ने सीसी कैमरे तलाश कर दो किशोरों को अभिरक्षा में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, एक बच्चे की उम्र 12 साल है, जो कि शाहजहांपुर जिले का रहने वाला है। दूसरे की उम्र 14 साल है। दोनों रिश्ते में भाई लगते हैं। दोनों को जुवेलाइन कोर्ट में पेश किया गया।

एडीजी जीआरपी प्रकाश डी. ने बताया कि सीसी कैमरों की सहायता से शुक्रवार को दो किशोर को अभिरक्षा में ले लिया गया। दोनों को जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया गया।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वस्नीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर जी"
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के.एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555 9695416555

महिला की चेन लूटने वाला मुठभेड़ में घायल

पैर में लगी गोली, लूटी गई चेन, तमंचा, कारतूस, रुपये बरामद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: वृंदावन कॉलोनी सेक्टर-11 में बैंक मैनेजर की पत्नी रीता झा की चेन लूटने वाले बदमाश और पीजीआई पुलिस के बीच शुक्रवार रात बरौली इलाके में मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से बाइक सवार बदमाश विवेक कुमार यादव घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। मौके से तमंचा, कारतूस, खोखा, लूटी गई चेन, 1700 रुपये व लूट में प्रयुक्त बिना नंबर की बाइक बरामद हुई है।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि एसजीपीजीआई की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा के प्रबंधक प्रवीण झा हैं। मंगलवार सुबह प्रवीण के ड्यूटी और बच्चे के स्कूल जाने के बाद रीता घर के बाहर कुर्सी पर बैठकर धूप सेंक रही थी। इस बीच एक बाइक सवार ने कुर्सी के पीछे बाइक रोकी।

झपट्टा मार कर चेन तोड़कर भागने लगा। रीता ने दौड़ाकर बदमाश को पीछे से पकड़ लिया। रीता घिसटती रही लेकिन बदमाश को नहीं छोड़ा। राहगीरों को आता देख बदमाश धक्का देकर भाग निकला था। वारदात में सड़क पर गिरने से रीता के हाथ-पैर और पीठ में चोट आई थी। लुटेरे की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी थी। जिसके आधार पर पीजीआई पुलिस बदमाश की तलाश में जुटी थी। शुक्रवार देर रात बरौली रेलवे

जानकारी लेते पुलिस अधिकारी।

अंडरपास के करीब पीजीआई पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध बाइक सवार आता दिखा।

पुलिस को देखकर बदमाश ने भागने का प्रयास किया। घेराबंदी कर बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बाएं पैर में गोली लगने से बदमाश सड़क पर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे घायल हालत में अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश विवेक कुमार उर्फ शेरू यादव।

मुठभेड़ की जानकारी पर डीसीपी साउथ, एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार व एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ यादव मौके पर पहुंचे। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विवेक कुमार यादव उर्फ शेरू यादव निवासी बघराजपुर श्रमन देहात थाना कोतवाली नगर सुल्तानपुर बताया। डीसीपी ने बताया कि आरोपी विवेक के खिलाफ चौक कोतवाली में रंगदारी और सुल्तानपुर के थाना कोतवाली नगर में दुष्कर्म, धमकी का मामला दर्ज है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

शादी का नाटक कर यौन शोषण करने वाला कैब चालक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 2 फरवरी को पीड़िता ने बेटी को दिया था जन्म, 5 फरवरी से फरार था आरोपी

अमृत विचार: मंदिर में शादी का नाटक कर युवती का यौन शोषण करने वाले आरोपी को चिनहट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी आदित्य यादव बाराबंकी के देवा का रहने वाला है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि 19 फरवरी को पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी।

बाराबंकी निवासी पीड़िता ने पुलिस को बताया था कि वह नीट की तैयारी करने के लिए दिसंबर 2022 में लखनऊ आई थी। गोमतीनगर स्थित कोचिंग आने-जाने में वह कैब का इस्तेमाल करती थी। इस दौरान कैब चालक आदित्य यादव ने उससे दोस्ती की। आरोपी ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया। चंद्रिका देवी मंदिर में दो दोस्तों के सामने शादी की। पीड़िता जब भी परिवार से मिलवाने की बात करती तो वह मना कर देता था। इस दौरान आदित्य बहाने से पीड़िता को अपने रूम पर ले गया। चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। नशे की हालत में उसने पीड़िता से दुष्कर्म किया। 2 फरवरी को निजी अस्पताल में पीड़िता की बेटी हुई। आदित्य ने पीड़िता को अस्पताल से डिस्चार्ज कराया। उसे चिनहट स्थित रूम पर ले गया। चिनहट के नौबस्ता में तीन दिन तक साथ रहा। फिर दवा लेने की बात कहकर घर से निकला और गायब हो गया था। पीड़िता ने संपर्क किया तो आरोपी ने पत्नी मानने से भी मना कर दिया था। जिसके बाद पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

न्यूज ब्रीफ

शादी का झांसा दे दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: मड़ियांव पुलिस ने शादी का झांझा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाले को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में 16 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज की थी। पीड़िता की तहरीर के मुताबिक सैरपुर के छठामील नियर फायर स्टेशन कमलाबाद बड़ौली निवासी विजय तिवारी ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। फिर शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने विजय से शादी करने की बात की तो उसने मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस ने बताया कि गुरुवार देर रात क्षेत्र में गश्त चल रही थी। सूचना मिली कि युवती के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी भागने की फिराक में है। आरोपी को भिठौली तिराहे के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने दी जान

अमृत विचार, काकोरी: थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने आत्महत्या कर ली। युवक का क्षत-विक्षत शव रेलवे ट्रैक पर मिला। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश राठौर ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 32 वर्ष थी। शरीर पर लाल रंग की टी-शर्ट, नेवी ब्लू पैंट और सफेद जूता था। उसके दाहिने हाथ में कलावा और गले में लाल धागे में ताबीज पहना हुआ था। पुलिस ने शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस सोशल मीडिया की मदद से शव पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

लापता दो चचेरी बहनें मध्य प्रदेश में मिली

अमृत विचार, सरोजनीनगर: इंस्टाग्राम पर अंजान युवकों से दोस्ती होने के बाद नाबालिग दो चचेरी बहनें उनसे मिलने मुरैना मध्यप्रदेश पहुंच गयी। जांच में लगी सरोजनीनगर पुलिस ने शुक्रवार को दोनों बहनों को मध्यप्रदेश के मुरैना से सकुशल बरामद कर लिया है। बताते चलें कि अमौसी निवासी 17 व 14 वर्षीय बहनें महाशिवरात्रि की सुबह करीब छह बजे मंदिर जाने की बात कहकर घर से निकली थीं। देर शाम तक वापस नहीं लौटीं। परिजनों द्वारा खोजबीन करने पर जानकारी मिली कि दोनों लखनऊ-कानपुर रेलखंड स्थित अमौसी रेलवे स्टेशन पर किसी ट्रेन से कानपुर की ओर गई थीं। इसके बाद परिजन ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। साथ ही साइबर सेल और सर्विलांस की मदद ली गयी। उसके बाद पुलिस टीम ने दोनों किशोरियों को मध्यप्रदेश के मुरैना क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया।

दिल का दौरा पड़ने से इंस्पेक्टर की मौत

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ कमिश्नरेट स्थित पुलिस लाइन में आरटीसी प्रभारी के पद पर तैनात इंस्पेक्टर हेमंत राघव को शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। जानकारी मिलते ही पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर, जेसीपी क्राइम अपर्णा कुमार, जेसीपी कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार व अन्य अफसर पुलिस लाइन पहुंचे।

इंस्पेक्टर हेमंत राघव मूलरूप से बुलंदशहर के रहने वाले थे। वह पुलिस लाइन स्थित रिक्रूट ट्रेनिंग प्रभारी थे। शुक्रवार सुबह वे परेड में शामिल हुए। इसी दौरान उनकी अचानक हालत बिगड़ने लगी तो वे गाड़ी में जाकर लेट गए। जानकारी मिलते ही अन्य पुलिस कर्मियों ने अधिकारियों को जानकारी दी। उन्हें लोकबंधु अस्पताल से हालत नाजुक देख ट्रामा रेफर कर किया गया था।

दो बाइक टकराई, दंपति समेत तीन लोग घायल

संवाददाता, नगराम।

अमृत विचार: गंगागंज-नगराम रोड पर अनैया खरगापुर के पास शुक्रवार को दो बाइक आमने-सामने टकरा गई। हादसे में दंपति समेत तीन लोग घायल हो गए। उधर, हादसे के वक्त निकल रहे पूर्व विधायक अंबरीष पुष्कर ने पुलिस और एंबुलेंस को फोन कर घटना की जानकारी दी। विधायक ने सभी घायलों को सीएचसी नगराम भेजा।

नगराम निवासी विकास अपनी बाइक से गंगागंज से वापस नगराम जा रहे थे। इस दौरान हुसैनाबाद निवासी रामविलास गौतम पत्नी के साथ गंगागंज की ओर जा रहे थे। अनैया के मजरा अयोध्या पुरवा के पास दोनों बाइकें आमने-सामने भिड़ गई। टक्कर इतनी जोर थी कि बाइक सवार सड़क पर जा गिरे। हादसा देखकर राहगीरों की भीड़ लग गई। इस बीच वहां से पूर्व विधायक अंबरीष पुष्कर निकल रहे थे। उन्होंने अपने पीआरओ को पुलिस और एंबुलेंस को फोन करने को कहा। पुलिस ने तीनों घायलों को सीएचसी नगराम भेजा, जहां डॉक्टर ने दो की हालत गंभीर बताते हुए ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। कार्यवाहक थाना प्रभारी उमाशंकर सिंह ने बताया कि हादसे में घायलों को इलाज के लिए भेज दिया गया है। दोनों पक्षों से कोई तहरीर नहीं आई है।

लंबित आख्या पर कानूनगो को नोटिस, होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जिलाधिकारी विशाख जी ने शुक्रवार अचानक उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज न्यायालय का निरीक्षण किया तो आरसीएमएस पोर्टल पर धारा 24 के वादों में 2 साल से ऊपर की कुछ पत्रावलियों पर डेट नहीं मिली। उप जिलाधिकारी ने बताया कि 2024 के कई प्रकरण ऐसे है जिनमें कानूनगो की आख्या न आने के कारण लंबित है। इस पर जिलाधिकारी ने काफी समय से आख्या लंबित रखने वाले कानूनगो को कारण बताओ नोटिस जारी कर विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसके बाद जिलाधिकारी ने पांच वर्ष से ऊपर के पांच वादों की पत्रावलियों का अवलोक किया। सभी पुराने वादों का शीघ्र निस्तारण करके दैनिक आधार पर तिथि निर्धारित करने के निर्देश दिए। साथ ही तहसीलदार मोहनलालगंज को निर्देशित किया कि धारा 34 वादों के संबंध में सभी नायब और तहसीलदार न्यायालय में एक दाखिल खारिज विषयक आवश्यक दस्तावेजों की सूची जारी करें। ताकि वादकारियों को उन सभी दस्तावेजों की जानकारी हो। सूची उप निबंधक कार्यालय में भी चस्पा करें। इससे साक्ष्य के अभाव में कोई भी बाद लंबित न रहे।

वसूली न करने पर दो अमीन पर कार्रवाई के निर्देश

- जिलाधिकारी ने संग्रह अनुभाग का निरीक्षण किया गया। अमीनवार वसूली के विवरण की समीक्षा की। पाया कि अमीन भाई लाल एवं अमीन बसंत कुमार के द्वारा बड़े बकायादारों के आरसी की वसूली नहीं की गई। नाराजगी जताते हुए उप जिलाधिकारी को दोनों अमीन के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। नायब तहसीलदार के न्यायालयों में पुरानी पत्रावलियों का अवलोकन किया। दैनिक आधार पर डेट लगाते हुए निस्तारण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में पिछले समाधान दिवस के अभिलेख अलमारी में रखे पाए गए।

कर्मचारी से जानकारी लेते जिलाधिकारी विशाख जी।

रेड श्रेणी के किसानों का घर - घर सत्यापन करें

- फार्मर रजिस्ट्री अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी विशाख जी ने ग्राम जलियामऊ ब्लॉक काकोरी व ग्राम सहिलामऊ ब्लॉक मलिहाबाद में कैंप का निरीक्षण किया। ग्राम सहिलामऊ में कुल 566 कृषकों के सापेक्ष 306 कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण मिली। अवशेष में ग्रीन श्रेणी के 39, अंबर श्रेणी के 83 तथा रेड श्रेणी के 23 कृषक शामिल हैं। इनका घर घर सत्यापन करने के निर्देश दिए। अफसरों को निर्देश दिए कि जिन किसानों का नाम आदेश में हैं अथवा नाम/विवरण के मिसमैच के कारण फार्मर आईडी नहीं बन पा रही है, उनका राजस्व अभिलेखों में विवरण संशोधित कर रजिस्ट्री कराएं।

घर के सामने पेड़ में फंदे से लटका मिला युवती का शव

संवाददाता, सरोजनीनगर

- नहीं मिला सुसाइड नोट, वजह स्पष्ट नहीं

अमृत विचार: बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके घर के बाहर नीम के पेड़ से लटका मिला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा। छानबीन के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मवई पड़ियाना निवासी मजदूर राजेश गौतम मजदूरी करते हैं। परिवार में पत्नी गुड्डी, दो बेटे विनीत, सुमित और बेटी तन्नू हैं। उनकी दूसरी बेटी बिंदु गौतम (20) हाईस्कूल करने के बाद घर में ही रहती थी। गुरुवार रात घर के सभी लोग खाना खाकर सो गए। शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे गांव की एक महिला ने राजेश के घर के सामने नीम के पेड़ पर बिंदु गौतम का शव दुपट्टे के सहारे लटका देखा। भागकर जानकारी मृतका के घरवालों को दी। जानकारी होते ही परिजन के पैरों तले जमीन खिसक गई। कुछ ही देर में वहां ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही बंथरा पुलिस मौके पर पहुंची। इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। बिंदु ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

बोर्ड में रखी जाएगी आईटी सिटी की एसओपी

20 को लांच होनी थी योजना, अब 28 की संभावना, एलडीए पूरी योजना के बनाएगा नियम व मानक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण की आईटी सिटी 20 फरवरी को लांच नहीं हो पाई। संभवता योजना 28 फरवरी को लांच की जाएगी। लैंड पूलिंग नीति के तहत निशुल्क जमीन देने वाले किसानों को पहले भूखंड आवंटित किए जाएंगे। साथ ही योजना की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाकर मार्च में होने वाली बोर्ड बैठक रखी जाएगी और स्वीकृति मिलते ही आम लोगों के लिए पंजीयन खोलते हुए आवंटन, कब्जा, रजिस्ट्री आदि प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्राधिकरण की बोर्ड बैठक मार्च में होनी है। हालांकि अभी तारीख तय

नहीं हुई है, लेकिन बोर्ड बैठक के प्रस्ताव बनाने शुरू हो गए हैं। इसमें सुलतानपुर रोड स्थित 3,490 एकड़ में विकसित की जा रही 33 सेक्टर की आईटी सिटी की एसओपी का प्रस्ताव रखा जाएगा। प्रस्ताव में भूखंड का पंजीयन, क्षेत्रफल, आवंटन, कब्जा, रजिस्ट्री आदि कैसे और किस आधार पर करना है इसके नियम व मानक बनाए जाएंगे। इस आधार पर योजना का संचालन किया जाएगा। इससे पहले 20 फरवरी को जमीन देने वाले किसानों के लिए सेक्टर- 15,16,17 व 18 से भूखंड आवंटित करके योजना लांच की जानी थी। लेकिन, अन्य प्रक्रिया समय पर न होने की वजह से लांचिंग पूरी तैयारी के साथ 28 फरवरी या फिर आगे की जाएगी। इस बीच सेक्टर भी बढ़ सकते हैं। इधर, मार्च में बोर्ड बैठक में एसओपी स्वीकृति होते ही भूखंडों के दाम, क्षेत्रफल, पंजीयन, आवंटन, रजिस्ट्री व कब्जा आदि की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसी तरह नैमिष नगर, वरुण विहार व वेलनेस सिटी का भी प्रस्ताव रखा जाएगा।

आठ प्लाटिंग ध्वस्त, एक कॉम्पलेक्स सील

- **अमृत विचार, लखनऊ :** लखनऊ विकास प्राधिकरण ने शुक्रवार को गोसाईंगंज, सैरपुर व काकोरी में लगभग 40 बीघा में 8 अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की। हजरतगंज के डालीबाग में एक अवैध व्यावसायिक निर्माण सील किया। प्रवर्तन जोन-6 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने बताया कि अंकित शर्मा व अन्य द्वारा हजरतगंज के डालीबाग में बटलर रोड पर लगभग 300 वर्गमीटर के भूखंड पर तीन मंजिला कॉम्पलेक्स का निर्माण कराया जा रहा था। मानचित्र पास न होने पर प्रवर्तन टीम ने सील कर दिया। प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि गोसाईंगंज के ग्राम कासिमपुर बिरूहा में चांद सराय क्रासिंग के पास राजेन्द्र श्रीवास्तव व अन्य द्वारा लगभग 10 बीघा में अवैध प्लाटिंग करके कालोनी विकसित की गई। एलडीए से ले-आउट स्वीकृत न होने पर ध्वस्त कर दी। प्रवर्तन जोन-3 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि काकोरी के ग्राम इब्राहिमगंज, खुदाईंट एवं पलेंहदा में सोनू कनौजिया, छोटू, पप्पू लोधी, सोनू, प्रमोद यादव व अन्य द्वारा लगभग 20 बीघा क्षेत्रफल में की गई चार प्लाटिंग ध्वस्त की। प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि सैरपुर थानाक्षेत्र के ग्राम पलहरी, बौरूमऊ एवं कोडरी भौली में अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की गई। इस दौरान दीपू यादव, राजेश वर्मा व अन्य द्वारा लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही तीन प्लाटिंग टीम ने ध्वस्त की।

होली पर हर बस स्टॉप पर रुकेंगी बसें, 80 प्रतिशत लोड फैक्टर अनिवार्य

- **अमृत विचार, लखनऊ :** होली के मद्देनजर रोडवेज प्रशासन ने बस संचालन को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। आदेश के तहत हर बस को निर्धारित सभी स्टॉपेज पर रुकना अनिवार्य होगा, ताकि इंतजार कर रहे यात्रियों को सुविधा मिल सके। त्योहार के दौरान यात्रियों की आवाजाही बढ़ने की संभावना को देखते हुए 5 मार्च तक होली स्पेशल बसों का संचालन किया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक अमरनाथ सहाय ने बताया कि सामान्य दिनों में प्रति बस 60 फीसदी यात्री लोड फैक्टर अनिवार्य रहता है, लेकिन होली सीजन में इसे बढ़ाकर 80 फीसदी किया गया है। इसे मानने पर ही चालक और परिचालक को मुख्यालय द्वारा निर्धारित प्रोत्साहन भत्ता मिलेगा। रोडवेज ने इस अवधि में बसों के फेरे बढ़ाने की रणनीति बनाई है ताकि अधिक से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। आमतौर पर कम सवारी लाने और ज्यादा सवारी ले जाने की मनमानी इस बार स्वीकार नहीं होगी।

जमीन के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

- **अमृत विचार, मलिहाबाद :** जमीन के विवाद को लेकर हुसैनपुर में दो पक्षों के बीच मामूली विवाद के बाद लाठी-डंडे चले। मारपीट के दौरान दोनों पक्षों से छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया। दोनों पक्षों से छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बड़खोरवामजरे हुसैनपुर में गुरुवार देर रात एक पक्ष के सत्तार, जब्बार, रियासत, सूफियान, जल्ला, मुजीब जबकि दूसरे पक्ष से सद्दाम, मुशीर, सलमान, रिहान ने लाठी-डंडों से एक दूसरे पर हमला कर दिया। घर की महिलाओं ने पथराव करना शुरू कर दिया। मामला बढ़ता देखकर ग्रामीण ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही रहीमाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर कुछ लोग भाग निकले। पुलिस ने दोनों पक्षों से घायलों को सीएचसी मलिहाबाद इलाज के लिए भेजा। रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायत के मुताबिक दोनों पक्षों से तहरीर लेकर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने दोनों पक्षों से सूफियान, जल्ला, मुजीब, सद्दाम, मुशीर, सलमान को गिरफ्तार कर लिया।

82.84 लाख रुपये गृहकर बकाये पर सीज किए पराग डेयरी के खाते

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वर्ष 2025-26 का कर जमा न करने पर नगर निगम ने की कार्रवाई
- पूर्व में दिए गए बिल और डिमांड नोटिस पर नहीं किया था भुगतान

अमृत विचार : नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का 82,84,597 रुपये गृहकर बकाया होने पर शुक्रवार को लखनऊ प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव मिल्क यूनियन लिमिटेड (पराग डेयरी) के दो बैंक खाते कुर्क करके सीज कर दिए। इससे पहले नियमानुसार बिल और डिमांड नोटिस जारी किए थे। इसके बाद भी भुगतान न करने पर यह कार्रवाई की गई।

निदेशक पराग डेयरी के नाम दर्ज भवन संख्या पर कुल 82,84,597 रुपये कर बकाया है। इसका निर्धारित समय सीमा के अंदर कर का भुगतान नहीं किया गया। नगर निगम ने बकाया वसूली के लिए पहले नियमानुसार बिल और डिमांड नोटिस जारी किए थे। साथ ही संबंधित संस्था से व्यक्तिगत स्तर पर संपर्क कर भुगतान करने का अनुरोध किया गया, इसके बावजूद बकाया राशि जमा नहीं की गई।

अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने बताया कि उप्र नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 509 से 516 के तहत पराग डेयरी के दो बैंक खाते कुर्क और सीज किए हैं। कार्रवाई के दौरान जोन-8 के जोनल अधिकारी विकास सिंह, कर निर्धारण अधिकारी दिव्यांशु पांडेय, कर अधीक्षक राम अचल व सुरेन्द्र सिंह तथा राजस्व निरीक्षक राजा भैया रहे।

मिलेनियम पैलेस परिसर में प्रतिष्ठान सील करती टीम।

बकाये पर तीन प्रतिष्ठान सील, 3,05,632 भुगतान

- नगर निगम ने बकाये गृहकर को लेकर जोन-8 में विशेष कुर्की अभियान चलाया। जोनल अधिकारी विकास सिंह के नेतृत्व में टीम ने श्रद्धेय अटल विहारी वाजपेयी वार्ड स्थित मिलेनियम पैलेस परिसर में शॉप नंबर 19/जीएफ शॉप नंबर 9/थर्ड फ्लोर व शॉप नंबर 14/फोर्थ फ्लोर पर 12,02,948 रुपये गृहकर बकाया होने पर तीनों प्रतिष्ठान सील किए। कार्रवाई के दौरान शॉप नंबर 19/जीएफ से एक लाख रुपये आंशिक भुगतान जमा किया गया। वहीं, भवन शॉप नंबर 14/फोर्थ फ्लोर से 2,05,632 रुपये का पूर्ण भुगतान प्राप्त हुआ। इस प्रकार कुल 3,05,632 रुपये की धनराशि मौके पर नगर निगम कोष में जमा कराई गई। शेष बकाया राशि जमा न होने के कारण अन्य संबंधित संपत्तियां सील रखी गई हैं। कार्रवाई के दौरान नगर निगम की 296 टीम रही।

कार्रवाई | हिमालयन कोल्ड स्टोर में रखी दो कुंतल हल्की और 204 कुंतल 75 किग्रा सुपारी भी सीज

13 कुंतल सड़ा और एक्सपायरी खजूर नष्ट कराया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने शुक्रवार को अयोध्या रोड सेमरा स्थित हिमालयन कोल्ड स्टोर में डंप 1,320 किग्रा सड़ा-गला एक्सपायरी खजूर नष्ट कराया और दो कुंतल हल्की और 204 कुंतल 75 किग्रा सुपारी सीज की। मिलावट की आशंका के चलते छह सैंपल भी लिए गए। खजूर की कीमत 2,64,000, सुपारी की 36.85 लाख और हल्की की 3.60 लाख रुपये बताई गई है। ये खाद्य पदार्थ होली पर खपाने की तैयारी थी।

सहायक आयुक्त विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीमों ने स्वरूप कोल्ड स्टोरेज ऐशबाग में छापा मारा। यहां कारोबारी प्रेम हरवानी अमीनाबाद की भंडारित 56,720 रुपये 1,418 किग्रा रंगीन कचरी सीज की। पापड़ और रंगीन कचरी के सैंपल लिए। अयोध्या रोड सेमरा पर हिमालयन कोल्ड स्टोरेज में खराब 3.60 लाख रुपये की 2 हजार किग्रा साबुत हल्दी और 36,85,500 रुपये की 20,475 किग्रा सुपारी सीज की। दोनों के सैंपल भी लिए। इसी कोल्ड से 1320 किग्रा सड़ी-गली एक्सपायरी खजूर नष्ट किया। इसकी कीमत करीब 2,64,000 रही। रायबरेली रोड हैवतमऊ स्थित नरेश दूध डेयरी से पनीर और गोपाल स्वीट्स से पेड़ा के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे। कुल 23,893 किग्रा खाद्य पदार्थ जिनका अनुमानित मूल्य लगभग 41,02,220 रुपये सीज किया।

कोल्ड से सैंपल लेती एफएसडीए की टीम।

बैरिकेडिंग से टकराई बुलेट, तीन घायल

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात बेकाबू बुलेट निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड पर पत्थरों की बैरिकेडिंग से टकरा गई। हादसे में बुलेट सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पारा के डिप्टी खेड़ा निवासी पुष्कर यादव, विजय और रफीक गुरुवार रात एक ही बुलेट मोटरसाइकिल से बंथरा की ओर से सरोजनीनगर की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान वह स्कूटर इंडिया के पास एलिवेटेड रोड पर चढ़ गए। एलिवेटेड रोड पर अभी आवागमन भी नहीं चालू है। रोड पर कोई वाहन न जा सके, इसके लिए बड़े-बड़े पत्थरों की बैरिकेटिंग लगाकर रास्ता रोक रखा गया है। इसी दौरान बुलेट पत्थरों में टकरा गयी। जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 21 फरवरी 2026

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

विद्युत सखियों का शानदार प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने वर्ष 2020 से अब तक विद्युत वितरण कंपनियों के लिए 3142 करोड़ रुपये से अधिक का विद्युत बिल कलेक्शन किया है। इस कार्य के बदले विद्युत सखियों ने 40 .46 करोड़ रुपये से अधिक का कमीशन अर्जित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 'विद्युत सखी' कार्यक्रम ने यह उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2025-26 में अब तक 1298 करोड़ रुपये का कलेक्शन करते हुए 16 .22 करोड़ रुपये से अधिक का कमीशन प्राप्त किया गया।

तीन सर्टिफिकेट और एक पीजी डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के सहयोग से शैक्षणिक सत्र 2026-27 (जनवरी) के लिए ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) मोड में तीन सर्टिफिकेट और एक पीजी डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश शुरू किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2026 है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सर्टिफिकेट इन फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन (सीएफओ), फूड एंड बेवरेज सर्विस ऑपरेशन (सीएफबीओ) और हाउसकीपिंग ऑपरेशन (सीएचओ) के लिए इंटर उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। छह माह अवधि के इन कोर्सों की फीस 3,000 रुपये (साथ में 400 रुपये पंजीकरण शुल्क) है। पाठ्यक्रम में दो माह थ्योरी और चार माह इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग शामिल है। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन होटल ऑपरेशन्स (पीजीडीएचओ) स्नातक अभ्यर्थियों के लिए है। 48 क्रेडिट वाले इस कोर्स की फीस 9,000 रुपये (400 रुपये पंजीकरण शुल्क अतिरिक्त) है, जिसमें चार माह पढ़ाई और आठ माह ट्रेनिंग-/इंटर्नशिप होगी।

गर्मियों में बिजली आपूर्ति की अभी से करें प्लानिंग

अमृत विचार, लखनऊ : पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष आशीष गोयल ने कहा कि आने वाले दिनों में गर्मियों का मौसम आने वाला है। प्रदेश को मांग के अनुरूप विद्युत उपलब्धता हो, इसके लिए अभी से प्लानिंग कर ली जाए। गर्मियों में हर हाल में प्रत्येक व्यक्ति को उनकी मांग के मुताबिक बिजली मिले, यह उनका इरादा है। यदि निर्धारित समय में कंपनियां कार्य पूरा नहीं करती हैं तो उन्हें डिबार कर दिया जाए। अध्यक्ष ने शुक्रवार को शक्ति भवन में विभागीय एवं वितरण निगमों के अधिकारियों से कहा कि हर वर्ष गर्मी में विद्युत आपूर्ति के नये रिकार्ड बनते हैं। इस वर्ष भी मांग बढ़ेगी, इसलिये पूरी तैयारी करके रखी जाये। पिछले वर्ष जून 2025 में मांग एवं आपूर्ति का रिकार्ड लगभग 32,068 मेगावाट का बना था, जिसके इस वर्ष इसके बढ़ने की संभावना है।

भाजपा- सपा एक ही सिक्के के दो पहलू

अमृत विचार, लखनऊ : लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि प्रदेश की राजनीति केवल कुर्सी बचाने और कुर्सी हथियाने का खेल बनकर रह गई है। किसान अपनी फसल का वाजिब मूल्य पाने के लिए सड़कों पर है। कानून-व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं हैं। भाजपा और सपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। लोकदल अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी ने कहा कि हैरत की बात तो यह है कि मुख्यमंत्री बनने की तो सब सोच रहे हैं, लेकिन प्रदेश का किसान, मजदूर और युवा बदहाल स्थिति में है। इनके बारे में कोई नहीं सोच रहा है।

सुनील सिंह

पांच वर्षों में विकसित होंगी 100 नई टाउनशिप : योगी

विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा- 27 एक्सप्रेसवे के किनारे इंटीग्रेटेड औद्योगिक क्लस्टर का होगा विकास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के अगले पांच वर्षों का व्यापक विकास रोडमैप पेश करते हुए कहा कि प्रदेश को सुनियोजित शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और सामाजिक सुरक्षा के साथ नई ऊंचाइयों पर ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अगले पांच वर्षों में 100 नई टाउनशिप विकसित की जाएंगी, जिनमें से 114 प्रस्तावों को पहले ही स्वीकृति दी जा चुकी है।

योगी ने कहा कि शहरी विकास में पारदर्शिता लाने के लिए कंप्लायंस रिडक्शन और डी-रेगुलेशन नीति लागू की गई है। 100 वर्ग मीटर तक आवासीय और 30 वर्ग मीटर तक व्यावसायिक भूखंडों पर नक्शा पास कराने की बाध्यता समाप्त कर दी गई है, जबकि बड़े भूखंडों के लिए ऑनलाइन स्वतः अनुमोदन की व्यवस्था की गई है। इससे आम नागरिकों और छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 27 एक्सप्रेसवे के किनारे इंटीग्रेटेड औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। इसके लिए 12,500 एकड़ का नया लैंड बैंक तैयार हो रहा है, जबकि प्रदेश में कुल 75 हजार एकड़ भूमि बैंक पहले से उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से 65 विभागों के 4,675 अनुपालन सरल किए गए हैं और प्रदेश को अब तक 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

विधानसभा के बजटसत्र में चर्चा के दौरान सरकार की उपलब्धियों और नई योजनाओं के बारे में सदन को अवगत कराते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

विधानमंडल की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार के वित्तीय वर्ष 2026-27 का 9 .12 लाख करोड़ का बजट विधानमंडल के दोनों सदनों में पारित हो गया और इसी के साथ ही विधानमंडल की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नेता सदन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय समेत अन्य दलीय नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र 9 फरवरी को शुरू हुआ था। विधान सभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 11 फरवरी को विधान सभा में बजट प्रस्तुत किया था, जिसे आज ध्वनि मत से पारित किया गया।

आईएएस-आईपीएस नहीं बता रहे कितनी संपत्ति, हुई बहस

अमृत विचार : विधानसभा के बजट सत्र में भ्रष्टाचार और अधिकारियों की संपत्ति के ब्यौरे को लेकर शुक्रवार को सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा ने सदन में सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। दावा किया कि आईएएस, आईपीएस सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से उनकी चल-अचल संपत्तियों का ब्यौरा मांगा गया था, लेकिन कई अधिकारियों ने अब तक यह जानकारी नहीं दी है। उन्होंने मांग की कि विधायकों की तर्ज पर आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की संपत्ति का विवरण भी सार्वजनिक किया जाए ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सके। इस पर जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने विपक्ष के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश में सभी आईएएस अधिकारियों की संपत्ति का ब्यौरा एक ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध है, जिसे जनता देख सकती है। मंत्री ने कहा कि संपत्ति का ब्यौरा न देने वाले अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई का स्पष्ट प्रावधान मौजूद है। सुरेश खन्ना ने आगे बताया कि वर्ष 2019 से केवल एक अधिकारी ने ही संपत्ति का ब्यौरा जमा नहीं किया है, जिसके खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है या प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि बेसिक-पे के दोगुने से अधिक मूल्य की खरीद पर सरकार को जानकारी देनी अनिवार्य है, और इस नियम का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

सदन में मुख्यमंत्री योगी ने शिवपाल को कहा लठैत

विधानसभा में सीएम योगी सदन में अपने चिर-परिचित अंदाज में नजर आए। शुरुआत में ही सपा नेता शिवपाल यादव पर जोरदार हमला बोल दिया। योगी ने भरी विधानसभा में शिवपाल यादव को लठैत कह दिया और फिर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि मैं प्रार्थना करुंगा कि चच्चा शिवपाल यादव का श्राप आपको न लगे। योगी ने कहा कि माता प्रसाद पांडे जी समाजवादी आंदोलन के मुताबिक जीवन जीने वालों की अंतिम पीढ़ी हैं। आपके पीछे शिवपाल जी जैसे कुछ लठैत थे।

बेतहाशा फीस पर कानून बनाएं मुख्यमंत्री : माता प्रसाद

- गलगोटिया, पता नहीं कहां का कुत्ता ले आया...पर माहौल हुआ हल्का

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा में प्राइमरी से लेकर निजी उच्च शिक्षा केंद्रों की बेतहाशा फीस को लेकर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने मुख्यमंत्री से कानून बनाने की मांग की। फीस संरचना पर सवाल उठाते हुए सरकार की नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कई निजी स्कूल-कालेज और विश्वविद्यालय शिक्षा के विस्तार से ज्यादा पूंजीपतियों के हित में काम कर रहे हैं। चर्चा के दौरान उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों पर कटाक्ष करते हुए टिप्पणी की कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी को देख लीजिए, पता नहीं कहां का कुत्ता ले आया, कहा कि हमने बनाया है। पूरे विश्व में हंसी का पात्र बनना पड़ा। उनके बयान के

दौरान सदन में मौजूद सदस्यों के बीच हल्की हंसी देखने को मिली। इसी दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मुस्कुराते नजर आए। दिल्ली में आयोजित 'एआई इंपैक्ट समिट' में गलगोटिया विश्वविद्यालय से जुड़े विवाद की गूंज गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी सुनायी दी। समाजवादी पार्टी के सदस्यों सचिन यादव और पंकज मलिक ने शून्य काल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए 'एआई इंपैक्ट समिट' में उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में स्थित गलगोटिया विश्वविद्यालय के कथित दावे को लेकर उठे विवाद को छात्र-छात्राओं के भविष्य पर प्रश्न चिह्न लगाने वाला करार देते हुए राज्य सरकार से इसकी गहराई से जांच कराने की मांग की।

विधानसभा में 'बोतल' पर लगे ठहाके

विधान सभा में शुक्रवार को प्रश्नकाल के सपा सदस्य आशु मलिक ने महंगाई और कालाबाजारी पर सरकार को घेरते हुए कविता पढ़ी। इसके बाद सपा के ही डॉ. आरके वर्मा ने भी एक कविता पढ़ी..."तेल की बोतल पूछ रही है..., क्यों तुम इतना देख रहे हो यूं। पहले तुम्ही खरीदते थे मुझे, अब इतना क्यों सोच रहे हो तुम...।" वर्मा की कविता पर सत्ता पक्ष की ओर से गन्ना मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने तंज कसते हुए कहा कि इन्हें 'बोतल' बहुत अखर रही है, उसके जरूर दाम बढ़ गए हैं। इस पर अध्यक्ष सतीश महाना ने मुस्कराते हुए पूछा..."कौन सी बोतल?" अध्यक्ष की इस टिप्पणी पर पूरे सदन में ठहाका गूंज उठा और कुछ देर के लिए माहौल हल्का हो गया। मंत्री ने आगे कहा कि आज नेता प्रतिपक्ष बोलेंगे यदि वे कह दें कि 'बोतल' के दाम बढ़ गए हैं, तो उस पर भी विचार कर लिया जाएगा।

विजिलेंस के पीछे विजिलेंस लगानी पड़ेगी...

विधानसभा में कुंडा से निर्दलीय विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने बिजली विभाग की विजिलेंस टीम पर गंभीर आरोप लगाते हुए सरकार की छवि पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिजली आपूर्ति अब काफी बेहतर हो गई है, लेकिन विजिलेंस टीम की छापेमारी से सरकार की बदनामी हो रही है। राजा भैया ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों से विजिलेंस टीम लगातार ऐसी कार्रवाइयां कर रही है, जिससे योगी सरकार की मेहनत पर पानी फिर रहा है। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि विजिलेंस टीम के पीछे एक और विजिलेंस टीम लगानी पड़ जाएगी, ताकि उनकी गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सके।

रक्षा मंत्री से दो गुना ज्यादा सुरक्षा घेरे में अखिलेश

- सपा प्रमुख की सुरक्षा में 185 पुलिस कर्मी लगे, राजनाथ के साथ मात्र 86 पुलिस कर्मी

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान सपा के आशुतोष सिन्हा ने उप्र. के पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा कम देने का सवाल उठाया, जवाब में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्या ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्रियों की पर्याप्त सुरक्षा है। एनएसजी की सुरक्षा केन्द्र सरकार का विषय है। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा समेत सबसे ज्यादा कुल 186 पुलिस कर्मी स्वीकृत हैं, बदले में 185 पुलिस कर्मियों की सुरक्षा उपलब्ध है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह को जेड प्लस श्रेणी सुरक्षा समेत कुल 81 पुलिस कर्मी स्वीकृत हैं, 82 पुलिस कर्मी लगे हैं। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को एनएसजी सुरक्षा मिली है, उन्हें 156 पुलिस कर्मी स्वीकृत हैं, बदले में 161 पुलिस कर्मी लगे हैं।

डबल इंजन सरकार में यूपी बना अग्रणी

विधान परिषद में सरकार की उपलब्धियों की केशव मौर्य ने दी जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में बजट प्रावधानों और सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में उप्र. विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश ने कई योजनाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

नेता सदन ने बजट पर चर्चा करते हुए शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना सहित अनेक योजनाओं में उप्र. शीर्ष पर है। किसानों को 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी गई है, जबकि उज्ज्वला योजना के तहत 1.85 करोड़ से अधिक निःशुल्क गैस कनेक्शन वितरित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि वृद्धावस्था, दिव्यांग और अन्य पेंशन योजनाओं की राशि 300 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये प्रतिमाह करने का निर्णय 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। शिक्षा क्षेत्र में शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में भी वृद्धि की गई है। केशव प्रसाद मौर्या ने बताया कि प्रदेश में हवाई अड्डों की संख्या 4 से बढ़कर 16 हो गई है। कृषि उत्पादन, डीबीटी सहायता और 37 करोड़ पौधारोपण जैसे प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार विकास, सुरक्षा और सुशासन के माध्यम से प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।

सत्तापक्ष की सराहना में दबा रहा विपक्ष का बजट विरोध

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को सपा के आशुतोष सिन्हा ने विरोध करते हुए कहा कि यह बजट किसान विरोधी, जनकल्याण विरोधी बजट है। सपा के ही शाहनवाज खान ने कहा कि इस सरकार में बिजली, कृषि विकास एवं बेरोजगारों की उपेक्षा की गई, इसलिए मैं इस बजट का विरोध करता हूं।

वहीं, सत्ता पक्ष के दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि इस बजट से किसानों को लाभ मिलेगा। भाजपा के ही मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि हमारी सरकार कृषि के विकास, युवाओं और उद्यमियों पर विशेष ध्यान दे रही, प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। विधान परिषद में प्रमुख सचिव ने दो विधेयक, उत्तर प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंध (संशोधन) विधेयक, 2026 और उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2026, सदन की मेज पर रखा और दोनों विधेयक ध्वनिमत के साथ पारित हुए। उक्त के साथ ही सदन अनिश्चितकाल के लिए सभापति ने स्थगित कर दिया।

राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल की रेटिंग में यूपी अव्वल

- बुक ए कॉल विद बीएलओ के तहत कॉल निस्तारण में प्रदेश रहा दूसरे स्थान पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल (एनवीएसपी) पर नागरिकों द्वारा दी गई देशभर की रेटिंग में प्रदेश को पहला स्थान मिला है। इसके अलावा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से बुक-ए-कॉल विद बीएलओ सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस सुविधा के माध्यम से कोई भी मतदाता अपने बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से सीधे बात करने के लिए फोन कॉल बुक कर सकता है।

उन्होंने बताया कि यह सेवा निर्वाचन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता प्राप्त करने के लिए उपयोगी है। आयोग के पोर्टल voters.eci.gov.in तथा ऐप के माध्यम से बुक-ए-कॉल विद बीएलओ सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अवधि में प्रदेश में अब तक कुल 5.74 लाख मतदाताओं द्वारा बूथ लेविल अधिकारियों से बात करने के लिए इस सुविधा का उपयोग किया गया है। बुक की गई कॉल साक्षेप 5.44 लाख (95 प्रतिशत) मतदाताओं को बीएलओ द्वारा कॉल कर संपर्क किया गया है। उत्तर प्रदेश में आज की तिथि में मात्र 0.26 प्रतिशत कॉल रिक्वेस्ट ही लंबित हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बुक ए कॉल विद बीएलओ सुविधा के तहत कॉल निस्तारण में उत्तर प्रदेश को पूरे देश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

बटुकों से दुर्व्यवहार की अखिलेश ने की निंदा

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में हमारे बटुकों का अपमान हुआ है। जिन्होंने बटुकों के साथ दुर्व्यवहार किया है, उन्हें पाप लगेगा। वे पापी कहलाएंगे। इस सरकार के दोनों उप मुख्यमंत्री मिलकर दोषियों को सजा नहीं दिलवा पा रहे हैं। अगर दो दिन सजा नहीं दिला पाए तो मुख्यमंत्री जापान चले जाएंगे। तो क्या उपमुख्यमंत्री धरना देने जापान जायेंगे।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि महिलाओं के साथ सबसे ज्यादा अपराध की घटनाएं यूपी में हो रही हैं। सबसे ज्यादा साइबर अपराध यूपी में हो रहा है। भाजपा सरकार ने प्रदेश में भूमाफिया, कोडीन माफिया, नकल माफिया समेत कई तरह के माफिया पैदा किये हैं।

नए नियमों के मुताबिक पोस्टमार्टम व्यवस्था लागू हो : महानिदेशक

- मेडिकल कॉलेजों में फोरेंसिक विशेषज्ञ करेंगे पोस्टमार्टम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : शासन के निर्देश के बाद शुक्रवार को स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.पवन कुमार अरूण ने शव-विच्छेदन (पोस्टमार्टम) के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। यह निर्देश प्रदेश के सभी चिकित्सा विश्वविद्यालयों, संस्थानों, राजकीय स्वशासी मेडिकल कॉलेजों और मानक पूरे करने वाले निजी मेडिकल कॉलेजों को जारी किये गये हैं, साथ सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को पत्र भेजकर शासनादेश का शत-प्रतिशत अनुपालन कराने के निर्देश भी दिए गए हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने बताया कि मेडिकल कॉलेजों के फोरेंसिक मेडिसिन विभागों को पोस्टमार्टम प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। निजी मेडिकल कॉलेजों को केवल लावारिस शव ही उपलब्ध कराए जाएंगे। जघन्य अपराध या कोर्ट के विशेष आदेश वाले मामलों केवल सरकारी संस्थान ही करेंगे, निजी संस्थानों को नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकारी संस्थानों में नियमित फोरेंसिक शिक्षकों की उपलब्धता की स्थिति में पोस्टमार्टम की जिम्मेदारी संबंधित विभागाध्यक्ष को दी जाएगी। न्यायालय में साक्ष्य प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। मालूम हो कि बीते दिनों शासन ने पोस्टमार्टम व्यवस्था को बदलते हुए शासनादेश जारी कर दिया था, नए नियमों के अनुसार, पोस्टमार्टम की जिम्मेदारी प्रांतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग के चिकित्सकों से हटाकर, मेडिकल कॉलेजों में फोरेंसिक विशेषज्ञों को सौंप दी गयी है। इतना ही नहीं, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में ही लावारिस शवों का पोस्टमार्टम करने की जिम्मेदारी निजी मेडिकल कॉलेजों को दी गयी है।

अधिशासी अभियंता पर आय से अधिक संपत्ति की एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ : सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता राजेश कुमार के खिलाफ सतर्कता अधिष्ठान ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है। जांच में सामने आया कि उन्होंने जांच अवधि में 1,08,84,007 रुपये की वैध आय अर्जित की, जबकि 1,64,70,573 रुपये खर्च किए। इस प्रकार 55,86,566 रुपये का अधिक व्यय पाया गया। संतोषजनक स्पष्टीकरण न देने पर मामला दर्ज किया गया। मूल रूप से कन्नौज निवासी राजेश कुमार वर्तमान में लखनऊ स्थित प्रमुख अभियंता कार्यालय में तैनात हैं। सतर्कता विभाग ने संपत्तियों और बैंक खातों की जांच शुरू कर दी है।

सनातन पर चर्चा

प्रख्यात अमेरिकी वैदिक विद्वान ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

राजनीति का शुद्धिकरण कर रहे योगी : डॉ. डेविड फ्रॉले

- अयोध्या का कायाकल्प किए जाने की सराहना, कहा: वेदों की ओर लौट रहे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: अमेरिका के प्रख्यात वैदिक विद्वान डॉ. डेविड फ्रॉले ने शुक्रवार को राजधानी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री से योग, आयुर्वेद व सनातन संस्कृति पर चर्चा की। डॉ. फ्रॉले ने कहा कि योगी राजनीति का शुद्धिकरण कर रहे हैं। उन्होंने नाथ परंपरा का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे वैश्विक कल्याण की नई राह प्रशस्त हो रही है। उन्होंने योगी सरकार द्वारा अयोध्या का पुरातन गौरव लौटाने की सराहना की और कहा कि अयोध्या का कायाकल्प वेदों की ओर लौटने का मार्ग है।

डॉ. फ्रॉले ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ समय बिताना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और सौभाग्य की बात रही। गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी उस नाथ परंपरा से जुड़े हुए हैं, जो प्राचीन योग संस्कृति से जुड़ी है और इसे भारत में जीवंत बनाए हुए है। वे इन परंपराओं को न केवल संरक्षित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर विस्तार भी दे रहे हैं। भारत की वे सभी परंपराएं, जो संपूर्ण मानवता के लिए प्रासंगिक हैं, योगी आदित्यनाथ के माध्यम से नई ऊर्जा प्राप्त कर रही हैं।

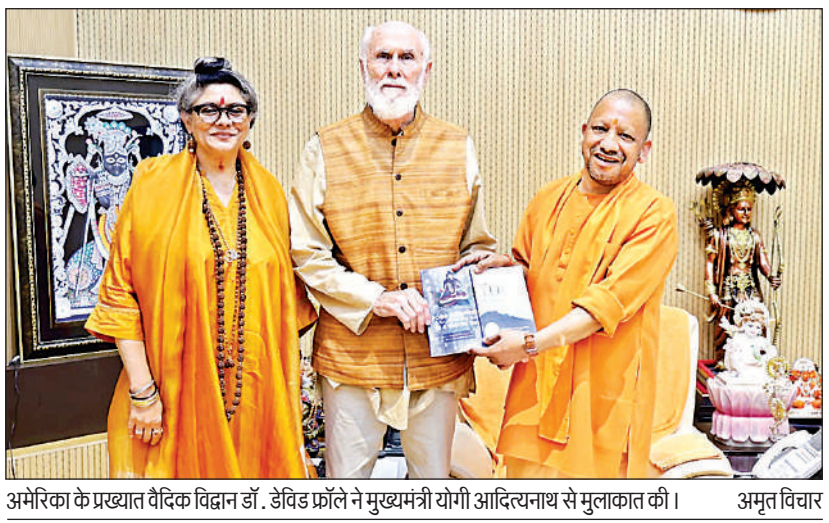

अमेरिका के प्रख्यात वैदिक विद्वान डॉ. डेविड फ्रॉले ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। अमृत विचार

दो बंद मकानों से लाखों की चोरी

- सरोजनीनगर व कृष्णानगर इलाके की घटना

संवाददाता, सरोजनीनगर/आलमबाग

अमृत विचार: सिंचाई विभाग में तैनात कर्मचारी के सरोजनीनगर स्थित बंद मकान को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने ताला तोड़कर चोरों ने नकदी व जेवर समेत करीब 10 लाख रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया। वहीं, कृष्णानगर में चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवर चोरी कर लिया। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

सरोजनीनगर के न्यू बेहसा निवासी सुरेश कुमार सिंह प्रतापगढ़ में सिंचाई विभाग में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि जनवरी माह में घर में ताला बंद कर परिवार संग पैतृक गांव प्रतापगढ़ गए थे। 13 जनवरी की रात करीब 11 बजे पड़ोसी ने उनके घर का ताला टूटा देख सूचना सुरेश और डायल 112 पर दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी कमरों में हुई चोरी का वीडियो बनाया और चली गई।

सुरेश अगले दिन घर पहुंचे तो गेट से लेकर दरवाजे तक की इंटरलॉकिंग तोड़ने के साथ अलमारी, तिजोरी के लॉक भी तोड़े गए थे। पीड़ित का कहना है कि चोरों ने एक लाख रुपये व करीब नौ लाख के जेवर चोरी कर लिए। यही नहीं चोर घर में लगा सीसीटीवी का डीवीआर भी चोर उठा ले गए। पास के एक कैमरे में चोर कैद हुए हैं। इंस्पेक्टर राजेदव राम प्रजापति ने बताया कि पीड़ित द्वारा ऑनलाइन शिकायत की गई थी। जिसके आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

वहीं, कृष्णानगर के संगम विहार निवासी संजय सक्सेना घर में ही सिलाई का काम करते हैं। 14 फरवरी को वे परिवार संग अपने पैतृक निवास प्रयागराज गए थे। 18 फरवरी को वापस लौटे तो देखा कि मकान का ताला टूटा और सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। पीड़ित ने बताया कि चोरों ने चांदी के जेवर और आठ हजार रुपये चोरी किए हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पेशी के बाद रामचेत के घर पहुंचे राहुल गांधी परिवार से की मुलाकात

पोती श्रद्धा को गोद में उठाकर दुलराया

रामचेत मोची के घर पहुंचे रायबरेली के सांसद राहुल गांधी। ● अमृत विचार

गोसाईगंज, सुलतानपुर

अमृत विचार: कोर्ट में पेशी के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी रामचेत मोची की दुकान पर पहुंचे व उनके परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने परिवार के सदस्यों का हालचाल जाना और संवेदना व्यक्त की।

राहुल गांधी ने रामचेत मोची की पोती श्रद्धा को गोद में लिया। बच्ची के पैर में चोट देखकर उन्होंने पूछा तो श्रद्धा ने बताया कि चोट अभी तक ठीक नहीं हुई है। इस पर राहुल गांधी ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से बच्ची के इलाज की व्यवस्था कराने को कहा। उन्होंने श्रद्धा को चॉकलेट भी दी। इस दौरान रामचेत की बहू क्रांति, बेटा राघव राम और पोती श्रद्धा मौजूद रहे। बताया जाता है कि राहुल गांधी कोर्ट से निकलने के बाद सीधे रामचेत मोची की दुकान पर पहुंचे। रामचेत मोची का तीन महीने पहले कैंसर से निधन हो गया था। एक वर्ष पूर्व राहुल गांधी उनकी दुकान पर पहुंचे थे और प्रतीकात्मक रूप से जूते सिल कर उनका हालचाल जाना था। बाद में उन्होंने परिवार की मदद के लिए सिलाई मशीन भी भिजवाई थी।

सामूहिक दुष्कर्म के बाद जीभ खींच युवती को जला दिया था जिंदा

फॉलोअप

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: मोहम्मदपुर खाला थाने से कुछ दूरी पर जिंदा जलकर मरी युवती के मामले में नया मोड़ आ गया है। गुरुवार दोपहर घर से निकली युवती से सामूहिक दुष्कर्म कर उसे जिंदा जलाया गया था। आरोप कि मृतका की जीभ खींच ली गई और यह कुकृत्य शराब के नशे में हुआ। खुद को बचाने के लिए भागी लपटों से घिरी युवती थाने से कुछ दूरी पर गिर गई। हालांकि इलाज के लिए ले जाते समय युवती ने दम तोड़ दिया। घटना के आरोपी अभी पुलिस की पकड़ से दूर हैं, वहीं इस घटना में परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

बताते चलें कि गुरुवार को मोहम्मदपुर खाला थाने से कुछ दूरी पर लोगों ने एक युवती को जलते हुए देखा तो हड़कंप मच गया। इसकी सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने युवती को एंबुलेंस से सीएचसी भिजवाया, वहां से डाक्टरों ने इसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां युवती ने अपने बयान में अखिलेश यादव नामक युवक का नाम लिया। जो एक पेट्रोल पंप पर काम करता था, हालांकि तलाश में वह हाथ नहीं लगा। जिला अस्पताल से रेफर किए जाने पर लखनऊ ले जाते समय युवती ने दम तोड़ दिया। लखनऊ में शव पोस्मार्टम के लिए भेजा गया। हालांकि मृतका के भाई ने बताया कि उसकी बहन को दुष्कर्म के बाद जिन्दा जलाया गया है। पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। वहीं बहन की ओर से शुक्रवार को पुलिस को तहरीर देकर स्पष्ट कहा गया कि गुरुवार की दोपहर उसकी बहन शौच के लिए गई थी। ग्रामीणों से सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचो तो बहन को नग्न अवस्था में जला हुआ पाया।

लखनऊ की युवती की सीतापुर में हुई मौत

सीतापुर, अमृत विचार : लखनऊ की साउथ सिटी में मां संग रह रही युवती की सीतापुर स्थित पैतृक मकान में संदिग्ध दशा में मौत हो गई। युवती का शव मकान की ईंटें उखाड़कर निकाला जा सका। मोहल्ला लोनियनपुरवा कॉलोनी में हुई घटना को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है। कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला लोनियनपुरवा में लखनऊ की साउथ सिटी निवासी 18 वर्षीय नंदिनी अपनी मां मंजू देवी के साथ बीते दिनों आई थी। नंदिनी अपनी मां मंजू देवी के साथ लखनऊ स्थित साउथ सिटी में रहती थी। वह 17 फरवरी को ही लखनऊ से अपने पैतृक घर सीतापुर आई थी। आत्महत्या के कारणों को लेकर फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ सकी है। परिजनों के मुताबिक, मंजू के पति तेजपाल की मृत्यु के बाद उसका परिवार लखनऊ में शिफ्ट हो गया था। हाल दिनों में परिवार घर लौटा था।

हेतु संदर्भित करने की सूचना / साधारण प्रारूप

न्यायालय श्रीमान तहसीलदार महोदय स्थान मलिहाबाद. जिला लखनऊ.....

वाद सं0 सन् 20 ई0

नीलम रावत बनाम वादी
वीरेन्द्र उर्फ वीरेन्द्र प्रताप –प्रतिवादी
नीलम रावत पत्नी स्व. महेश रावत पुत्री खोजराम निवासिनी – 75ग बड़ी जुगौली गोमती नगर लखनऊ

चूँकि उपरोक्त नामांकित उपरोक्त ने इस न्यायालय मेंयह आवेदन किया है कि अ0धारा 209ज उ0प्र0रा0 सं0 2006 अतएव आपको एत्तद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 26/02/2026 के दिवस को 10: 00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपर्स जाता हूँ और ऐसा करने में असफल पहने पर उनके आवेदन का एक पक्षीय रूप सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 20/2/26 के दिवस को दिखाई गयी।

आज्ञा से
न्यायालय

18 को पहुंचे अतिथि, ट्रस्ट ने भेजा निमंत्रण

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : राम मंदिर में 19 मार्च को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अतिथियों की सूची तैयार कर आमंत्रण पत्र भेज रहा है। जिसमें साधु-संत, गृहस्थ सहित अन्य समाज के प्रमुख लोगों के नाम शामिल है। बाहर से आने वाले अतिथियों को कार्यक्रम के एक दिन पूर्व 18 मार्च को ही अयोध्या पहुंचने का निवेदन किया है। तय कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मर्मू 19 मार्च को राम मंदिर के द्वितीय तल पर श्री राम महायंत्र की स्थापना करेंगी। साथ ही मंदिर के संपूर्ण निर्माण के पूर्ण होने पर 400 प्रमुख वर्करों को सम्मानित किए जाने का कार्यक्रम है। इसको लेकर एक बार फिर राम जन्मभूमि परिसर में भव्य आयोजन की तैयारी है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना
Indian Institute of Technology Patna

Recruitment Notice

IIT Patna invites application from Indian citizen in prescribed format for the temporary posts of Contractual/Part-Time Sports Coaches at Sports Unit of IIT Patna. The application with copies of all certificates/testimonials etc. should reach "The Sports Officer, Gymkhana Building, IIT Patna, Bihta, Patna - 801106 "on or before 5th March 2026 by 5.00 pm. For application form and detailed advertisement please visit website www.iitp.ac.in under Notice Board section.

Adv: -IITP/SPORTS/2025-26/31

Registrar

CBC 21366/12/0002/2526

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम PREM NARAIN से बदलकर PREM NARAIN PORWAL रख लिया अब से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। PREM NARAIN PORWAL R/0-6/854 SHIV MANDIR KE PASS, VIKAS NAGAR S-O DIST-LUCKNOW-226022 (U.P.)

सूचना

मैं VASEEM पुत्र श्री HASANAIN, निवासी ग्राम–58, सराय जरगर, पो0 –खारोसा, थाना– कोतवाली देहात, गोण्डा, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैने अपना नाम बदलकर WASEEM AHMAD कर लिया है, अत: आज से मुझे WASEEM AHMAD के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **इकबाल अहमद पुत्र नजीबुल हसन निवासी–गाड़ी बाजार करबा व तहसील करनैलगंज जनपद गोंडा** का निवासी हूँ। मेरे समस्त अभिलेख में जन्मतिथि 11/02/1991 दर्ज है, जोकि सही एवं सत्य है। भविष्य में मेरे अन्य अभिलेख का सत्यापन इसी जन्मतिथि के आधार पर माना जाए।

सूचना

मैं अपने बडे पुत्र रिंकू वर्मा का चाल–चलन ठीक न होने के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। उसके किसी भी कृत्य से मेरा या मेरे परिवार का वास्ता सरोकार नहीं होगा, **राधेश्याम वर्मा पुत्र पारसनाथ वर्मा मोहल्ला बमपुलुस करनैलगंज, गोण्डा**

सूचना

मै **हरतालिका उर्फ ननकऊ पुत्र संतलाल ग्राम व पोस्ट भोजपुर जनपद रायबरेली** का मूल निवासी हूं। मेरी भारतीय जीवन बीमा में पालिसी संख्या 215573909 में मेरा नाम ननकऊ अंकित है जबकि मेरा नाम हरितालिका उर्फ ननकऊ के नाम से जाना पहचाना जाता हूं।

सूचना

मैने अपना नाम TANVEER SARA से बदलकर TANVEER ZAHARA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0- MOHAMMAD HAIDER ADD-MOHALLA JAFRABAD JALALPUR DIST-AMBEDKAR NAGAR-224149(U.P.)

सूचना

मै **दानिश पुत्र हासिम अली निवासी ग्राम व पो0 परियर, थाना कोतवाली सफीपुर, जनपद उन्नाव उ0प्र0,** मेरे ड्राइविंग लाइसेन्स जिसका नं0–यू0पी0 35– 20230011013 है। जिसमे पिता का नाम त्रुटिवश मोहम्मद हासिम अंकित हो गया है। जबकि आधार कार्ड, पैनकार्ड व शैक्षिक अभिभलेखो में पिता का नाम हासिम अली अंकित है जो सच व सही है। अत: मेरे ड्राइविंग लाइसेन्स में मेरे पिता का नाम मोहम्मद हासिम के स्थान पर सही व वास्तविक नाम हासिम अली लिखा जावे।

सूचना

मैने और मेरी पत्नी ने अपने बड़े बेटे पुनीत कुमार व उसकी पत्नी चेतना के गलत चाल–चलन के कारण अपनी सम्पत्ति से बेदखल करते हुए सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं,उपरोक्तों के कोई कृत्य,वाद– विवाद,लेन–देन से हमारे परिवार का कोई वास्ता–सरोकार नहीं होगा। **रविकांत पुत्र वेदप्रकाश,सुनीता पत्नी रविकांत,ग्राम बेटियापुर–बेर,भरथना, इटावा,यू.पी.**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शपथी दिवाकर रावत पुत्र श्री रामकुमार निवासी–सी–3152, राजाजीपुरम, लखनऊ का हूं। शपथी की पुत्री का सही व शुद्ध नाम आद्रीका रावत है। त्रुटिवश शपथी की पुत्री का नाम शैक्षिक अभिलेखों में आद्रीका रानावत अंकित हो गया है जो गलत है। अत: शपथी अपनी पुत्री का सही व शुद्ध नाम आद्रीका रावत अंकित कराना चाहता है। **– शपथी**

सूचना

मैंने अपने पौत्र पंकज पुत्र स्व. अशोक कुमार को उसके गलत बर्ताव चाल–चलन के चलते अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, अब उससे मेरा मेरी पत्नी राम प्यारी, पौत्र अंकित की पत्नी गायत्री, साधना पत्नी पंकज उसकी पुत्री अवनि आयु 10 साल, पुत्र अर्नव आयु छह साल से कोई संबंध नही है। इसके किसी कृत्य के लिए हम सब लोग जिम्मेदार नहीं हैं। **रामकृष्ण पुत्र सुबेदार, निवासी मो. कासूपेट, सांडी रोड, बिलग्राम–हरदोई**

सूचना

मैं **अवध कुमारी पत्नी फतेह बहादुर सिंह नि. सोनवरसा परगना व तहसील सलोन जिला रायबरेली** की मूल निवासी हूं। मैं अपने पुत्र महेंद्र सिंह पुत्र स्व. फतेह बहादुर सिंह निवासी ग्राम सोनवरसा के आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं और उसके द्वारा किए गए कार्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। भविष्य में किसी प्रकार का कोई वास्ता सरोकार नहीं रखूंगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्र का सही नाम आकार पटेल (AAKAR PATEL) पुत्र अरुण कुमार (ARUN KUMAR) है। जो की उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है त्रुटिवश मेरी पुत्र के आधार कार्ड संख्या– 863106610298 में उसका नाम शिवाय (SHIVAAY) अंकित हो गया है जो की गलत है भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम आकार पटेल (AAKAR PATEL) पुत्र अरुण कुमार (ARUN KUMAR) के नाम से जाना व पहचाना जायेगा। इतद्वारा प्रमादित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में सभी औपचारिकताये मेरे स्वंय द्वारा पूर्ण की गई है। अरुण कुमार निवासी कन्नी खेड़ा, ऐन, हरौनी, लखनऊ उत्तर प्रदेश 227101

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बहराइच

पत्रांक : 605 /1ए–11 दिनांक 16.02.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना प्रकाशन

1. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बहराइच द्वारा महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में ए, बी, सी व डी श्रेणी (मार्ग कार्य) के पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से जनपद बहराइच के निम्न वर्णन के अनुसार कार्य की निविदा प्रतिशत दरो के आधार पर आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	निविदा की लागत (बिना जी0एस0टी0) (रू0 लाख में)	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क + स्टेशनरी शुल्क + जी.एस.टी. (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
विधानसभा–मटेरा। (स्वीकृति की प्रत्याशा में)						
1	बहराइच	जमलाजोत सं0मार्ग के नवीनीकरण का कार्य।	7.20	0.72	856.00	02 माह
2	बहराइच	झिंगहा सं0मार्ग के नवीनीकरण का कार्य।	12.90	1.29	945.00	02 माह

2. ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदायें प्रकाशित होने की तिथि :– दिनांक 23–02–2026 से पूर्व।
3. अनुरक्षण की अवधि कार्य पूर्ण होने की तिथि से 02 वर्ष होगी।
4. दोष दायित्व अवधि 02 वर्ष है, जिसकी गणना कार्य पूर्णता तिथि से की जायेगी।
5. बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता एवं बिड–सबमिट करने का माध्यम–
   (क) बिड डाक्यूमेन्ट आनलाइन दिनांक 23–02–2026 से 04–03–2026 तक उपलब्ध रहेगी, जो आनलाइन http://etender.up.nic.in पर ही सबमिट किया जायेगा।
   (ख) निविदा डालने हेतु निविदादाता को उपरोक्त वेबसाइट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। निविदायें आनलाइन डालने हेतु निविदादाता के पास किसी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट सर्टिफाइंग अथोरिटी द्वारा जारी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना अनिवार्य है।
   (ग) ई–प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें डालने की अन्तिम तिथि 04–03–2026 दोपहर 12.00 बजे तक एवं टेक्निकल क्वालिफिकेशन पार्ट–1 दिनांक 04–03–2026 अपराह्न 12.30 बजे से कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बहराइच में खोली जायेगी। विस्तृत विवरण http://etender.up.nic.in देखा जा सकता है।
   (घ) तकनीकी निविदा खोलने की 03 कार्य दिवस बाद वित्तीय निविदा खोली जायेगी। त्रुटिपूर्ण/Non Qualitative अनावश्यक शिकायत पाये जाने पर निविदादाता के विरूद्ध ब्लैकलिस्टिंग की कार्यवाही की जायेगी।

UP - 246575 **दिनांक:** 19/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

सहायक अभियन्ता, प्रा0ख0, लो0नि0वि0, बहराइच
अधिशासी अभियन्ता, प्रा0ख0, लो0नि0वि0, बहराइच

कार्यालय, नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा अम्बेडकरनगर

पंत्राक–128/न0पं0कि0 / निविदा/ 2025–26 दिनांक 20.02.2026

अल्पकालिक निविदा सूचना

नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा अम्बेडकरनगर में वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु ''राज्य वित्त आयोग / नगर निधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से स्वायत्त निकाय/ पब्लिक सेक्टर विभाग / राज्य सरकार/केन्द्र सरकार / अन्य सरकारीविभाग में समस्त श्रेणी की लागत सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से मैन्युवल विधि के माध्यम से निम्नवत् दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा दिनांक–21.02.2026 से दिनांक–28.02.2026 को समय 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, तथा निविदा प्रपत्र दिनांक 21.02.2026 से 28.02.2026 तक समय 02:00 बजे तक नगद शुल्क देकर प्राप्त किया जा सकता है। प्राप्त निविदा दिनांक 28.02.2026 को सायं 04:00 उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी, अवकाश पड़ने की दशा में निविदा अगले कार्यदिवस में सायं 04:00 उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधिशाषी अधिकारी / अध्यक्ष महोदय को होगा, तथा प्रत्येक निविदादाता के साथ धरोहर धनराशि नकद व राष्ट्रीय बचत पत्र / किसान विकास पत्र/एफ0डी0आर/ टी0डी0आर0 जो अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य होगा। कार्य का विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा मूल्य
1	प्रॉपर्टीज सर्वेक्षण का कार्य एवं कार्यक्षेत्र, अनुमानित सम्पत्तियां –5000	2,0000/–	2,000/–
	नगर विकास विभाग के नियमावली के अनुसार		
	प्रॉपर्टीज की जानकारी एकत्रित करना जैसे कि :–		
	● किसी भवन या भूखण्ड के फर्शी क्षेत्रफल और अन्य क्षेत्र का विवरण (आवासीय, व्यावसायिक तथा मिश्रित आदि)।		
	● सम्पत्ति का वर्गीकरण प्रत्येक वार्ड के भीतर चार विभिन्न प्रकार के मार्गो पर सम्पत्ति की अवस्थिति के आधार पर वर्गीकरण।		
	● नियमावली के प्रपत्र सख्या क, ख, ग तथा घ के आधार पर होगा।		
	● संपत्ति की जानकारी को ऑफलाइन के माध्यम से फॉर्म में दर्ज करना जिससे बाद में इसे आसानी से एक्सेस और सॉफ्टवेयर में अपडेट किया जा सके।		
	● डोर टू डोर प्रॉपर्टीज का सर्वे व्यक्तियों के माध्यम से किया जाना।		
	● एकत्रित डेटा की सटीकता और प्रामाणिकता की पुष्टि करवाना (**निकाय के कर्मचारियों द्वारा**)।		
2	**मानचित्र तैयार करना**		
	● वार्डवार मानचित्र (AO/A1) मानचित्र (रंगीन मैट) संपूर्ण नगर क्षेत्र मानचित्र (AO)–1 मानचित्र (रंगीन मैट)।		
	● एक्सेल प्रारूपों में डेटा इंटरऑपरेबिलिटी		
3	**प्रॉपर्टीज सर्वेक्षण के उपरांत डैशबोर्ड में डेटा एकीकरण में सहायता**		

निविदा के नियम व शर्तें :–

1. सशर्त निविदा मान्य नहीं होगी और स्वत: निरस्त समझी जायेगी।
2. यदि निकाय चाहेगी तो वित्तीय निविदा खोलने से पहले कार्य प्रणाली विश्लेषण सम्बन्धी प्रस्तुतीकरण संस्था द्वारा करवा सकती है। उचित प्रतीत होने पर ही वित्तीय निविदा खोलने पर विचार होगा।
3. बिना जमानत धनराशि के किसी भी निविदा पर विचार नही किया जायेगा, निविदा के साथ :100/–रू0 व 10/–रू0 का स्टाम्प पेपर देय होगा।
4. जिस व्यक्ति की निविदा स्वीकृत होगी उसे शासन द्वारा निर्धारित दर के अनुसार जनरल स्टाम्प पेपर पर अपने खर्चे से अनुबंध करना आवश्यक होगा।
5. भुगतान के समय नियमानुसार आयकर, जीएसटी कर आदि की कटौतियां की जायेगी।
6. कार्यादेश प्राप्त होने के बाद निर्धारित समय के अन्दर कार्य को पूर्ण कराया जायेगा। यदि निर्धारित समय के अन्दर कार्य को पूर्ण नहीं किया जाता है, तो जमानत धनराशि को जब्त करते हुये आवश्यक विभागीय कार्यवाही की जायेगी।
7. ठेकेदार/फर्म की आयकर व जी.एस.टी. में पंजीकरण अनिवार्य है।
8. ठेकेदार/फर्म को निविदा के साथ अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
9. सॉफ्टवेयर निर्माण का कार्य नवीनतम वेब प्रौद्योगिकियों के अनुसार डिजाइन एवं होस्ट किया जाना अनिवार्य होगा।
10. कार्य की रख–रखाव की 01 साल की जिम्मेदारी फर्म की होगी।
11. पेमेंट गेटवे इंटीग्रेशन हेतु बैंक किट/ए0पी0आई0 इंटीग्रेशन किट उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निकाय की होगी।
12. बैंक द्वारा सिक्योरिटी ऑडिट कराने एवं एसएसएल सटह्नफिकेट उपलब्ध कराने में फर्म/निविदादाता द्वारा निकाय का सहयोग प्रदान करेगा।
13. सिक्योरिटी ऑडिट के दौरान बैंक द्वारा सॉफ्टवेयर में दिए गए करेक्शन एवं अपडेशन करने की जिम्मेदारी सेवा प्रदाता फर्म की होगी।
14. सॉफ्टवेयर पर होस्ट / अपडेट करने वाली जानकारी निकाय के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाएगी।
15. निविदादाता/फर्म द्वारा प्रत्येक भवनों पर कर–निर्धारण करके अभिलेख तैयार करना एवं निकाय द्वारा समय–समय पर दिये गये निर्देशों का पालन करते हुये पोर्टल पर अपलोड कराना।
16. सभी संशोधन / अपडेशन टीम व्यूअर सॉफ्टवेयर का उपयोग करके आनलाइन कनेक्टिविटी के माध्यम से किए जाऐंगे। डेटा सेवा प्रदाता संस्था को ई–मेल के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।
17. तकनीकी निविदा की शर्ते (100 अंकों में से 80 अंक) पाने वाली फर्म को ही तकनीकी रूप से अर्ह माना जायेगा एवं उसी की वित्तीय निविदा खोली जायगी।
18. उपरोक्त शर्तो का विचलन / उल्लघंन करने पर नियमानुसार सम्बन्धित कम्पनी / फर्म के विरूद्ध कार्यवाही की जावेगी तथा इससे वाली क्षति की वसूली सम्बन्धित से की जायेगी।
19. निविदादाता कम्पनी / फर्म को सॉफ्टवेयर में यदि कोई तकनीकी खराबी होती है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर ठीक करना अनिवार्य होगा।
20. सक्षम प्राधिकारी द्वारा निविदा को अस्वीकृत करने तथा निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा
अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा
अम्बेडकरनगर

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 21 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

घर में सेंध लगाकर लाखों की चोरी

संतकबीरनगर (बेलहर)। **अमृत विचार।** बेलहर थाना क्षेत्र के भगौसा गांव में बीती रात चोरों ने एक घर में सेंध लगाकर लाखों रुपये के जेवरात और नगदी पार कर दी। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक व एसओजी टीम ने साक्ष्य जुटाए। भगौसा निवासी रामवृक्ष गुरुवार रात घर में ताला बंद कर परिवार के साथ बरामदे में सो गए थे। देर रात चोर मकान के पीछे की दीवार को दो स्थानों पर तोड़कर घर में घुस गए और कमरे में रखे दो बक्से उठा ले गए। सुबह जब परिवार के लोग जागे और कमरे का दरवाजा खोला तो चोरी की जानकारी हुई। थानाध्यक्ष अनिल कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। फोरेंसिक टीम और एसओजी प्रभारी अजय कुमार सिंह भी पहुंच गए।

कंकाल मिलने मिलने से क्षेत्र में सनसनी

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र त्रिलोकपुर अन्तर्गत चीताही नहर के समीप एक व्यक्ति का कंकाल मिलने से में सनसनी फैल गई है। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कंकाल को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। वहीं मृतक की पहचान धनोरी गांव निवासी जवाहिर गौतम के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जवाहिर गौतम 05 फरवरी को भड़रिया गांव में बैंड-बाजा बजाने गये थे, जिसके बाद से वह लापता थे। वहीं घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष त्रिलोकपुर ने बताया कि जवाहिर गौतम का कंकाल मिला है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

6 किलो चरस के साथ 2 नेपाली गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भारत-नेपाल बार्डर पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सशस्त्र सीमा बल 50वीं वाहिनी की 'सी' कम्पनी बरहनी और हष्टकन गोरखपुर की संयुक्त गश्ती टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने रोड नम्बर बीपी नं0-567 के पास नेपाल की ओर से आ रहे दो युवकों के पास से करीब 6 किलोग्राम चरस बरामद की है। उन्होंने अपने नाम सुबास पासी निवासी ग्राम खुरहुरिया, थाना गणेशपुर, जिला कपिलवस्तु (नेपाल) और अतवारी खटिक निवासी ग्राम पथरदेइया, थाना चन्द्रावत, जिला कपिलवस्तु (नेपाल) बताए।

तालाब में गिरी कार, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

औरैया जिले से तेरहवीं संस्कार से लौट रहा था कानपुर निवासी परिवार

संवाददाता, शिवली, कानपुर

अमृत विचारः शिवली कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की रात बड़ा हादसा हुआ। यहां औरैया जिले के ग्राम सहायल से तेरहवीं कार्यक्रम से वापस कल्याणपुर कानपुर लौट रहे परिवार की कार अनियंत्रित होकर शिवली के बैरी सवाई के पास तालाब में जा गिरी। इससे एक ही परिवार के कई लोग कार में फंसे रह गए। मदद मिल पाती, इससे पहले बुजुर्ग दंपति, उनकी बहू व नाती की मौत हो गई। पांच अन्य घायल हैं।

आवास विकास कल्यानपुर कानपुर के रहने वाले राजकिशोर अग्निहोत्री ईको कार से 9 परिजनों के साथ औरैया को निकले थे। बताया गया कि वहां ग्राम सहायल में एक रिश्तेदार की तेरहवीं संस्कार था। उसमें शामिल होने के बाद सभी लोग वापस घर लौट रहे थे। कार शिवली-कल्याणपुर रोड

अस्पताल में भर्ती वानी। अमृत विचार

पर बैरी सवाई के पास तालाब में जा गिरी। अंधेरा होने के कारण आस-पास के लोग हादसे के बारे में देर से जान पाए। काफी देर तक चीखें सुनीं तो तालाब की तरफ ध्यान गया। इसके बाद लोग दौड़े। ग्रामीणों, पुलिस व तहसील कर्मियों के साथ-साथ बजरंग दल व आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने कार सवार लोगों को निकाला। हालांकि निकाले जाने तक कार सवार राजकिशोर अग्निहोत्री (60), उनकी पत्नी स्नेहलता अग्निहोत्री (55), बहू हिमांशु (30) पत्नी अंकुर अगिनहोत्री और शिव अग्निहोत्री पुत्र अंकुर अग्निहोत्री (2) की मौत हो चुकी थी। शिवली के इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि कृतिका अग्निहोत्री (30), सुधा पत्नी संजय वाजपेई (45), वानी पुत्री अंकुर (3) कान्हा पुत्र संजय (4), सुधांशु पुत्र राजकिशोर (24) वर्ष को घायल अवस्था में बाहर निकाल लिया गया। एसडीएम राजकुमार पांडेय व तहसीलदार सुनील कुमार ने बताया कि घायलों का शिवली में इलाज किया जा रहा है। कुछ घायलों को कानपुर भी भेज दिया गया है। कार राजकुमार अग्निहोत्री चला रहे थे। हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संवेदना व्यक्त की है। अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

तीन किशोरियां तालाब में डूबीं, एक को बचाया गया

पिहानी, हरदोई, अमृत विचार। दो सगी बहनें अपनी सहेली के साथ तालाब में सिंघाड़े निकालने गईं थीं। जहां गहरे पानी में जाने से तीनों डूबने लगी। शोर सुनकर ग्रामीण दौड़ पड़े और एक किशोरी को बचा लिया, लेकिन दोनों सगी बहनें लापता हो गईं। ग्रामीणों और पुलिस के काफी प्रयास के बाद भी जब किशोरियों का कुछ पता नहीं चला तो सीतापुर से एसडीआरएफ और पीएसी को बुलाया गया है। लेकिन देर शाम खबर लिखे जाने तक दोनों का पता नहीं चला था। पिहानी कोतवाली के दहेलिया मजरा रामपुर निवासी कमलेश की दो बेटियां 14 वर्षीय आरुषि व 12 वर्षीय प्रियंका शुक्रवार को उसी गांव की अपनी 14 वर्षीय सहेली जान्वी के साथ तालाब से सिंघाड़े ढूंढने गईं थीं। सिंघाड़ा खोजते हुए तीनों किशोरियां गहरे पानी में चली गईं। डूबने लगीं तो शोर मचाया। जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने पहुंचकर जान्वी को किसी तरह बाहर निकाल लिया लेकिन आरुषि और प्रियंका गहरे पानी में लापता हो गईं।

लापता सगी बहनें प्रियंका व आरुषि।

पांच स्टेटिक मजिस्ट्रेट ड्यूटी से गैरहाजिर, रोका गया वेतन

संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। यूपी बोर्ड परीक्षा के पहले दिन ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले 05 स्टेटिक मजिस्ट्रेटों पर जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने रिपोर्ट मिलने के बाद सभी संबंधित अधिकारियों का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश दिए हैं।

जिले में 18 फरवरी से शुरू हुई बोर्ड परीक्षाओं के दौरान ये मजिस्ट्रेट अपने निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर नहीं पहुंचे, जिससे प्रश्नपत्र खोलने सहित अन्य व्यवस्थाओं में दिक्कतें आईं।

इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) ने जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजी थी। डीएम आलोक कुमार ने बताया कि जिले में कुल 94 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई थी। कार्रवाई की जद में आए अधिकारियों में श्रीलाल बहादुर शास्त्री स्मारक इंटर कॉलेज के स्टेटिक मजिस्ट्रेट मुख्य कार्याधिकारी मत्स्य नंद किशोर प्रसाद, स्वर्गीय चंद्रभान मिश्र इंटर कॉलेज पटखौली के स्टेटिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. गौरव त्रिपाठी, राजकीय उमावि जामडी के स्टेटिक मजिस्ट्रेट राज्य कर अधिकारी राजेश कुमार नायक, रामनरेश बुद्धिसागर पब्लिक कॉन्वेंट आदर्श इंटर कॉलेज के स्टेटिक मजिस्ट्रेट पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आनंद सिंह तथा एमएम अशरफ इंटर कॉलेज सालेहपुर सेमरियावां के स्टेटिक मजिस्ट्रेट सहायक सांख्यिकीय अधिकारी मनोज कुमार मिश्र शामिल हैं। बताया गया कि 18 फरवरी को ड्यूटी पर अनुपस्थित रहने के कारण परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्र खोलने में परेशानी हुई। डीएम ने संबंधित अधिकारियों का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने का निर्देश दिया है।

चेक बाउंस मामलों में शीघ्र निस्तारण आवश्यक

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत दर्ज चेक बाउंस के 13 वर्ष पुराने मामले में अभियुक्त को अतिरिक्त साक्ष्य का अवसर देने से इनकार करते हुए कहा कि "विलंबित न्याय, न्याय से वंचित करना है" और अनावश्यक टालमटोल न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश में कोई अवैधता न पाते हुए हस्तक्षेप से इनकार कर दिया।

कोर्ट ने विलियम शेक्सपियर के शब्दों को संदर्भित करते हुए कहा कि "समय को टालो मत; देरी के खतरनाक परिणाम होते हैं।" ऐसी लंबी कानूनी प्रक्रिया 'न्याय में देरी, न्याय से वंचित' के सिद्धांत को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। आदेश न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की एकलपीठ ने बृजेश कुमार के आवेदन को निस्तारित करते हुए दिया। आवेदक ने बीएनएसएस की धारा 528 के तहत आवेदन दाखिल कर न्यायिक मजिस्ट्रेट, आजमगढ़ द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को पारित आदेश को निरस्त करने की मांग की थी। अंत में कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि 13 वर्षों से लंबित यह वाद संक्षिप्त विचारण की अवधारणा के बिल्कुल विपरीत है। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि विलंब संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित शीघ्र न्याय के अधिकार के प्रतिकूल है। रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि अभियुक्त को पर्याप्त अवसर दिए गए थे, जिनका उपयोग नहीं किया गया। अतः कोर्ट ने चेक बाउंस मामलों के तुरंत निस्तारण पर बल देते हुए याचिका खारिज कर दी।

अभ्यर्थियों को मानकों के विपरीत राहत देने से इनकार

विधि संवाददाता, प्रयागराज।

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डीएलएड (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) पाठ्यक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण विवाद में राज्य सरकार की विशेष अपीलों को स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा निर्धारित मानकों के विपरीत किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि शिक्षक शिक्षा से संबंधित मानक पूरे देश में एकरूपता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए निर्धारित किए गए हैं। राज्य सरकार या परीक्षा नियामक प्राधिकारी इन विनियमों को शिथिल नहीं कर सकते। शैक्षणिक अर्हता से समझौता नहीं किया जा सकता, क्योंकि इसका सीधा प्रभाव प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता है। शैक्षणिक अर्हता और समय-सीमा का कठोर अनुपालन आवश्यक है।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति कुनाल रवि सिंह की खंडपीठ ने बेसिक शिक्षा विभाग के सचिव के माध्यम से राज्य सरकार की विशेष अपीलों को स्वीकार करते हुए

डीएलएड विवाद

- **हाईकोर्ट ने कहा, शैक्षणिक अर्हता से नहीं किया जा सकता समझौता**

की। मामले के अनुसार कुछ अभ्यर्थी किसी एक विषय में तीन बार अनुत्तीर्ण होने के कारण पाठ्यक्रम से बाहर हो गए थे। परीक्षा नियामक प्राधिकारी, प्रयागराज के सचिव द्वारा 11 सितंबर 2021 और 19 अप्रैल 2022 के आदेशों के माध्यम से कुछ चयनित अभ्यर्थियों को एक अंतिम अतिरिक्त अवसर इस आधार पर प्रदान किया गया था, जिससे वे किसी एक विषय में तीन बार अनुत्तीर्ण हो चुके थे और उनका अधिकतम निर्धारित अवधि (तीन वर्ष) समाप्त हो चुकी थी। आदेश में यह उल्लेख था कि यह अवसर एक प्रकार की विशेष छूट के रूप में दिया जा रहा है, जिससे वे पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकें। हालांकि यह राहत सामान्य नियम के रूप में नहीं, बल्कि सीमित और अपवादात्मक परिस्थिति में दी गई बताई गई थी, लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह छूट राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) विनियम, 2014 के अनुरूप नहीं थी। हालांकि जिन अभ्यर्थियों के नाम सूची में शामिल नहीं थे, उन्होंने समान अवसर की मांग करते हुए याचिकाएं दाखिल कीं। एकलपीठ ने राज्य की कार्रवाई को भेदभावपूर्ण मानते हुए सभी याचियों को अतिरिक्त अवसर देने का निर्देश दिया, जिसके विरुद्ध राज्य सरकार ने विशेष अपील दाखिल की, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि एनसीटीई विनियम, 2014 के अनुसार डी.एल.एड. पाठ्यक्रम दो वर्ष का है और अधिकतम तीन वर्ष में पूर्ण किया जाना अनिवार्य है। इस समय-सीमा से परे कोई भी छूट वैधानिक प्रावधानों के विपरीत होगी। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि वैधानिक नियमों पर कार्यपालिका के आदेश हावी नहीं हो सकते। अनुच्छेद 14 के तहत समानता का अधिकार "नकारात्मक समानता" का आधार नहीं बन सकता।

अनुकंपा नियुक्ति के मामले में उदारता से निर्णय ले सरकार : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े एक अत्यंत संवेदनशील मामले में राज्य सरकार को नियमों की तकनीकी और यांत्रिक व्याख्या से आगे बढ़कर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश देते हुए कहा कि कल्याणकारी नियमों का उद्देश्य मृत कर्मचारी के परिवार को असहाय स्थिति में छोड़ना नहीं, बल्कि उसे सहारा देना है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह एवं न्यायमूर्ति इन्द्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने राज कुमारी देवी की विशेष अपील पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

दरअसल बलिया जिले के प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापक शैलेन्द्र कुमार भारती की सात जून 2018 को सड़क दुर्घटना में सेवा के दौरान मृत्यु हो गई थी। इसके महज एक माह बाद उनकी पत्नी का भी निधन हो गया। इस दंपति की ढाई वर्षीया पुत्री सौम्या उर्फ साक्षी पूर्णतः अनाथ हो गई। बाद में सक्षम न्यायालय ने उसके चाचा-चाची क्रमशः रमेश चंद्र सक्सेना और राज कुमारी देवी को विधिक अभिभावक नियुक्त किया।

क्लैट-यूजी-2026 की मेरिट सूची को संशोधित करने के आदेश पर रोक

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 3 फरवरी को पारित एकलपीठ के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के संघ को क्लैट-यूजी-2026 की संपूर्ण मेरिट सूची को भविष्य की काउंसलिंग के लिए संशोधित करने का निर्देश दिया गया था। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश संघ द्वारा दाखिल विशेष अपील पर सुनवाई के बाद पारित किया। कोर्ट ने कहा कि इस प्रक्रिया में पहले चरण में प्रवेश ले चुके छात्रों को नहीं छेड़ा जाएगा, लेकिन आगे की काउंसलिंग नई सूची पर हो सकती है। दरअसल संपूर्ण विवाद रीजनिंग के एक प्रश्न से उत्पन्न हुआ। एकलपीठ ने पाया था कि उच्चस्तरीय 'निगरानी समिति' ने एक विवादित प्रश्न के संबंध में विषय विशेषज्ञों की राय को बिना कोई कारण बताए निरस्त कर दिया था, जो मनमाना कदम था।

प्रधान लिपिक निलंबित, प्रबंधक को नोटिस

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: पडरौना में गोस्वामी तुलसी दास इंटर कॉलेज के 700 पत्राचार परीक्षार्थियों को परीक्षा से वंचित करने के मामले में प्रधान लिपिक पर मुकदमा दर्ज कर निलंबन की कार्रवाई की गई है। वहीं दूसरी ओर मामले में नोडल अधिकारी के खिलाफ अब तक कार्रवाई लंबित हैं। जबकि निदेशालय द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक को दिये आदेश में नोडल अधिकारी व प्रधान लिपिक दोनों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कराने का उल्लेख किया गया है। डीआईओएस के इस कार्रवाई के पीछे खुद को और दोषियों को बचाने की बात कही जा रही है। वजह यह है कि इस पूरे प्रकरण में डीआईओएस दफ्तर की जबाबदेही नोडल अधिकारी व प्रधान लिपिक से अधिक है। यही वजह है कि पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा

700 छात्रों को बोर्ड परीक्षा से बाहर किए जाने का मामला

सवाल डीआईओएस कार्यालय की भूमिका को लेकर उठ रहा है। पत्राचार शिक्षा संस्थान, प्रयागराज उत्तर प्रदेश के अपर शिक्षा निदेशक सीएल चौरसिया द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक को जारी आदेश पत्र मे गोस्वामी तुलसीदास इंटर कालेज के नोडल अधिकारी विकास मणि त्रिपाठी और प्रधान लिपिक ज्ञान प्रकाश पाठक के विरुद्ध उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम-2024 की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराए जाने का निर्देश स्पष्ट शब्दों में दिया गया है। इसके बावजूद जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त ने प्रबंधक व प्रधानाचार्य के माध्यम से केवल प्रधान लिपिक ज्ञान प्रकाश पाठक के

मानवाधिकार आयोग भी सख्त

इस पूरे मामले पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी संज्ञान लिया है। सदस्य प्रियांक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। जिसके चलते यह मामला अब सिर्फ विभागीय नहीं रहा।

खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर बिना नोटिस जारी किये निलंबन के कार्रवाई की संस्तुति कर दी जबकि नोडल अधिकारी पर अब तक कार्रवाई नही हुई। विभाग से जुडे जानकारों की माने तो परीक्षा आवेदन पत्र अंतिम रूप से डीआईओएस कार्यालय के माध्यम से ही बोर्ड को भेजे जाते हैं। ऐसे मे 700 परीक्षार्थियों के फॉर्म अपूर्ण व त्रुटिपूर्ण थे, तो इसमें डीआईओएस कार्यालय अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता।

हादसे में युवक की मौत भाई की हालत गंभीर

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई, जबकि उसका छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया है। बखिरा थाना क्षेत्र के ग्राम चंदनी उर्फ देउरवा निवासी जितेंद्र यादव (25) अपने छोटे भाई राजन को हाईस्कूल की परीक्षा दिलाने के लिए बाइक से सीबी मिश्रा इंटर कॉलेज पटखौली जा रहे थे। खलीलाबाद क्षेत्र के बनकटिया बड़गो के पास वाहन से उनकी बाइक को टक्कर हो गई। हादसे में जितेंद्र की मौत हो गई।

जीआरपी के सहयोग पर की गई चर्चा

गोरखपुर, अमृत विचार। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक/लखनऊ अजित कुमार सिन्हा और उत्तर प्रदेश राज्य के एडिशनल डायरेक्टर जनरल (एडीजी)/जीआरपी डी. प्रकाश के बीच बीते गुरुवार को रेलवे में खानपान सेवाओं को सुचारु प्रबंधन में जीआरपी के सहयोग पर चर्चा की गयी।

आईआरसीटीसी के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि कई बार कुछ मामलो को लेकर खानपान की सेवाओं को प्रदान करने वाली टीम को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जैसे की डिब्बों में अत्यधिक भीड़ का होना, खानपान का समान को रखने की जगह कम होना, यात्रियों की अत्यधिक मांग का दबाव एवं कुछ क्षेत्रों में अनाधिकृत वेंडर्स द्वारा निम्न गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थो की बिक्री आदि। इसके कारण सेवा प्रदाता टीम को खान पान की सुचारु सुविधा देने में व्यवधान होता है और इसके लिए जीआरपी टीम की सहयोग की अपेक्षा की

गयी है। कैटरिंग सर्विस के लाईसेंसी टीमों के सदस्यों के लिए ख़ास वर्दी का निर्धारण किया गया है, जिसमे सेवा प्रदाता का मोबाइल नम्बर और उनका नाम भी स्पष्ट रूप से अंकित होता है। इसके अतिरिक्त सभी अधिकृत वेंडर्स को स्पेशल क्यू. आर. कोड वाले आई डी काड्र्स भी उपलब्ध कराये गए है, जिससे कि यात्रियों और जीआरपी स्टाफ को सही वेंडर्स की पहचान हो सके।

मारपीट में महिला की मौत, पति ने दी तहरीर

संतकबीरनगर, अमृत विचार। मेंहदावल थाना क्षेत्र के पश्चिम टोला मोहल्ले में मामूली विवाद के बाद हुई मारपीट में एक महिला की मौत हो गई। पीड़ित पति ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मेंहदावल थाना क्षेत्र के पश्चिम टोला निवासी आजाद अहमद पुत्र बरकत अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार सुबह उनकी पत्नी मुब्बसिरा खातून घर पर थीं। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली रईसुन्निशा अपने पति

अरशद के साथ पहुंची और गाली-गलौज करने लगी। बताया गया कि बच्चों के मामूली विवाद को लेकर बात बढ़ गई और आरोप है कि रईसुन्निशा ने मुब्बसिरा की पिटाई कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे पति आजाद अहमद को भी चोटें आईं। गंभीर मारपीट के दौरान मुब्बसिरा की हालत बिगड़ गई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतका के दो छोटे बच्चे हैं। घटना के बाद पति ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आयुक्त ने किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर अमृत विचार। आयुक्त बस्ती मण्डल अखिलेश कुमार सिंह द्वारा जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के साथ तहसील नौगढ़ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त बस्ती द्वारा भूलेख कक्ष को देखा गया। तहसील नौगढ़ भूलेख कक्ष के बाहर लोगो के बैठने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। जनसुनवाई रजिस्टर देखा गया। उपजिलाधिकारी नौगढ़ को निर्देश दिया कि प्रत्येक दिन 10 से 12 बजे तक बैठकर जनसुनवाई करें। विनिमय क्षेत्र नौगढ़ कक्ष में बजट व विकास के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अलावा नजारत को देखा गया।

परीक्षा देने गये छात्र की तबीयत बिगड़ी, मौत

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र चिल्हियां के करौंदा नानकार में परीक्षा देने गये छात्र की बुधवार को तबीयत खराब होने के बाद जिला मुख्यालय ले जाते वक्त मौत हो गयी। वहीं विद्यालय प्रबन्धन जानकारी न होने की बात कह रहा है। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के बभनी का रहने वाला रवि यादव पुत्र राधेश्याम यादव थाना क्षेत्र चिल्हियां के करौंदा नानकार में स्थित गायत्री देवी पब्लिक स्कूल में बने

परीक्षा केन्द्र पर इन्टरमीडिएट की परीक्षा देने जा रहा था।परीक्षा केन्द्र से मात्र 50 मीटर की दूरी पर ही उसकी तबीयत खराब हो गई। वहां मौजूद लोगों ने तुरन्त उसे करौंदा चौराहे पर एक प्राइवेट चिकित्सक के पास ले गये, जहां से तुरन्त चिकित्सक ने उसे मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर पहुंचने के तुरन्त बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लगेंगे 78 निःशुल्क मेडिकल कैंप

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भारत नेपाल सीमा पर जनपद में एनोवो द्वारा आयोजित गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ शिविर यात्रा का 78 मेडिकल कैंपों का आयोजन होगा। मेडिकल कैंप में 20, 21,22 फरवरी तीन दिनों का आयोजन है, उस आयोजन में कई अन्य मेडिकल कॉलेजो से लगभग 200 से अधिक डॉक्टर इस शिविर को सफल बनाने में सिद्धार्थनगर पहुंचेंगे। भारत नेपाल सीमा पर ऐसे 4 ब्लॉकों के कुल 78 गांव निश्चित किए है कहा जहां मरीजों का निःशुल्क परामर्श किया जाएगा।यह कार्यक्रम पूर्ण रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके ऐसे कुछ जन संगठन के कार्यकर्ता गांव गांव इसकी तैयारियां जोरो पर कर रहे हैं।

कार्रवाई

वाराणसी पुलिस ने सात घंटे तक गंगा में 173 नावों की जांच की

13 नावें सीज, आठ नाविकों पर एफआईआर

वाराणसी, अमृत विचार। जिले में सात घंटे तक गंगा में 173 नावों की जांच की गई। इस दौरान 13 सीज नावों को सीज किया गया। वहीं आठ नाविकों पर एफआईआर दर्ज हुई। दो सर्किल की पुलिस ने एक साथ कार्रवाई की। वाराणसी पुलिस ने गुरुवार को गंगा में सात घंटे तक अभियान चलाया। नाव पर सवारियों को बैठाने की क्षमता, लाइफ जैकेट और प्रदूषण की जांच की गई। एसीपी भेलूपुर गौरव के नेतृत्व में सात घंटे में 173 नावों को जांचा गया और मानक व नियमों की अवहेलना होने पर 13 को सीज किया गया।

भेलूपुर पुलिस ने अुतल साहनी निवासी शिवाला, संतोष कुमार निवासी राजमंदिर, संतोष कुमार निवासी राजमंदिर, पवन साहनी निवासी सक्काघाट पर प्राथमिकी दर्ज की। जबकि दशाश्वमेध पुलिस ने महेश कुमार निवासी तेलियानाला, सूरज साहनी निवासी तारापुर टिकरी और टिंकू साहनी निवासी भारद्वाजी टोला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर शिवहरी मीणा ने बताया कि काशी में गंगा घाटों पर रोज बड़ी संख्या में लोग, श्रद्धालु और देश-विदेश से आने वाले पर्यटक नाव की सवारी करते हैं। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा, संभावित हादसों की रोकथाम और गंगा की स्वच्छता के लिए पुलिस-प्रशासन की ओर से समय-समय पर विशेष अभियान चलाए जाते रहे हैं।

बृहस्पतिवार को व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस टीमों ने अस्सी से लेकर राजघाट तक विभिन्न घाटों पर संचालित नावों की सघन जांच की। नाव चालकों के पहचान पत्रों का सत्यापन किया गया और उनकी आयु की भी जांच की गई। जांच के दौरान एक नाव निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां लेकर चल रही थी। पुलिस ने मौके पर ही नाव को रोका और संचालक पर कार्रवाई की। अभियान के दौरान सुरक्षा उपकरणों की भी बारीकी से जांच की गई। 15 नावें ऐसी पाई गईं, जिनमें लाइफ जैकेट की व्यवस्था नहीं थी। कुछ नावों में जैकेट तो थीं, लेकिन यात्रियों की संख्या के अनुपात में कम थी। इंजन चालित नावों की अलग से जांच की गई।

होली पर विशेष ट्रेनों का संचलन करेगा रेलवे

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा को देखते हुए 09111/09112 वडोदरा-गोरखपुर-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन वडोदरा से 23 फरवरी तथा 02, 09, 16 एवं 23 मार्च प्रत्येक सोमवार को तथा गोरखपुर से 25 फरवरी तथा 04, 11, 18 एवं 25 मार्च प्रत्येक बुधवार को 05 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का

01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे।

इसके अलावा 09195/09196 वडोदरा-मऊ-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन वडोदरा से 21 एवं 28 फरवरी तथा 07, 14, 21 एवं 28 मार्च प्रत्येक शनिवार को तथा मऊ से 22 फरवरी तथा 01, 08, 15, 22 एवं 29 मार्च तक प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 06 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित 21 कोच लगाये जायेंगे।

प्रायोगिक ठहराव दिया

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 19489/19490 अहमदाबाद-गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस तथा 19091/19092 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस का पश्चिम रेलवे के सीहोर स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर 02 मिनट का ठहराव किया जायेगा।

संचलन विस्तार

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व पर यात्री जनता की मांग पर 05559/05560 रक्सौल-उधना-रक्सौल साप्ताहिक विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन रक्सौल से 28 फरवरी को तथा उधना से 01 मार्च को 01 फेरे के लिये विस्तारित किया गया है। यह गाड़ी पूर्व निर्धारित ठहराव, समय एवं रेक संरचना के अनुसार चलाई जायेगी।

न्यूज ब्रीफ

7 मौतों के बाद हाथी को पहनाएंगे रेडियो कॉलर

रांची। झारखंड में पहली बार, हजारीबाग के वन विभाग ने एक मादा हाथी को रेडियो कॉलर पहनाने का फैसला किया है। यह हाथी उसी झुंड का हिस्सा थी जो इस महीने की शुरुआत में 24 घंटे के भीतर सात लोगों की मौत का कारण बना था। अधिकारियों ने बताया कि उपकरण प्राप्त कर लिया गया है और हाथी को बेहोश करके कॉलर पहनाने की तैयारी चल रही है। यह घटना चुरचू ब्लॉक के गोंडवार गांव में हुई थी, जहां पांच हाथियों के एक समूह ने सात लोगों को कुचलकर मार डाला था, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। रेडियो कॉलर उसकी गतिविधियों पर नजर रखेगा।

गैस सिलेंडर फटने से चार लोग घायल

मुंबई। मुंबई के एक पश्चिमी उपनगर में खाना पकाने के गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से आग लग गई, जिसमें चार लोग झुलस गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना गुरुवार रात को वाकोला क्षेत्र के दिघे चॉल के कमरा नंबर चार में घटी। उन्होंने बताया कि पीड़ितों की पहचान जावेद अब्दुल शेख , अवंतिका अजय, सुमति रमेश गावडे और यश गावडे के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि एलपीजी सिलेंडर विस्फोट में शेख 55-60 प्रतिशत जबकि सुमति 35 से 40 प्रतिशत तक झुलस गए। अवंतिका अजय और यश भी झुलस गए हैं।

हर्ष फायर करने वाले को 5 वर्ष की सजा

भिण्ड। मध्यप्रदेश के भिण्ड जिले में लगुन फलदान कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायर करना एक आरोपी को भारी पड़ गया। न्यायालय ने कट्टे से की गई फायरिंग में बालिका को घायल करने के मामले में आरोपी को दोषी ठहराते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। जानकारी के अनुसार उमरी थाना क्षेत्र के ग्राम नारायण सिंह का पुरा नुनहाटा में 20 अप्रैल 2015 को छक्कीलाल जाटव के घर उसके पुत्र का लगुन फलदान कार्यक्रम चल रहा था।

चाकू से हत्या करने के आरोप में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रोहिणी में लूटपाट की कोशिश के दौरान एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या करने और दूसरे को घायल करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों की पहचान रोहित और दुर्गेश उर्फ दुर्गी (23) के रूप में हुई है, दोनों रोहिणी के सेक्टर 23 के निवासी हैं।

तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ दर्ज करें भ्रष्टाचार का मामला

चेन्नई, एजेंसी

● साक्ष्य मौजूद, प्रारंभिक जांच की जरूरत नहीं : मद्रास हाईकोर्ट

मद्रास हाईकोर्ट ने स्थानांतरण, नियुक्तियों और निविदा आवंटन में अनियमितताओं को लेकर तमिलनाडु के नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति मंत्री केएन नेहरू के खिलाफ शुक्रवार को सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय को आपराधिक मामला दर्ज करने के निर्देश दिए।

मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की पीठ ने आदेश पारित करते हुए कहा कि मंत्री के खिलाफ लगाए गए आरोपों के प्रथमदृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं। पीठ ने माना कि ईडी ने जो सामग्री रखी है, वह संज्ञेय अपराधों का खुलासा करती है इसलिए इस मामले में किसी प्रारंभिक जांच की आवश्यकता नहीं है और प्राथमिकी तुरंत दर्ज की जानी चाहिए। ईडी ने निदेशालय को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि नगर प्रशासन विभाग में सहायक इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर और स्वच्छता निरीक्षक जैसे 2,538 पदों पर नियुक्तियों के बदले लगभग 634 करोड़ की रिश्वत ली गई थी।

साइबर अपराध से निपटने के लिए समन्वित कार्रवाई जरूरी: सूर्यकांत

जयपुर, एजेंसी

● जयपुर में साइबर सुरक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले प्रधान न्यायाधीश

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के लिए समन्वित कार्रवाई का शुक्रवार को आह्वान किया जिसे उन्होंने व्यापक समस्या बताते हुए कहा कि इससे भारी वित्तीय नुकसान होता है और संस्थाओं पर भरोसा कमजोर पड़ता है।

वह शुक्रवार रात यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में साइबर सुरक्षा-जागरुकता, संरक्षण एवं न्याय तक समावेशी पहुंच विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधान न्यायाधीश ने अपने संबोधन में इस समस्या से निपटने के लिए न्यायपालिका के प्रयासों के बारे में बात की। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल अरेस्ट ठगी से जुड़े मामलों में उन्होंने खुद भी दखल दिया है। उन्होंने कहा, न्याय की चर्चा के केंद्र में साइबर सुरक्षा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, डिजिटल दौर में नुकसान बहुत तेजी से फैल सकता है, इसलिए मामूली सी सावधानी ही सुरक्षा बन जाती है। असल में साइबर सुरक्षा पुराने ज्ञान का नया रूप है-बोलने से पहले सोचो और कुछ करने से पहले समझो। उन्होंने सलाह दी कि हमेशा जागरूक होकर काम करें, सावधानी से अपनी सुरक्षा करें और यह कभी न मानें कि जो जाना-पहचाना है वह जरूर सुरक्षित ही होगा। उन्होंने कहा कि देशभर में 66 लाख से अधिक साइबर ठगी की शिकायतें लंबित हैं, जिससे साफ है कि यह बहुत बड़ी और व्यापक स्तर पर फैल चुकी समस्या है और दुनियाभर में इस पर ध्यान आकर्षित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हर दूसरे दिन उन्हें पता चलता है कि उनके नाम से एक नई वेबसाइट बनाई गई है और उससे संदेश भेजे जा रहे हैं।

तकनीक से फायदा लेकिन उसके गलत इस्तेमाल से हो रहा नुकसान

डीपफेक एक ऐसी तकनीक है जिसमें कृत्रिम मेधा की मदद से किसी व्यक्ति का नकली वीडियो, ऑडियो या तस्वीर बनाई जाती है, जो देखने-सुनने में बिल्कुल असली जैसी लगती है। सीजेआई ने डिजिटल क्रांति के फायदों को माना, लेकिन उसके गलत इस्तेमाल के खतरों को लेकर आगाह भी किया। उन्होंने कहा कि सरकारें डिजिटल तरीकों से लोगों को सुविधाएं दे रही हैं और लोग उनका इस्तेमाल भी कर रहे हैं, लेकिन चिंता सिर्फ इतनी है कि जब तकनीक बेकाबू हो जाए तो उसे नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा, साइबर सुरक्षा सिर्फ बैंक खाते बचाने की बात नहीं है, बल्कि संस्थाओं पर भरोसा बनाए रखने की बात है। भरोसा न हो तो सबसे अच्छी न्याय व्यवस्था भी कमजोर पड़ जाती है। एआई पर उन्होंने कहा कि वह न्याय प्रणाली में इसके इस्तेमाल का समर्थन करते हैं, लेकिन उतना ही जितना इससे मामलों का जल्दी और कम खर्च में निपटारा हो सके, और यह हमेशा इंसान-केंद्रित रहे।

अमेरिका से व्यापार समझौते के खिलाफ युवा कांग्रेस का एआई समिट में प्रदर्शन

शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ की नारेबाजी, पुलिस ने चार को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में प्रदर्शन करते युवक कांग्रेस कार्यकर्ता।

भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई इम्पैक्ट समिट के आयोजन स्थल पर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के विरोध में प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए, जिसके बाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। भाजपा ने इसके बाद कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मुख्य विपक्षी दल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल की है।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता हॉल नंबर-5 के अंदर मार्च करते हुए पहुंचे। इनमें कुछ सफेद टीशर्ट पहने हुए थे और कुछ ने ये टीशर्ट हाथों में ले रखी थी। इन पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें छपी थीं तथा उन पर इंडिया यूएस ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स और पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड यानी प्रधानमंत्री झुक गए जैसे नारे लिखे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने टीशर्ट भी उतार दीं। उनके विरोध प्रदर्शन के कारण वहां अफरातफरी मच गई। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद कुछ प्रतिभागियों और कुछ प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई।

पुलिस के मुताबिक जिन लोगों को हिरासत में लिया गया, उनमें युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि भी शामिल हैं। मौके पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने कहा कि इस घटना के बाद हॉल के अंदर सुरक्षा और कड़ी की जाएगी। यह विरोध प्रदर्शन कुछ ही मिनटों तक चला, जिसके बाद समूह को हॉल से बाहर निकाल दिया गया।

समिट नहीं, किसान विरोधी व्यापार समझौते के खिलाफ

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब ने एक बयान में कहा, युवा कांग्रेस के साथियों ने स्पष्ट कर दिया कि देश का युवा अब चुप नहीं बैठेगा। पीएम इज कंप्रोमाइज्ड यानी प्रधानमंत्री झुक गए सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि करोड़ों बेरोजगार युवाओं का आक्रोश है। अमेरिका के साथ यह व्यापार समझौता हमारे किसानों और जनता के हितों के साथ खिलवाड़ है, जिससे सिर्फ अमेरिका को फायदा होगा। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध हमारा अधिकार है और हम युवाओं की आवाज बुलंद करते रहेंगे। चिब ने कहा, हम एआई इम्पैक्ट समिट के खिलाफ नहीं हैं। हम भारत के हितों के साथ हो रहे समझौते के खिलाफ हैं, इसलिए हमने ये प्रदर्शन किया है।

भाजपा ने कहा- प्रदर्शन विश्व में भारत की छवि खराब करने का प्रयास

भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, जब भी भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है, कांग्रेस राष्ट्रहित के साथ खड़े होने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने को प्राथमिकता देती दिखाई देती है। दलगत राजनीति को देश की प्रतिष्ठा और सम्मान से ऊपर रखना अत्यंत दुखद है। राजनाथ ने कहा कि भारत की जनता भली-भांति समझती है कि कौन भारत को सशक्त और समर्थ बनाने में जुटा है और कौन बार-बार भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास करता है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि यह घटना कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के कहने पर अंजाम दी गई है। उन्होंने कहा, यह साजिश राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी की मौजूदगी में राहुल गांधी के निवास स्थान पर रची गई थी। यह प्रयोग है, संयोग नहीं।

इस अप्रत्याशित घटना ने अतिथियों और आगंतुकों को हैरान कर दिया, क्योंकि 'एआई इम्पैक्ट समिट' के मद्देनजर यह व्यापार समझौता विरोधी प्रदर्शन अप्रत्याशित था।

बांग्लादेश की नई सरकार के साथ सभी पहलुओं पर बात करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

● द्विपक्षीय संबंधों को लेकर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट की स्थिति

बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद द्विपक्षीय संबंधों को लेकर चल रहे तमाम कयासों के बीच भारत ने स्पष्ट किया है कि वह बंगलादेश में नई सरकार के साथ द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर बात करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा कि भारत बंगलादेश में नई सरकार के साथ बातचीत शुरू करने और सहयोग आगे बढाने का इच्छुक है। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के मजबूत होने के प्रति उम्मीद जताई।

उन्होंने कहा कि भारत दोनों देशों के बीच गर्मजोशी वाले और ऐतिहासिक संबंधों को आधार बनाते हुए बांग्लादेश के साथ बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने की उम्मीद करता है। प्रवक्ता ने कहा, हम नई सरकार के साथ सक्रिय संवाद स्थापित कर सहयोग बढ़ाने के इच्छुक हैं। नई सरकार के साथ हमारे संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बंगलादेश में नयी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को एक पत्र भी सौंपा। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में पिछले वर्ष तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ किए जाने के बाद अंतरिम सरकार के कार्यकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंधों में खटास आई हुई है। अब नई सरकार के शासन में दोनों देशों के संबंधों के सामान्य होने के संबंध में अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं।

फलस्तीन मुद्दे के दो-राष्ट्र समाधान के प्रति प्रतिबद्ध

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को फलस्तीन मुद्दे के दो-राष्ट्र समाधान के लिए अपना समर्थन दोहराते हुए कहा कि 100 से अधिक देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर उसने एक बयान जारी कर वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों के विस्तार के इजराइल की कोशिशों की निंदा की है। लगभग 80 देशों और संगठनों द्वारा समर्थित प्रारंभिक बयान में भारत का जिक्र नहीं था। फलस्तीन के संयुक्त राष्ट्र दूत रियाद मंसूर ने मंगलवार को यह बयान जारी किया था। एक नए बयान में भारत और लगभग 20 देशों और संगठनों ने दो राष्ट्र समाधान का समर्थन किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से जब साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में पूछा गया कि भारत प्रारंभिक बयान का हिस्सा क्यों नहीं था, तो उन्होंने कहा कि देशों और संगठनों द्वारा उस तरह से दस्तावेज पर बातचीत नहीं की गई थी जैसा सामान्य तौर पर होता आया है। उन्होंने कहा कि इस विशेष मुद्दे पर हमारा रुख हाल ही में भारत-अरब लीग के मंत्रिस्तरीय संयुक्त वक्तव्य में व्यक्त किया गया था। जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली में 31 जनवरी को आयोजित भारत-अरब लीग की बैठक में इजराइल के साथ-साथ रहने वाले एक संप्रभु और व्यवहार्य फलस्तीनी राष्ट्र के लिए जोर दिया गया।

देशहित से खिलवाड़ करने वाली शक्तियां फिर सक्रिय

अहमदाबाद, एजेंसी

● गुजरात में भाजपा कार्यकर्ताओं से बोले राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को जनता से निहित स्वार्थ में लगी ऐसी ताकतों के प्रति सावधान किया है जो देश की सुरक्षा और जनहित से खिलवाड़ करती हैं। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा का अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार गुजरात के दौरे पर आए नवीन ने यहां कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी निहित स्वार्थी ताकतें देश में पुनः सक्रिय हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ दलों के नेता केवल चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, जबकि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता अपने को पूरी तरह जन सेवा में समर्पित करते हैं और जनता से निरंतर संपर्क में रहते हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा, हमें जनता के साथ इतना सशक्त और जीवंत संबंध स्थापित करना है कि ऐसे अवसरवादी तत्वों के लिए कोई स्थान न बचे। उन्होंने देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा नेता देने के लिए गुजरात की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया जो आज देश और दुनिया का बेहतरी के लिए नेतृत्व कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, गुजरात की धरती के लाल नरेन्द्र मोदी आज देश और विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं, उस पावन भूमि को वह नमन करते हैं। इसी धरती से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अहिंसा का संदेश दिया।

मिसाल: 15 लाख के गहने असली मालिक को लौटाए

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में छह महीने पहले जमा किए गए कबाड़ को छांटते समय कबाड़ व्यापारी हाजी अख्तर खान को करीब 100 ग्राम सोना मिला, जिसे उन्होंने पुलिस की मदद से असली मालिक तक पहुंचाकर ईमानदारी की मिसाल पेश की।

अनजाने में कबाड़ में फेंके गए 15 लाख मूल्य के आभूषणों को पाकर शर्मा परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बल्लभगढ़ के सहायक पुलिस आयुक्त जितेश मल्होत्रा ने शुक्रवार को बताया कि अशोक शर्मा और उनके परिवार ने पिछले साल जनवरी में प्रयागराज कुंभ मेले में जाने से पहले गहनों को चोरी से बचाने के लिए घरेलू कबाड़ से भरी बोरी में छिपा दिया था। कुछ महीनों बाद, उन्होंने कबाड़ बेच दिया और छिपे सोने के बारे में पूरी तरह भूल गए थे।

पुराने मुद्दे छोड़ पांच वर्षीय योजनाओं पर बात करें हिमंत शर्मा

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को राज्य में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री बनने की अपनी कथित संभावना के बारे में 10 साल पुराने मुद्दे को उठाने के बजाय रोजगार, विकास और अगले पांच वर्षों की योजनाओं पर बात करनी चाहिए। प्रियंका ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कथित भ्रष्टाचार, एक परिवार में धन के केंद्रीकरण और राज्य की संपत्तियों को बड़े उद्योगपतियों को सौंपने को लेकर शर्मा पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि असम के लोग यह महसूस कर रहे हैं कि बदलाव का समय आ गया है। शर्मा के हाल के उन दावों के बारे में पूछे जाने पर जिनमें उन्होंने कांग्रेस की ओर से राज्य का मुख्यमंत्री बनने की संभावना जताई थी, प्रियंका ने कहा, राजनीति में कई फैसले लिए जाते हैं। कुछ पक्ष में जाते हैं, कुछ विपक्ष में। हमें इसे स्वीकार करना होगा। अगर वह (शर्मा) अभी भी 10 साल पुराने मुद्दे को उठा रहे हैं तो मैं क्या कहूं।

बाबर के नाम पर धर्मस्थल का नामकरण रोकने की याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

● निलंबित टीएमसी विधायक मुर्शिदाबाद में बनवा रहे हैं बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति

सुप्रीम कोर्ट ने मुगल शासक बाबर या बाबरी मस्जिद के नाम पर किसी भी मस्जिद या धार्मिक संरचना के निर्माण या नामकरण पर रोक लगाने का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ द्वारा याचिका पर विचार करने में अनिच्छा व्यक्त करने के बाद याचिकाकर्ता के वकील ने इसे वापस ले लिया।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर द्वारा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की प्रतिकृति बनाने की घोषणा का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता देश में आक्रांताओं के नाम पर मस्जिदों के निर्माण के खिलाफ है। हुमायूं कबीर ने इस तथ्य के बावजूद मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की घोषणा की थी कि बाबर एक आक्रमणकारी था। कबीर के खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए। पीठ ने याचिका खारिज करने की घोषणा की तो वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। याचिका में केंद्र, राज्यों और अन्य सरकारों को मामले पर विचार का अनुरोध किया गया था।

प्रमाणन रद्द करने संबंधी याचिका पर हाईकोर्ट ने दिया 'द केरल स्टोरी 2' के निर्माता और सीबीएफसी को नोटिस

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने कन्नूर के एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर फिल्म 'द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड' के निर्माताओं, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में अदालत से फिल्म के प्रमाणन को रद्द करने और इसके शीर्षक पर पुनर्विचार सहित संशोधनों का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

● दूसरे राज्यों की घटनाओं पर फिल्म बनाकर भ्रम फैलाने का आरोप

कन्नूर के कन्नवम निवासी श्रीदेव नंबूदरी ने याचिका में सूचना प्रसारण मंत्रालय, सीबीएफसी और निर्माता विपुल अमृतलाल शाह को प्रतिवादी बनाया है। न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस की अध्यक्षता वाली पीठ ने अगली सुनवाई 24 फरवरी को तय की। याचिका में कहा गया है कि सीबीएफसी ने सिनेमाटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत वैधानिक जनादेश का उचित अनुपालन किए बिना फिल्म को प्रमाण पत्र प्रदान किया है। याचिका के अनुसार, फिल्म के टीजर और ट्रेलर में कई राज्यों की महिलाओं से जुड़ी कहानियों को दर्शाया गया है लेकिन सामग्री को 'द केरल स्टोरी' के रूप में ब्रांड किया गया है, साथ ही आतंकवाद, जबरन धर्मांतरण और जनसांख्यिकीय षड्यंत्र की घटनाओं को विशेष रूप से केरल राज्य से जोड़ा गया है।

पहलवान सुशील की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट ने पुलिस से पूछा रुख

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनकर की हत्या के मामले में ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। न्यायमूर्ति अनूप जे भंभानी ने मृतक के परिजनों को भी नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है।

● मृतक सागर धनकर के परिजनों को भी नोटिस जारी कर मांगा जवाब

अदालत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में हाईकोर्ट से सुशील कुमार को दी गई जमानत रद्द कर दी थी। न्यायाधीश ने टिप्पणी की, मुझे लगता है कि आप कुछ ज्यादा ही उम्मीद कर रहे हैं। जब सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है तो आप मुझसे क्या उम्मीद करते हैं। अभियुक्त के वकील ने कहा कि जमानत याचिका पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि सभी सार्वजनिक गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। दिल्ली पुलिस और मृतक के परिजनों के वकीलों ने कहा कि सभी सार्वजनिक गवाहों से पूछताछ अभी बाकी है। कोर्ट ने कहा, अगली सुनवाई से पहले स्थिति रिपोर्ट/विस्तृत जवाब दाखिल किया जाए।

भारत-अमेरिका समझौते के खिलाफ किसान सम्मेलन करेगी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को फैसला किया कि अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के खिलाफ वह अलग-अलग राज्यों में किसान सम्मेलन करेगी, जिनमें किसानों को बताया जाएगा कि इस समझौते का उनकी आजीविका पर नकारात्मक असर पड़ने वाला है। पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें यह फैसला किया गया। इस बैठक में इन राज्यों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक दल के नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि पहला किसान सम्मेलन 24 फरवरी को भोपाल और दूसरा सात मार्च को महाराष्ट्र के यवतमाल में आयोजित किया जाएगा।

समुद्री सुरक्षा | आईओएनएस कॉन्क्लेव ऑफ चीफ्स के नौवें आयोजन में बोले नौसेना प्रमुख

हिंद महासागर भौगोलिक ही नहीं साझा रणनीतिक क्षेत्र

विशाखापट्टनम, एजेंसी

● भारत ने 16 वर्षों बाद आईओएनएस की अध्यक्षता संभाली

नौसेना प्रमुख दिनेश कुमार त्रिपाठी ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि हिंद महासागर केवल एक भौगोलिक रणनीतिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि एक साझा रणनीतिक क्षेत्र है, जिसकी स्थिरता वैश्विक विकास और सामूहिक कल्याण की नींव है भारत ने 16 वर्षों के बाद हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) की अध्यक्षता संभाली है।

नौसेना प्रमुख ने आईओएनएस कॉन्क्लेव ऑफ चीफ्स के नौवें आयोजन में रॉयल थाई नेवी के कमांडर-इन-चीफ पायरोट फुएंगचन से यह जिम्मेदारी ग्रहण की। नौसेना प्रमुख ने कार्यभार संभालने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी को व्यापक रूप से समुद्री सदी और हिंद महासागर की सदी के रूप में माना जा रहा है। एडमिरल त्रिपाठी ने समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के बदलते स्वरूप पर जोर देते हुए कहा कि दुनिया न केवल बहुत सारे खतरों का सामना कर रही है, बल्कि विभिन्न तरीकों में भी मेल हो रहा है। नौसेना प्रमुख ने उल्लेख किया कि उन्नत तकनीकों की बढ़ती उपलब्धता और पहुंच के साथ सरकारी और गैर-सरकारी गतिविधियों के बीच सीमा धुंधली होती जा रही है, समुद्री खतरे अधिक चुनिंदा, परिष्कृत और वैश्विक व्यापार के लिए अधिक विनाशकारी हो रहे हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने रुझानों का जिक्र करते हुए कहा, हमारी हालिया वार्षिक रिपोर्ट ने इस महत्वपूर्ण बदलाव को उजागर किया है। भले ही घटनाओं की संख्या कम हुई हो, लेकिन व्यक्तिगत घटनाओं की गंभीरता और परिणाम बढ़ गए हैं। दूसरे शब्दों में, आज समुद्री क्षेत्र के जोखिमों और चुनौतियों को उनकी संख्या से कम और उनके प्रभाव के दायरे से अधिक पहचाना जाता है।

भारतीय नौसेना सहयोगियों के साथ सुरक्षा में योगदान देने को प्रतिबद्ध

नौसेना प्रमुख ने कहा कि इस दृष्टिकोण को लागू करने के लिए, अध्यक्षता के दौरान मुख्य रूप से कार्यकारी समूहों को मजबूत करने, युद्धाभ्यास बढ़ाने, सूचना साझा करने और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में पेशेवर आदान-प्रदान पर जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि हम रणनीतिक बातचीत को आगे बढ़ाने, महत्वपूर्ण दस्तावेजों को अंतिम रूप देने, ट्रेनिंग के विस्तार और नागरिकों के बीच संपर्क सुधारने की योजना बना रहे हैं। साझा जिम्मेदारी पर जोर देते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, जो महासागर हम साझा करते हैं, वे हमारी नियति को जोड़ते हैं। इस समुद्री क्षेत्र के सामूहिक संरक्षक के रूप में, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम हिंद महासागर को सुरक्षित, खुला और शांतिपूर्ण रखें। उन्होंने दोहराया कि भारतीय नौसेना सुरक्षा में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है और क्षेत्र में सुरक्षा मजबूत करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हर संभव प्रयास करेगी।

राज कुंद्रा को बिटकॉइन मामले में जमानत मिली

मुंबई। यहां की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को कारोबारी राज कुंद्रा को जमानत दे दी। कुंद्रा कथित बिटकॉइन घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में अदालत में पेश हुए थे। धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामलों के विशेष न्यायाधीश आर बी रोटे ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए कुंद्रा को जनवरी में समन जारी किया था। कुंद्रा अदालत के समक्ष पेश हुए और जमानत याचिका दायर की, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। उनके वकील प्रशांत पाटिल ने कहा कि कुंद्रा ने 2021 से ही ईडी की जांच में सहयोग किया था। पाटिल ने बताया कि मामले से संबंधित सभी दस्तावेज पहले से ही जांच एजेंसी के पास थे, इसलिए उनकी हिरासत की जरूरत नहीं थी। अदालत ने आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए कहा था कि गवाहों के बयान और अन्य सबूतों से प्रथम दृष्टया ऐसा दिख रहा है कि कुंद्रा और दुबई स्थित कारोबारी राजेश सतीजा पीएमएलए के तहत दंडनीय अपराध में शामिल थे।

अमृत विचार

शनिवार, 21 फरवरी 2026

पारदर्शी जांच की उम्मीद

महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई असामयिक मृत्यु ने राज्य ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी गहरी संवेदना और सवालों का वातावरण निर्मित किया। किसी भी हाई-प्रोफाइल दुर्घटना के बाद स्वाभाविक रूप से संशय और आशंकाएं जन्म लेती हैं। ऐसे में यक्ष प्रश्न यही है कि क्या दुर्घटना के वास्तविक कारण निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ सामने आ पाएंगे। इस संदर्भ में केंद्र सरकार और नागरिक उड्डयन मंत्रालय का रुख भरोसा जगाने वाला है।

दुर्घटना की जांच का दायित्व 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो' यानी एएआईबी को सौंपा गया है, जो अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन आईसीएओ के मानकों के अनुरूप कार्य करता है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी तरह तकनीकी, साक्ष्य-आधारित और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होगी। यह घोषणा स्वयं इस बात का संकेत है कि सरकार इस मामले को औपचारिक प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि संस्थागत विश्वसनीयता की कसौटी के रूप में देख रही है। तकनीकी स्तर पर हुई प्रगति इस प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर या डीएफडीआर से डेटा सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया गया है। यह डेटा विमान की गति, ऊंचाई, इंजन की स्थिति और पायलट के तकनीकी इनपुट्स का विस्तृत रिकॉर्ड प्रस्तुत करता है। इस आधार पर एएआईबी ने 30 दिनों के भीतर प्रारंभिक जांच रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की है। समयबद्ध रिपोर्टिंग की यह सार्वजनिक प्रतिबद्धता पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा सकती है, हालांकि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर यानी सीवीआर से डेटा निकालने में तकनीकी चुनौतियां सामने आई हैं, विशेषकर दुर्घटना के बाद लगी आग के कारण। इसके बावजूद सरकार ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञों और निर्माता कंपनी की सहायता ली जा रही है, ताकि उपलब्ध प्रत्येक तकनीकी स्रोत का उपयोग किया जा सके। यह दृष्टिकोण इस बात को रेखांकित करता है कि जांच एजेंसियां किसी भी तथ्य को अधूरा छोड़ने के पक्ष में नहीं हैं। इस बीच विपक्ष की ओर से, विशेषकर एनसीपी (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले द्वारा पारदर्शी और औपचारिक जांच की मांग की गई है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी मांगें स्वाभाविक हैं। उल्लेखनीय यह है कि सरकार ने इन आवाज़ों को प्रतिरोध के रूप में नहीं देखा, बल्कि जांच की निष्पक्षता और विधिक प्रक्रिया को दोहराते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इससे यह संकेत मिलता है कि इस मामले को राजनीतिक विवाद के बजाय सार्वजनिक विश्वास के प्रश्न के रूप में लिया जा रहा है। सरकार द्वारा संबंधित विमानन संचालन और रख-रखाव प्रक्रियाओं की समीक्षा तथा आवश्यक ऑडिट की पहल भी की गई है।

कुल मिलाकर अजित पवार विमान दुर्घटना की जांच तकनीकी संस्थाओं की क्षमता और सरकार की नीयत दोनों की परीक्षा है। अब तक के संकेत, डेटा रिकवरी, समयबद्ध रिपोर्ट की घोषणा और विशेषज्ञ सहयोग, यह दर्शाते हैं कि प्रक्रिया को गंभीरता और विधिक अनुशासन के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। यह जांच न केवल सत्य को सामने लाएगी, बल्कि सार्वजनिक विश्वास को भी सुदृढ़ करेगी।

प्रसंगवश

इतिहास के गर्त में समाती मातृभाषाएं

दुनिया भर में अंग्रेजी भाषा के पसरते पांव और मिल रहे संरक्षण ने विश्व में बोली जाने वाली उन सैकड़ों लोक भाषाओं के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है, जो सदियों से बोली जाती रही हैं। इस परिप्रेक्ष्य में चौकानें वाला तथ्य यह है कि विलुप्त हो रही भाषाओं में भारत के तकरीबन 196 भाषाओं का अस्तित्व भी खतरे में है। गत वर्ष पहले 'भाषा रिसर्च एंड पब्लिकेशन सेंटर' द्वारा किए गए 'भारतीय भाषाओं के लोक संरक्षण' की रिपोर्ट से उजागर हुआ था कि विगत 50 वर्षों में भारत में बोली जाने वाली 850 भाषाओं में तकरीबन 250 भाषाएं विलुप्त हो चुकी हैं। इनमें भी 130 से अधिक भाषाओं का अस्तित्व तो पूरी तरह खतरे में है। इस शोध के मुताबिक असम की 55, ओडिसा की 47, त्रिपुरा की 10, महाराष्ट्र एवं गुजरात की 50, मेघालय की 31, मणिपुर की 28, नागालैंड की 17 और त्रिपुरा की 10 भाषाएं मरने यानी खत्म होने के कगार पर हैं। इन्हें बोलने वालों की संख्या लगातार घट रही है। उदाहरण के तौर पर सिक्किम में माझी बोलने वालों की संख्या सिर्फ चार रह गई है। इसी तरह कई अन्य लोक भाषाओं के बोलने वालों की तादाद ऊंगली पर है।

अरविंद जयतिलक

लेखक

गौर करें तो यह लोक भाषाओं के अस्तित्व के लिए गंभीर चुनौती है। चूंकि भारत भाषायी विविधता से समृद्ध देश है और लोक भाषाएं लोक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती हैं, ऐसे में उनका संरक्षण और भी अधिक जरूरी हो जाता है, लेकिन विडंबना है कि भाषाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ने के बजाए उदासीनता ज्यादा है। गौर करें तो भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर भी लोक भाषाएं तेजी से विलुप्त हो रही हैं। गत वर्ष पहले मैक्सिको की पुरानतम भाषाओं में से एक अयापनेको के विलुप्त होने की खबर अच्छी खासी चर्चा में रही, इसलिए कि अयापनेको भाषा को जानने और बोलने वाले लोगों की संख्या विश्व में महज दो रह गई है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इन शेष दो लोगों ने भी ठान लिया है कि वह आपस में इस भाषा के जरिए वार्तालाप नहीं करेंगे। मतलब साफ है कि अयापनेको भाषा का अस्तित्व मिटने जा रहा है।

विश्व की हर भाषा की अपनी ऐतिहासिकता और गरिमा होती है। प्रत्येक समाज अपनी भाषा पर गर्व करता है। अयापनेको भाषा की भी अपना एक विलक्षण इतिहास रहा है। इस भाषा को मैक्सिको पर स्पेनिश विजय का गवाह माना जाता है, लेकिन विडंबना है कि जिस अयापनेको भाषा को युद्ध, क्रांतियां, सूखा और बाढ़ लील नहीं पाया वह आज अपने ही लोगों की संवेदनहीनता के कारण अस्तित्व के दौर से गुजरने को मजबूर है। इन सबके बीच सुखद बात यह है कि इंडियाना विश्वविद्यालय के भाषायी नृविज्ञानी अयापनेको भाषा का शब्दकोष बनाकर उसे विलुप्त होने से बचाने की जुगत कर रहे हैं। पर देखा जाए तो भाषाओं के विलुप्त होने की समस्या सिर्फ अयापनेको तक ही सीमित नहीं है। विश्व के तमाम देशों में बोली जाने वाली अन्य स्थानीय भाषाएं भी दम तोड़ रही हैं।

दुनियाभर में तकरीबन 6900 भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से 2500 से अधिक भाषाओं के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। नतीजा इन्हें 'भाषाओं की चिंताजनक स्थिति वाली भाषाओं की सूची' में रखने के लिए मजबूर होना पड़ा है। गत वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा कराए गए एक तुलनात्मक अध्ययन से खुलासा हुआ कि 2001 में विलुप्तप्रायः भाषाओं की संख्या जो 900 के आसपास थी, वह आज बढ़कर तीन गुना के पार पहुंच चुकी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> नरक क्या है? मेरा मानना है कि यह प्रेम करने में असमर्थ होने का दुख है।
> –**फ्योदोर दोस्तोवस्की**, रूसी साहित्यकार

प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

डॉ. प्रियंका सौरभ

लेखिका

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे एक गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं।

पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर 'शिक्षा तक पहुंच बढ़ने' और 'जनसांख्यिकीय लाभ' के रूप में प्रस्तुत किया गया, लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ, तो इसकी क़ीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी, पर गुणवत्ता गिरती चली गई।

आज देश के अधिकांश (हालांकि सभी नही) निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लेन-देन बनती जा रही है। पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है।

यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है, जहां कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियां प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य, जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था, अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियां तो दी जा रही हैं, लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही।

इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं, जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएं नहीं समझा पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं, बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियां हैं। स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता, तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोज़गार क्यों है? रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है, लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार-योग्य ही नहीं हैं।

यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है, तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियां उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बांटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढांचे में मिलता है। भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है।

मान्यता प्रणालियां, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे, लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएं अक्सर वास्तविक मूल्यांकन के बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं। निरीक्षण प्रायः पूर्व-निर्धारित होते हैं। दस्तावेज़ औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढांचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति, इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को 'मैनेज' करना सीख लेते हैं।

इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है। संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियां लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की क़ीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है। विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोज़गारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है, जहां प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियां नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी ख़र्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाख़िला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं, लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज़्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा विवाद की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे एक गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है।

आमने सामने

रमजान के नाम पर बेवजह लाउडस्पीकर बजाकर बच्चों की पढ़ाई और बीमार लोगों की सेहत से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों और सरकारों की ओर से बनाए गए कानून का पालन करना चाहिए। मुझे अजान से दिक्कत नहीं है।

–**बालमुकुंद आचार्य**
बीजेपी विधायक, राजस्थान

बीजेपी विधायक खुद ही एक लाउडस्पीकर हैं, जो हमेशा नफरती बोल बोलते रहते हैं। इन्हें दूसरों से क्या परेशानी होगी, ये तो खुद सड़क से लेकर विधानसभा सदन तक लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। आचार्य बीजेपी की ही भाषा बोल रहे हैं।

–**घनश्याम महर**
कांग्रेस विधायक
राजस्थान

राज्यों के चुनाव और भाजपा की स्थिति

डॉ. विकास शुक्ला

चिकित्सक

इस साल केरल, असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भाजपा की सरकार है तो पुडुचेरी में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए सत्ता में है। भाजपा इन राज्यों की सत्ता में पुनः वापसी करने की भरपूर कोशिश कर रही है, तो पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के हाथों से सत्ता छीन कर वहां पहली बार सरकार बनाने का सपना संजोए हुए है। पार्टी को उम्मीद है कि वह केरल और तमिलनाडु में मजबूत स्थिति में उभरेगी। इन राज्यों के चुनाव भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के लिए भी चुनौती हैं, क्योंकि उनकी ताजपोशी के बाद पहला चुनाव होने जा रहा है। इन चुनावों में उनके रणनीतिक कौशल का भी प्रदर्शन होगा।

बिहार में मिली अभूतपूर्व सफलता से भाजपा उत्साहित है। पार्टी के रणनीतिकारों को लगता है कि इस बार वे पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज हो जाएंगे। माना जा रहा है कि बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से बाहर हुए हैं। पार्टी वहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मुस्लिम तुष्टीकरण के आरोप भी लगाती रही है। इसी को मुद्दा बनाकर भाजपा ने वहां मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करने के प्रयास शुरू किए हैं।

तृणमूल कांग्रेस को लगता है कि वह जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर पुनः सत्ता पा लेगी, हालांकि वहां भाजपा की निगाहें अभी कांग्रेस और वामपंथी दलों के कदम पर टिकी हुई हैं। कांग्रेस अभी ममता बनर्जी के साथ भी गठजोड़ करने को आतुर दिख रही है, लेकिन अभी उसे कोई भाव नहीं मिला है। कांग्रेस चाहेगी कि इस चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराए, पर यह तभी संभव है, जब उसका वामपंथी दलों या ममता की पार्टी के साथ गठजोड़ हो।

भाजपा को भी पार्टी के आतंरिक कलह को खत्म करना होगा। ऐसे कई वरिष्ठ नेता हैं, जो नाराज हैं। उन्हें लगता है कि दूसरे दलों से आए नेताओं को भाव ज्यादा मिल रहा है और उन्हें किनारे किया जा रहा है। इसका लाभ ममता बनर्जी को पिछले चुनाव में मिला था। आतंरिक कलह खत्म हो, इसके लिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रणनीतिकार पूरी शिद्दत से काम कर रहे हैं। यह आंतरिक कलह ही बड़ी चुनौती है। 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटें जीतीं थीं, जबकि भाजपा को 77 सीटों से संतोष करना पड़ा था। भाजपा यहां कांग्रेस के मतदाताओं पर भी निगाह लगाए हुए है।

बात अगर असम की करें, तो यहां की सत्ता में भाजपा की तीसरी बार वापसी हो सकती है। मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सर्मा के आक्रामक हिंदुत्व वाले दांव से विरोधी परेशान हैं। 2021 में 75 सीटें जीतने वाले बीजेपी गठबंधन को इस बार और अधिक सीटें मिलने की उम्मीद है। यहां पार्टी एकजुट नजर आती है, लेकिन कांग्रेस को लगता है कि वह सत्ता विरोधी लहर का लाभ उठा सकती है, इसीलिए वहां प्रियंका गांधी और राहुल गांधी अभी से सक्रिय हो गए हैं। कांग्रेस यहां गौरव गोगोई के नेतृत्व में चुनाव लड़ने को तैयार है, तो हिमंता लगातार गौरव गोगोई को भारत विरोधी सिद्ध करने में लगे हुए हैं।

मुस्लिम वोटों के दम पर वहां मजबूती से डटी एआईयूडीएफ अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाकर भाजपा को घेर रही है। भाजपा को लगता है कि यह मुद्दा जितना दमदारी से उठेगा, उसे सत्ता वापसी करने में उतनी ही आसानी होगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन जल्द ही इस राज्य का दौरा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के कई दौरे यहां हो चुके हैं।

तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके की सरकार है। भाजपा यहां अन्नाद्रमुक के साथ उन्हें सत्ता से हटाने के लिए लड़ रही है। डीएमके का कांग्रेस से गठजोड़ है। उम्मीद लगाई जा रही है कि यह गठबंधन टूट जाएगा। यदि ऐसा होता है, तो भाजपा और अन्नाद्रमुक के लिए बड़ा फायदा होगा। यहां बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। इस मुद्दे को भाजपा और उसके सहयोगी दल उभार रहे हैं, तो सबसे बड़ी चुनौती अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके भी पेश कर रही है। कांग्रेस इस चुनाव में अभिनेता विजय के साथ मैदान में उतरना चाहती है। यहां भाजपा हिंदुत्व के मुद्दे को उभार रही है।

केरल में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सत्ता में है। इस फ्रंट ने 2021 में 99 सीटें जीतीं थीं। यहां मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन बड़ी चुनौती है, लेकिन भाजपा मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में जुटी है। यहां भी भाजपा हिंदुत्व के सहारे है, तो पुडुचेरी में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के मुखिया एन. रंगासामी मुख्यमंत्री हैं। भाजपा को यहां यकीन है कि वह पुनः सत्ता में वापसी करेगी, हालांकि इस राज्य में मुद्दा हिंदुत्व नहीं, बल्कि विकास का है और इसी मुद्दे पर भाजपा और उसके सहयोगी दल मैदान में हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> इस साल होने वाले पश्चिम बंगाल के चुनाव में बीजेपी जीत का परचम लहराना चाहती है, लेकिन यहां पार्टी का अंतर्कलह उसके लिए सर दर्द है।

सोशल फोरम

फागुन पूर्णिमा का बसंतोत्सव

फागुन का महीना हिंदी भाषी प्रदेशों में होली की मस्ती लेकर आता है। ठंड की विदाई की घोषणा होली के दिन के साथ ही मानी जाती है। रंगों और फूलों के इस मौसम से भला गुरुदेव रवींद्रनाथ का स्वप्न-संसार शांति निकेतन कैसे अछूता रहता। स्वयं गुरुदेव ने बसंत का स्वागत करने के लिए आश्रम के निवासियों के लिए बसंतोत्सव का आरंभ किया। हर साल यह फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

सुधा सिंह

शिक्षाविद्

गुरुदेव ने अपने संस्मरण में लिखा है, 'शांति निकेतन आकर ही मैं अपने जीवन में पहले पहल विश्व-प्रकृति के बीच उन्मुक्त हो सका था।' शांति निकेतन में प्रकृति अपने स्वच्छंद रूप में दिखती है, लेकिन यह उन्मुक्तता यहां अपने संपूर्ण रूप में बसंतोत्सव के दिन मुखरित दिखाई देती है।

बसंतोत्सव की प्रतीक्षा अन्य सभी आश्रमवासियों की तरह मुझे भी होती थी। इस समय सारा वातावरण ही तरह-तरह के फूलों और पत्तों से मह-मह करता है। मेरे अत्यंत पुराने और उसी अनुपात जर्जर दो तल्ले के घर, जिसका नाम 'प्राक्तनी' था, के सामने एक बहुत बड़ा बागान था। इसमें कई तरह के पेड़-पौधे लगे हुए थे- आम, शरीफा, बेर, अमरूद, जामुन आदि के पेड़ तथा रातरानी, छातिम, कचनार, रक्तजवा आदि फूलों के पौधे थे।

प्रवेशद्वार पर लोहे के फाटक के ठीक दोनों तरफ दो पलाश के बड़े-बड़े पेड़ थे, जो फागुन के महीने में लाल-लाल दहक कर पूरे परिवेश पर अपना वर्चस्व क़ायम कर लेते थे। सड़क के उस पार ठीक सामने उतने ही बड़े बागान के बीच बना छोटा-सा सादा और सुंदर अमृता सेन (अमर्त्य सेन की मां) का घर 'प्रतीची' है।

बसंतोत्सव की उद्घोषणा के पंद्रह-बीस रोज पहले से मेरे घर के लोहे के फाटक के दोनों ओर लगे इस पेड़ की पहरेदारी जैसी करनी पड़ती थी। सारे प्रयत्नों के बाद भी दोल या बसंतोत्सव के दिन सुबह-सुबह उठने पर एक ही नजारा हुआ करता था, बेचारे पलाश वृंतच्युत हो चुके होते थे। नंगी डालियां और जमीन पर नुचे-गिरे कुछ पलाश के फूल अमूमन यही दृश्य होता था। ऐसा इसलिए होता था कि कालिदास की शकुंतला की तरह या पुरा-मिथकों की अप्सराओं-किन्नरियों की तरह रूपसी शांति निकेतनी बालाओं का साज-सिंगार बसंतोत्सव के दिन लाल पलाश के फूल ही होते थे। उनकी बासंती रंग की साड़ी और शांति निकेतनी उत्तरीय के साथ हाथ, गले, कान और केश-सभी में गहनों का स्थानापन्न पलाश के फूल बनते थे। इस कारण बाजार में इनकी मांग बढ़ जाती थी। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

कदम-कदम पर पहचान के लिए लड़ती स्त्री

हर शाम जब वह अपने दफ़्तर से लौटकर घर का दरवाज़ा खोलती है, तो केवल ताला नहीं खुलता, बल्कि समाज की संदेहभरी निगाहें भी उसके साथ भीतर प्रवेश कर जाती हैं। वह शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरी एक आधुनिक महिला है, जो अपनी गाड़ी स्वयं चलाती है। किताबों में सुकून तलाशती है और अपने सपनों की दुनिया खुद गढ़ती है, लेकिन समाज की नजर में उसकी यह सफलता सम्मान का कारण नहीं बनती, बल्कि उसे 'समस्या' का रूप दे देती है। आज लाखों महिलाएं अविवाहित, तलाकशुदा या विधवा होकर आत्मसम्मान से जी रही हैं, फिर भी उन्हें अधूरा मान लिया जाता है। मानो विवाह ही स्त्री के अस्तित्व की अंतिम स्वीकृति हो। यही सीमित सोच उन्हें सराहना के बजाय संदेह और सवालों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

यह मानसिकता अचानक उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि सदियों पुरानी परंपराओं की गहराइयों से निकली है। समाज ने स्त्री को सदैव किसी न किसी पुरुष की छाया में देखने की आदत बना ली है। पिता, पति और पुत्र, इन्हीं के माध्यम से उसके जीवन की पहचान तय कर दी गई। आज भी अनेक परिवार विवाह को ही स्त्री की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार शहरो में अविवाहित महिलाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है, फिर भी सामाजिक सोच अब तक पिछड़ेपन से मुक्त ी हो सकी है। स्वतंत्र और आत्मनिर्भर महिला को व्यवस्था के लिए खतरा माना जाता है, क्योंकि वह पारंपरिक सत्ता संरचना को चुनौती देती है और स्थापित मान्यताओं को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा कर देती है।

कृति जैन

लेखिका

इस भय का सबसे गहरा प्रभाव महिलाओं के रोज़मर्रा के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मकान मालिक उन्हें किराए पर घर देने से हिचकिचाते हैं, पड़ोसी कानाफूसी करते हैं और रिश्तेदार बार-बार विवाह की याद दिलाकर मानसिक दबाव बढ़ाते हैं। कार्यस्थल पर भी उन्हें अलग दृष्टि से देखा जाता है, मानो उनकी योग्यता नहीं, बल्कि उनका वैवाहिक दर्जा ही उनकी पहचान हो। पुरुषों का अविवाहित रहना सामान्य माना जाता है, किंतु किसी महिला का अकेले रहना उसके चरित्र पर प्रश्नचिह्न लगा देता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां अविवाहित या विधवा महिलाओं को सामाजिक बहिष्कार और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। यह दोहरा मापदंड धीरे-धीरे महिलाओं की आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति को कमजोर करने का माध्यम बन जाता है।

अकेली महिलाओं की कठिनाइयां केवल सामाजिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संस्थागत ढांचों में भी गहराई से समाई हुई हैं। संपत्ति अधिकार, बैंक ऋण, बीमा योजनाएं और अनेक सरकारी सुविधाएं आज भी विवाहितों को प्राथमिकता देती हैं। व्यवस्था अब तक यही मानकर चलती है कि महिला का जीवन किसी पुरुष के सहारे ही पूर्ण होता है। जब वह अपने बल पर आगे बढ़ती है, तो उसे अपवाद की तरह देखा जाता है। यह मानसिकता वास्तव में पितृसत्ता की असुरक्षा को उजागर करती है। पुरुष-प्रधान व्यवस्था को भय है कि यदि महिलाएं बिना किसी सहारे के सफल हो गईं, तो नियंत्रण और प्रभुत्व की दीवारें स्वतः ढह जाएंगी। इसी कारण अविवाहित रहना आज केवल निजी पसंद नहीं, बल्कि एक सशक्त सामाजिक विद्रोह बन चुका है। जब कोई महिला स्पष्ट कहती है कि उसे अभी या कभी विवाह नहीं करना, तो वह परंपराओं को सीधी चुनौती देती है। वह यह सिद्ध करती है कि पहचान केवल पत्नी या मां बनकर ही नहीं बनती। यह विद्रोह दहेज, घरेलू हिंसा और भावनात्मक शोषण जैसी कुरीतियों के विरुद्ध भी आवाज़ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

समुद्र का सौंदर्यपूर्ण संगम
मुरुदेश्वर

मुरुदेश्वर कर्नाटक राज्य में अरब सागर के किनारे स्थित भटकल नगर से 13 किमी दूर स्थित उत्तर कन्नड़ जिले का एक धार्मिक और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध नगर है। यहां विश्व की दूसरी सबसे बड़ी 123 फिट ऊंची भगवान शिव की मूर्ति स्थापित है। इसे अरब सागर में बहुत दूर से देखा जा सकता है। इस मूर्ति को इस तरह बनाया गया है कि सूरज की किरणें पड़ने से यह चमकती रहे। इसे बनाने में दो साल लगे थे और शिवमोग्गा के काशीनाथ और अन्य मूर्तिकारों ने बनाया था।

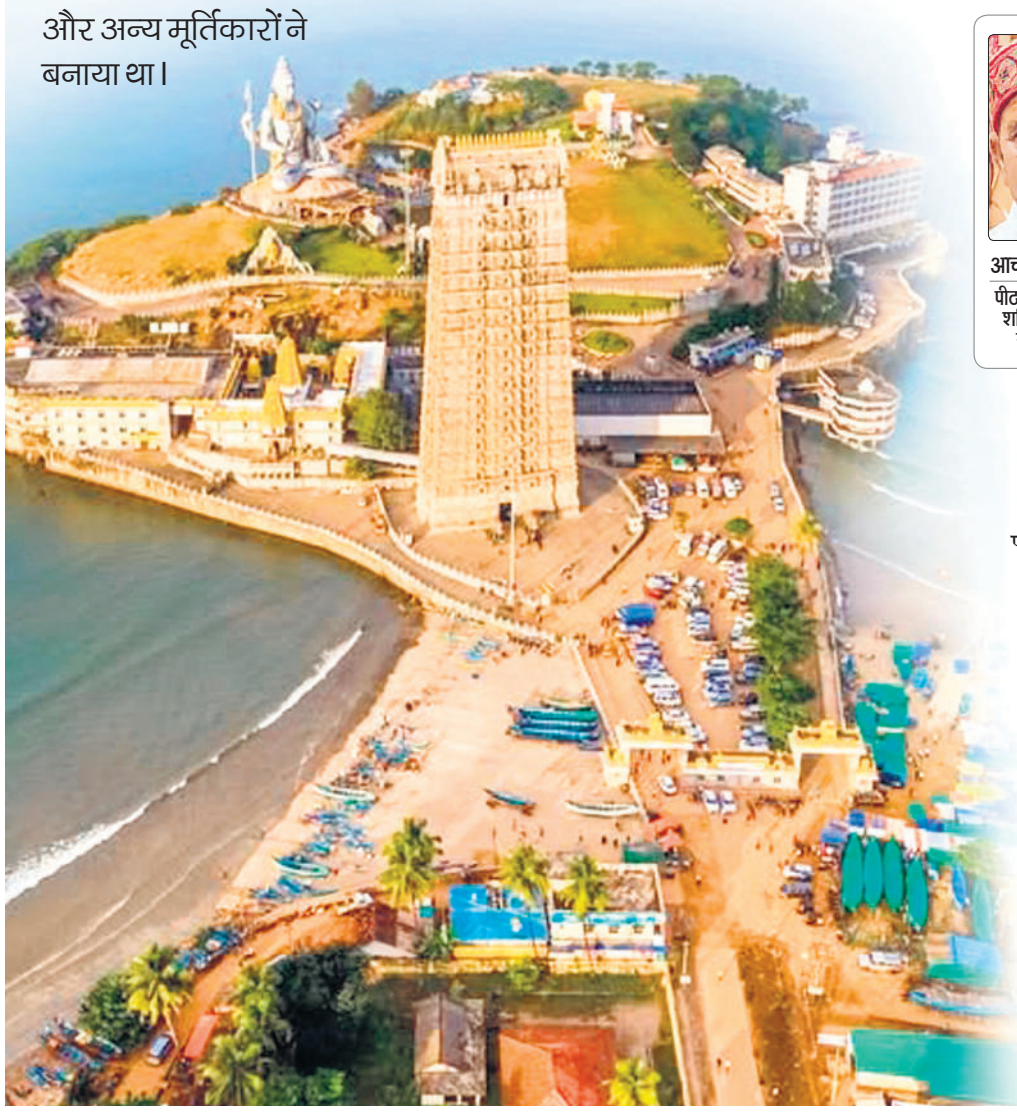

आचार्य अमरेश मिश्र
पीठाधीश्वर शकुंतला शक्ति पीठ विकास नगर, कानपुर

बेंगलुरु से मुरुदेश्वर पहुंचने के लिए हमने ट्रेन का चुनाव किया। रोज शाम 6.50 बजे बेंगलुरु से चलने वाली पंचगंगा एक्सप्रेस दूसरे दिन सुबह छह बजे मुरुदेश्वर पहुंचा देती है। मंदिर स्टेशन के पास ही स्थित है, लेकिन हमने पहले होटल पहुंचने का निश्चय किया। मुरुदेश्वर का सागरतट काफी खूबसूरत माना जाता है। पर्यटकों को यहां धार्मिक स्थल के साथ प्राकृतिक सुंदरता का आनंद भी मिलता है। कंदुका पहाड़ी पर, तीन ओर से पानी से घिरा मुरुदेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यहां भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है। यहां का राजा गोपुरा या राज गोपुरम विश्व में सब से ऊंचा गोपुरा माना जाता है। यह 20 मंजिल के बराबर करीब 249 फीट ऊंचा है। इस विशाल मीनार जैसे गोपुरम में लिफ्ट लगी है, जिसके ऊपर से अरब सागर और भगवान शिव की प्रतिमा का अद्भुत नजारा नजर आता है। इस गोपुरम को एक स्थानीय व्यवसायी ने बनवाया था। द्वार पर दोनों तरफ सजीव हाथी के बराबर ऊंची हाथी की मूर्तियां बनी हैं। मंदिर में दर्शन के लिए जींस-टीशर्ट की मनाही है। मुरुदेश्वर मंदिर हिंदू स्थापत्य शैली (द्रविड़ शैली) में बना है, जिसमें चालुक्य और काम्बा राजवंश की मूर्तिकला-शैली और ग्रेनाइट निर्माण देखने योग्य है। यहां अब पर्यटकों की बढ़ती संख्या देखते हुए स्कूबा डाइवंग और वॉटर स्पोर्टस के भी इंतजाम किए गए हैं।

पौराणिक कथा

मुरुदेश्वर मंदिर में भगवान शिव का आत्मलिंग स्थापित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, रावण ने अमरता का वरदान पाने के लिए भगवान शिव की कठिन तपस्या की। इससे प्रसन्न भगवान शिव ने उसे एक शिवलिंग दिया, जिसे 'आत्मलिंग' कहा जाता है। शिव ने कहा कि अगर तुम अमर होना चाहते हो, तो इसे लंका ले जाकर स्थापित कर देना, लेकिन एक बात ध्यान रखना कि इसे जिस स्थान पर रख दोगे, ये वहीं स्थापित हो जाएगा। रावण के अजेय होकर पृथ्वी को नष्ट करने की आशंका से भयभीत होकर नारद तुरंत गणेश जी के पास पहुंचे और एक योजना बनी। रावण संध्याकाल में विशेष उपासना करता था। जब वह गोकर्ण के पास था, तब भगवान विष्णु ने अपनी शक्ति से संध्याकाल का भ्रम उत्पन्न किया। गणेश जी ब्राह्मण बालक के रूप में रावण के सामने पहुंचे। रावण ने उनसे प्रार्थना समाप्त होने तक आत्मलिंग को थामे रखने का अनुरोध किया, लेकिन गणेश जी ने आत्मलिंग को धरती पर रख दिया। इसी बीच विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र हटा लिया, जिससे रावण ने सूर्य का प्रकाश देखा और खुद को ठगा हुआ महसूस किया। उसने आत्मलिंग को हटाने का बहुत प्रयास किया पर वह स्थापित हो चुका था।

पास ही में घूम सकते हैं फोर्ट

मुरुदेश्वर मंदिर के बाद मुरुदेश्वर फोर्ट घूमने जा सकते हैं। मंदिर के पास होने के कारण बड़ी संख्या में सैलानी यहां जाते हैं। इस फोर्ट के ऊपर से सामने सिर्फ नीले रंग का पानी ही पानी दिखाई देता है। इस फोर्ट का इतिहास विजयनगर साम्राज्य के राजाओं से जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि टीपू सुल्तान के बाद किसी ने भी मुरुदेश्वर फोर्ट का जीर्णोद्धार नहीं कराया। फोर्ट का कुछ हिस्सा अब खंडहर में तब्दील हो चुका है।

कैसे पहुंचें

मुरुदेश्वर से मंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 165 किलोमीटर दूर स्थित है। हवाई अड्डे से टैक्सी या बस से मुरुदेश्वर जा सकते हैं। रास्ते में हरे-भरे वातावरण और तटीय परिदृश्यों के मनोरम दृश्य देखने को मिलते हैं। मुरुदेश्वर में रेलवे स्टेशन भी है, जो मंगलुरु, बेंगलुरु और मुंबई से जुड़ा है। रेलवे स्टेशन से ऑटो-रिक्शा से मंदिर पहुंच सकते हैं। मुरुदेश्वर के लिए मंगलुरु, उडुपी और बेंगलुरु जैसे शहरों से नियमित बस सेवाएं

उपलब्ध हैं। कार से यात्रा करने पर एनएच-66 से सफर करते हुए अरब सागर के किनारे मनोरम दृश्यों का आनंद उठा सकते हैं।

जॉब का पहला दिन

जब सपना बना सकारात्मक परिवर्तन का संकल्प

कृष्ण कुमार मिश्र
प्रधानाचार्य, अयोध्या

मेरा बचपन से ही शिक्षक बनने का सपना था। विद्यालय के दिनों में जब मैं अपने गुरुओं को श्रद्धा और सम्मान के साथ देखता, तो मन में यही आकांक्षा जन्म लेती कि एक दिन मैं भी ज्ञान का दीप प्रज्वलित करूंगा। वह स्वप्न 4 जुलाई 1994 को साकार हुआ, जब मैंने अपने शिक्षकीय जीवन की पहली पारी शुरू की। वह दिन आज भी स्मृतियों में उसी ताजगी के साथ अंकित है।

पहले दिन मैं ऊर्जा, उत्साह और हल्की-सी घबराहट के मिश्रित भावों से भरा विद्यालय पहुंचा। परिसर में प्रवेश करते ही बच्चों की चहचहाहट और प्रार्थना की धुन ने मन को अद्भुत सुकून दिया। प्रार्थना सभा में जब मेरा परिचय समस्त विद्यार्थियों और शिक्षकों से कराया गया, तो हृदय गर्व से भर उठा। उसी क्षण मुझे कक्षा अध्यापक का दायित्व भी सौंपा गया। यह विश्वास मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ उत्तरदायित्व का संकेत था।

सभा के उपरांत शिक्षा अधिकारी श्री जीपी वंतू ने मुझे अपने कक्ष में बुलाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए मेरी शक्तियों और कमजोरियों के बारे में पूछा। मैंने निस्संकोच कहा कि अनुशासन और नैतिक मूल्यों के प्रति मेरी दृढ़ आस्था मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। साथ ही स्वीकार किया कि कभी-कभी शीघ्र क्रोध आ जाना मेरी कमजोरी रही है, पर मैं स्वयं को निरंतर सुधारने का प्रयास करता रहूंगा। मेरी स्पष्टवादिता से वे संतुष्ट दिखे और मुझे शुभकामनाएं दीं। पहली बार जब मैं

अपनी कक्षा में पहुंचा, तो उत्सुक निगाहें मुझे देख रही थीं। मैंने औपचारिकता छोड़कर संवाद का रास्ता चुना। बच्चों से उनके सपनों, रुचियों और खेलकूद के बारे में बात की। खेल मेरा प्रिय क्षेत्र रहा है और इसी माध्यम से विद्यार्थियों से आत्मीय संबंध स्थापित करने की शुरुआत हुई। मुझे लगा कि शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों के संवर्धन से भी गहराई से जुड़ा है। उस दिन घर लौटते समय मन में संतोष और संकल्प दोनों थे।

संतोष इस बात का कि मेरा स्वप्न साकार हुआ और संकल्प इस बात का कि मैं अपने विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का कारण बनूंगा। रात को देर तक मैं उसी दिन की घटनाओं को याद करता रहा और भविष्य की योजनाएं बनाता रहा। सचमुच, वह पहला दिन मेरे जीवन की दिशा तय करने वाला अविस्मरणीय अध्याय बन गया।

बैगपाइप: पहाड़ों की सांसों में बसा सुर

आप पहाड़ की शांत सुरम्य वादियों में हों और दूर कहीं कोई छोटा सा गांव बसा हो। अचानक वहां से सुरीली सी स्वर लहरियां आकर हवा में बिखरने लगें, तो सोचिए कितना सुंदर अनुभव होगा। ऐसा ही अनुभव होता है बैगपाइप को सुनकर यानी हमारी भाषा में मशक बीन या जिसे बीन बाजा भी कहते हैं। मशक बीन जैसे ही अपने स्वर बिखेरती है, तो पहाड़ जीवंत होने लगते हैं, पत्ता-पत्ता मुस्कराने लगता है और फूलों में निखार आ जाता है। अंग्रेज भारत आए और अपने साथ ग्रेट ब्रिटेन के उत्तरी भाग में स्थित स्कॉटलैंड का वाद्य यंत्र बैगपाइप भी साथ लाए। फिर ब्रिटिश आर्मी के बैंड में इसे इस्तेमाल किया गया। आर्मी में शामिल भारतीय सैनिकों को भी इसे सीखने का अवसर मिला।

अमृता पांडे
स्वतंत्र लेखिका, हल्द्वानी

प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भी भारतीय सैनिकों ने इसका खूब अभ्यास किया। यह बैगपाइप भारत का खासकर कुमाऊं और गढ़वाल का होकर रह गया, शायद इसलिए कि स्कॉटलैंड की आबोहवा और प्रकृति उत्तराखंड के सुरम्य वातावरण से काफी हद तक मेल खाती है। संगीत यूं भी भौगोलिक सीमाओं और सात समंदर की दूरियों को नहीं जानता। हमारे लोक संगीत के साथ इसका अटूट नाता बन गया। मशक बीन का साथ मिला, तो लोकगीतों की ध्वनि मशक बीन के माध्यम से निकालने लगी। यह इतना लोकप्रिय हुआ कि इसने यहां के कई परंपरागत वाद्य यंत्रों को पीछे छोड़ दिया। इसे मशक बीन का नाम दिया गया।

मशक यानी पानी की थैली। बचपन में मैदानी क्षेत्रों में भिश्ती को मशक लेकर नालियों को साफ करते देखा था। इस यंत्र की थैली भी बिल्कुल वैसी ही होती हैं। भिश्ती शब्द फारसी शब्द से लिया गया है। पुराने समय में मशक में पानी लेकर युद्ध क्षेत्र में सैनिकों को पानी पिलाकर सेवा करना भिश्ती का ही काम होता था। पांच पाइपों वाला यह एक वायु वाद्य है, जिसे बांसुरी या शहनाई जैसे अन्य वाद्य यंत्रों की तरह ही फूंक मारकर बजाया जाता है। इटली, फ्रांस, इंग्लैंड से होता हुआ यह एशिया की सैर करने आ पहुंचा।

कई पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल में भी लोकप्रिय हो गया और पाकिस्तान के सियालकोट और भारत के जालंधर शहर में बनाया जाने लगा। बैगपाइप यानी मशक बीन में चमड़े की थैली में चार छेद होते हैं, जिनमें से एक पाइप नीचे की तरफ और तीन ऊपर की तरफ लगे होते हैं। एक पाइप बैग से जुड़ा रहता है, जिसमें वादक फूंक मारता है और दूसरे पाइप को अपनी उंगलियों से नियंत्रित करता है और ऊपर की तरफ निकलने वाले तीन पाइप जो कंधे पर टिकाए गए होते हैं, उनके माध्यम से सुरीले स्वर निकलते हैं।

बैगपाइप का जिक्र आने पर सबसे पहले स्कॉटलैंड का ग्रेट हाइलैंड बैगपाइप का ही ध्यान आता है, क्योंकि 15 वीं शताब्दी से ही यह वहां के कबीले की संस्कृति में शामिल था। इसकी शुरुआत अक्सर ग्रामीण जीवन के साथ जोड़कर देखी जाती है। ऊब और थकान से बचने के लिए चरवाहे जानवर चराते समय इसे बजाकर मनोरंजन किया करते थे। इसे बनाने के लिए मरे हुए जानवरों का चमड़ा और बांस भी उन्हें जंगल और चारागाह में आसानी से उपलब्ध हो जाता होगा। समय के साथ-साथ इसे मशाल इंस्ट्रूमेंट के तौर पर विकसित किया गया।

आज के समय में दुनियाभर में लकड़ी और ब्रास से बनाए गए सौ से ज्यादा तरह के बैगपाइप प्रचलन में हैं। पारंपरिक रूप में यह बकरी या भेड़ की खाल को सुखाकर बनाया जाता है और इसमें इस्तेमाल किए जाने वाले पाइप, जिन्हें चेंटर भी कहते हैं, बांसुरी की ही तरह बांस के होते हैं। 1947 में अंग्रेज चले गए पर मशक बीन भारतीय सैनिकों के दिलों दिमाग में रच बस गया। धीरे-धीरे न जाने कैसे यह हमारे संस्कृतिक समारोहों और वैवाहिक उत्सवों में शरीक हो गया। यह भारतीय सेना का भी अनिवार्य हिस्सा बन गया।

कुमाऊं रेजीमेंट के अभ्यास और कार्यक्रम के दौरान मशक बीन के सुरीले स्वर वातावरण में मिठास खोल देते हैं। चाहे रानीखेत का सोमनाथ ग्राउंड हो या अल्मोड़ा का कैंट एरिया। पूर्व सैनिक तो इस पर स्कॉटिश धुन बजाने में भी माहिर हैं। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राजपथ में होने वाले आयोजन में, जिसमें देसी-विदेशी मेहमानों की उपस्थिति में विशेष परिधान में सजी-धजी सेना की टुकड़ियां इस वाद्य यंत्र के साथ धुन निकालते हुए कदमताल करती हैं। यह धुन इतनी असरकारी है कि पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज जाता है। इसी तरह सार्वजनिक उत्सवों में अगर ढोल-दमाऊ के साथ मशक बीन की संगत न हो, तो रंगत फीकी सी लगती है। बेडू पाको बारो मासा और कैलै बाजे मुरूली जैसे गीत और मशक बीन एक दूसरे के पर्याय हैं। इन गीतों की धुन मशक बीन पर सुनते ही पैर खुद-ब-खुद थिरकने लगते हैं।

कुमाऊं के छोलिया नृत्य और गढ़वाल के पौणा नृत्य के दौरान मशक बीन की उपस्थिति पैरों की थिरकन और हृदय की धड़कन दोनों को बढ़ा देती है। लोक गीतों के अलावा देश भक्ति गीत, मार्शल म्यूजिक, पश्चिमी धुन, जैज, रॉक, क्लासिकल, फिल्मी गीत सभी बैगपाइप के मदद से बड़ी शान से बजाते हैं। कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में भी इसका जलवा है। इसे बजाना बहुत मेहनत और लगन का काम है। चूंकि यह पाइप में मुंह से हवा भर के बजाया जाता है, तो फेफड़ों की बढ़िया एक्सरसाइज हो जाती है। इसमें धुन तभी निकलती है, जब बैग में हवा भरी हो।

आनुभूति

जन्मदिन: जीवन के सफर का उत्सव

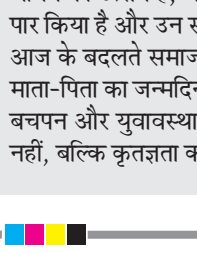

प्रिंस श्रेयश
शिक्षक

बचपन में जन्मदिन किसी त्योहार से कम नहीं होता था। सुबह से ही घर में हलचल शुरू हो जाती थी। मां रसोई में कुछ खास बनाती थीं, पिताजी मुस्कुराते हुए आशीर्वाद देते थे, रिश्तेदार फोन करते थे या घर आकर गले लगाते थे। एक छोटा-सा केक, कुछ मोमबत्तियां और ढेर सारा स्नेह, बस इतना ही तो चाहिए था खुश होने के लिए। उस समय जन्मदिन केवल तारीख नहीं, बल्कि अपने होने का उत्सव था। फिर समय बदला। बड़े हुए तो जन्मदिन का अर्थ बदल गया। दोस्तों के साथ पार्टी, हंसी-मजाक, देर रात तक जश्न यह सब जन्मदिन की पहचान बन गया। परिवार की जगह दोस्तों का दायरा बढ़ गया। खुशी वही थी, पर रूप अलग था। उस उम्र में लगता था कि यही असली जीवन है।

फिर विवाह हुआ। अब लोग सालगिरह याद रखने लगे और जन्मदिन धीरे-धीरे परिवार तक सीमित हो गया। जिम्मेदारियां बढ़ीं, प्राथमिकताएं बदलीं। जीवन की दौड़ में तारीखें कैलेंडर के पन्नों में सिमटने लगीं। जन्मदिन अब उतना शोर-शराबे वाला नहीं रहा, बल्कि एक शांत-सा दिन बन गया, जिसमें कुछ संदेश, कुछ औपचारिक शुभकामनाएं और सामान्य दिनचर्या शामिल हो गई। धीरे-धीरे अपने बच्चे हुए। अब घर में फिर से जन्मदिन मनाया जाने लगा, पर इस बार अपने बच्चों का। उनके लिए केक, सजावट, उपहार और उत्साह। उनकी आंखों की चमक में हम अपना बचपन तलाशने लगे, लेकिन इसी बीच कहीं हमारा अपना जन्मदिन पीछे छूट गया। कभी-कभी तो चुपचाप गुजर भी जाता है। तब मन में एक विचार उठता है, जब हमारे माता-पिता हमारा जन्मदिन इतने प्रेम से मनाते थे, क्या उस समय उनका अपना जन्मदिन भुला दिया गया था?

शायद यही दुनिया की रीति है। समय के साथ केंद्र बदलता रहता है। बचपन में हम केंद्र में होते हैं, युवावस्था में मित्र, फिर परिवार और अंत में बच्चे। जीवन का चक्र ऐसे ही चलता है। एक पीढ़ी उत्सव मनाती है, दूसरी पीढ़ी उत्सव का कारण बनती है, लेकिन क्या इसका अर्थ यह है कि जन्मदिन की कोई कीमत नहीं रही? नहीं। जन्मदिन केवल केक या पार्टी का नाम नहीं है। यह उस जीवन का उत्सव है, जो हम जी रहे हैं, उन संघर्षों का सम्मान है, जिन्हें हमने पार किया है और उन सपनों का स्मरण है, जो अब भी हमारे भीतर जीवित हैं। आज के बदलते समाज में एक अच्छी बात भी दिखती है कि कई बच्चे अपने माता-पिता का जन्मदिन मनाने लगे हैं। वे उन्हें दो पल की खुशी देते हैं, उनके बचपन और युवावस्था को याद करने का अवसर देते हैं। यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,814.71	25,571.25
बढ़त	316.57	116.90
प्रतिशत में	0.38	0.46

सोना 1,58,650 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,64,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 21 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

ओडिशा सरकार ने पेश किया 3.1 लाख करोड़ रुपये का बजट

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.10 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस बजट में कृषि, ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। कुल बजट का लगभग 58 प्रतिशत (1,80,000 करोड़ रुपये) कार्यक्रम व्यय के लिए आरक्षित किया गया है। माझी ने राज्य विधानसभा में तीसरा बजट पेश करते हुए कहा कि प्रशासनिक व्यय 1,14,000 करोड़ रुपये प्रस्तावित है, आपदा जोखिम प्रबंधन कोष के लिए 5,375 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

हथकरघा प्रदर्शनी में 21 राज्यों के बुनकर व कारीगर होंगे शामिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 21 फरवरी से दो मार्च तक आयोजित होने वाली विशेष हथकरघा प्रदर्शनी में 21 राज्यों के बुनकर और कारीगर समूह हिस्सा लेंगे। इस प्रदर्शनी का मकसद स्वदेशी हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देना, बुनकरों और ग्राहकों के बीच सीधे बाजार संपर्क बनाना और देशभर के कारीगरों के लिए रोजी-रोटी के मौके मजबूत करना है। जनपथ के हथकरघा हाट में होने वाली प्रदर्शनी में आगंतुक सीधे बुनकरों से उत्पादों खरीद सकेंगे, जिसमें हथकरघा साड़ियां, ड्रेस सामग्री, घरेलू साज-सज्जा की वस्तुयें, शॉल और हथकरघा कपड़े शामिल हैं।

टेक्समैको रेल और आरवीएनएल ने बनाया संयुक्त उद्यम

नई दिल्ली। टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड और रेल विकास निगम लिमिटेड ने देश की रेल विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों कंपनियों ने कहा कि यह संयुक्त उद्यम भारत और अन्य देशों में उन्नत रेल वाहन, उनके रखरखाव और संपत्ति प्रबंधन के साथ बड़े पैमाने पर विनिर्माण और पूरी तरह तैयार परियोजनाओं पर काम करेगा। यह साझेदारी दोनों कंपनियों की ताकत को मिलाकर ऐसे रेल समाधान देगी, जो उन्नत इंजीनियरिंग, कम लागत और उच्च गुणवत्ता वाले होंगे।

एआई से 0.8 प्रतिशत बढ़ेगी वैश्विक वृद्धि मगर नौकरियों के लिए भारी जोखिम भी

आईएमएफ प्रमुख ने कहा- एआई को अत्यधिक सकारात्मक दिखाने से सावधान रहे दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने शुक्रवार को कहा कि एआई वैश्विक आर्थिक वृद्धि को 0.8 प्रतिशत तक बढ़ा सकती है विकसित भारत बनने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकती है। जार्जीवा ने इसके साथ यह चेतावनी भी दी कि एआई से नौकरियां कम होने और वित्तीय स्थिरता पर भारी जोखिम भी पैदा हो सकते हैं।

जॉर्जीवा ने यहां आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में कहा कि वह एआई को लेकर आशावादी हैं, लेकिन इसके प्रभाव को अत्यधिक सकारात्मक दिखाने से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एआई को अच्छाई की ताकत या बुराई की ताकत के रूप में इस्तेमाल किए जाने के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। जॉर्जीवा ने कहा, एआई वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लगभग एक प्रतिशत अंक तक बढ़ा सकता है। हमारा अनुमान 0.8 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था कोविड महामारी से पहले की तुलना में तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि एआई उन देशों के लिए अधिक अवसर पैदा करता है जो डिजिटल बुनियादी ढांचा, कौशल विकास और एआई को तेजी से अपनाने में आगे हैं। उन्होंने कहा कि देशों को जोखिमों के प्रति सचेत रहते हुए अवसरों को अपनाना चाहिए। कहा, मैं एआई को लेकर बहुत आशावादी हूं। हालांकि मैं बहुत भोली भी नहीं हूं, इससे काफी जोखिम भी जुड़े हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026

अमेरिका के बाजार में पड़ने लगा असर

आईएमएफ के एक अध्ययन के मुताबिक एआई के कारण अमेरिकी श्रम बाजार पर असर पड़ रहा है। अमेरिका में हर दस में से एक नौकरी के लिए अब अतिरिक्त कौशल की जरूरत है और इस कौशल से लैस लोगों को बेहतर वेतन मिलता है। जॉर्जीवा ने कहा, जब लोगों के पास ज्यादा पैसे होंगे, तो वे रेस्तरां, मनोरंजन आदि में जाएंगे, जिससे कम कौशल वाले कर्मचारियों की मांग बढ़ेगी। एआई से एक नई नौकरी बनने पर कुल रोजगार में 1.3 नौकरियां बनती हैं। इसका मतलब है कि कुछ लोगों को ज्यादा अवसर मिलते हैं।

आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलिना जॉर्जिवा और अन्य वैश्विक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

एआई से जुड़े तीन बड़े जोखिम गिनाए

- जॉर्जीवा ने कहा कि सबसे पहले एआई से कुछ देशों के पास प्रौद्योगिकी होने और कुछ देशों के पास न होने के कारण वैश्विक असमानता बढ़ने का खतरा है।
- यह पूरी दुनिया में वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा कर सकता है, क्योंकि एआई अनियंत्रित होने पर वित्तीय बाजारों में संकट पैदा कर सकता है।
- एआई आने से नौकरियों के जाने का भी खतरा है, अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि लोग नई एआई अर्थव्यवस्था में अपनी जगह किस तरह बना सकेंगे।

> आईएमएफ देशों के साथ मिलकर यह समझने का काम जारी रखेगा कि एआई में क्या बदलाव हो रहे हैं और भविष्य की नीतियों के लिए इसे कैसे आकार दिया जा सकता है। हमें एआई को देखने और समझने में लचीला रुख अपनाना होगा। - **क्रिस्टलिना जॉर्जीवा**

जल्द ही श्रम बाजार में आने वाली है सुनामी

जॉर्जीवा ने कहा, हमने इस जोखिम को बहुत ऊपर आंका है। हम वास्तव में श्रम बाजार पर एआई के प्रभाव को एक 'सुनामी' की तरह देख रहे हैं। वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई से प्रभावित होंगी, कुछ में सुधार होगा और कुछ खत्म हो जाएंगी। उभरते बाजारों में 40 प्रतिशत प्रभावित होंगे जबकि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक है। और यह बदलाव अपेक्षाकृत कम समय में ही होने जा रहा है।

घोषणापत्र पर 70 देशों ने किए हस्ताक्षर 250 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि एआई के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी प्रमुख देशों ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के दिल्ली घोषणापत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। वैष्णव के मुताबिक 70 से अधिक देशों ने पहले ही घोषणापत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और शनिवार को यह संख्या 80 के पार हो जाने की संभावना है।

वैष्णव ने कहा, पिछले शिखर सम्मेलन में अंतिम घोषणापत्र पर लगभग 60 देशों ने हस्ताक्षर किए थे। हम पहले ही 70 का आंकड़ा पार कर चुके हैं। हमें विश्वास है कि यह 80 का आंकड़ा पार कर जाएगा। कई देशों के विदेश मंत्री भारत सरकार के साथ इस पर चर्चा कर रहे हैं और अंतिम संख्या शनिवार को साझा की जाएगी। वैष्णव ने इंडिया एआई समिट को एक बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि प्रदर्शनी में पांच लाख से अधिक आगंतुकों की उपस्थिति रही और इस आयोजन में बुनियादी ढांचे से संबंधित 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता देखी गई।

- आईटी मंत्री अश्वनी वैष्णव बोले - पिछले सम्मेलन में 60 थी देशों की संख्या

उन्होंने कहा, घोषणा पर व्यापक सहमति है, हम शिखर सम्मेलन के आकार को देखते हुए, इसमें शामिल होने वालों की संख्या को अधिकतम करना चाहते हैं। मंत्री ने कहा कि शिखर सम्मेलन समाप्त होने के बाद दिल्ली घोषणापत्र का पूरा विवरण पारदर्शी तरीके से साझा किया जाएगा।

अति उत्साही न बनें, विश्वसनीय होने पर ही एआई का इस्तेमाल करें संस्थान

सांख्यिकी मंत्रालय ने दी सलाह

नई दिल्ली। संस्थानों को एआई आधारित समाधानों के इस्तेमाल को लेकर तब तक अत्यधिक उत्साह नहीं दिखाना चाहिए, जब तक उनका पूर्ण परीक्षण न हो और वे विश्वसनीय न हों। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के 'डेटा इन्फॉर्मेटिक्स एंड इनोवेशन' प्रभाग के उपमहानिदेशक रोहित भारद्वाज ने समिट में 'एआई-समक्ष डेटा : नवाचार के लिए साझा अवसंरचना' विषयक सत्र में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों को आंकड़ों को मशीन-रीडेबल बनाना चाहिए। कॉन्टेक्स्ट फाइल और सिमैंटिक्स होनी चाहिए और मेटाडेटा होना चाहिए। कॉन्टेक्स्ट फाइल में किसी जानकारी को समझने के लिए आवश्यक विवरण होता है। सिमैंटिक्स शब्दों या डेटा के वास्तविक अर्थ और संदर्भ को समझने की प्रक्रिया है। मेटाडेटा डेटा के बारे में दी गई अतिरिक्त जानकारी, जैसे उसकी तारीख, स्रोत या संरचना को कहते हैं।

भारत का जोर सभी को किफायती कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध कराने पर

नई दिल्ली। सांख्यिकी सचिव सुमित गर्ग ने शुक्रवार को कहा कि भारत एक ऐसे मॉडल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जहां सरकार, परोपकारी संस्थाएं और निजी क्षेत्र मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि किफायती 'कंप्यूटिंग' क्षमताएं सभी के लिए सुलभ हों।

गर्ग ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' में एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा, हमारा ध्यान कंप्यूटिंग क्षमता तक पहुंच को सीमित करने पर नहीं, बल्कि बुद्धिमानी से प्राथमिकता तय करने पर है। उन्होंने कहा कि इसमें परोपकारी संगठनों की अहम भूमिका होगी, क्योंकि उनका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। इस उद्देश्य के साथ सरकार, परोपकारी संस्थाएं और निजी क्षेत्र सहयोग कर सकते हैं ताकि सभी को किफायती कंप्यूटिंग क्षमताएं मिल सकें। हम इसी तरह के मॉडल पर विचार कर रहे हैं।

भारत डिजिटल उपनिवेश न बने, खुद विकसित करे एआई प्रौद्योगिकी: राघवन

नई दिल्ली। स्वदेशी एआई स्टार्टअप कंपनी सर्वम एआई के सहसंस्थापक विवेक राघवन ने शुक्रवार को कहा कि भारत को विदेशी प्रणालियों पर निर्भर डिजिटल उपनिवेश बनने से बचने के लिए अपनी खुद की बुनियादी एआई प्रौद्योगिकियां विकसित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एआई एक ऐसी आधारभूत प्रौद्योगिकी है जो जीवन के हर पहलू को आकार देगी। इसलिए भारत के पास इसे बिल्कुल शुरुआत से विकसित करने का विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्य जिम्मेदारी है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में राघवन ने कहा, एआई एक ऐसी प्रौद्योगिकी है जिसका मानव जीवन के हर पहलू पर प्रभाव पड़ता है। इसे भारत जैसे देश को बुनियादी स्तर से समझना होगा। अन्यथा, हम इस महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के लिए दूसरे देशों पर निर्भर एक डिजिटल उपनिवेश बन जाएंगे। हमारे पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह कुछ ऐसा है जिसे हमें करना ही होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लंबे समय में, सबसे बड़े मॉडल या चिप जैसे अस्थायी प्रौद्योगिकी फायदों की तुलना में एआई संप्रभुता कहीं अधिक महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी है।

एआई संप्रभुता का मतलब सबकुछ खुद करना नहीं : सुनील

नई दिल्ली। योट्टा डेटा सर्विसेज के एमडी एवं सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा कि एआई संप्रभुता का मतलब अलग-थलग पड़ना या पूर्ण आत्मनिर्भरता नहीं है बल्कि रणनीतिक नियंत्रण है।

गुप्ता ने जोर दिया कि प्रौद्योगिकी में परस्पर वैश्विक निर्भरता अपरिहार्य है। हम हमेशा जुड़े और एक-दूसरे पर निर्भर रहेंगे। कुछ देश चिप विनिर्माण में आगे होंगे, तो कुछ कच्चे माल, डेटा, मॉडल, प्रतिभा या पूंजी में उत्कृष्ट होंगे इसलिए सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संप्रभुता को अक्सर इस विचार से भ्रमित किया जाता है कि हम सब खुद करेंगे और दुनिया से अलग हो जाएंगे लेकिन संप्रभुता का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि हम अलग-थलग पड़ जाएं।

बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स में 316 अंक का उछाल, निफ्टी 25,550 पार

मुंबई। शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 316 अंक की बढ़त के साथ जबकि निफ्टी 25,550 के पार बंद हुआ। बैंकिंग और धातु शेयरों में खरीदारी, व्यापार समझौते में प्रगति को लेकर आशावाद के साथ 'पैक्स सिलिका' में भारत की भागीदारी की खबरों से बाजार को समर्थन मिला।

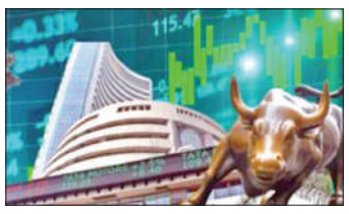

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 316.57 अंक यानी 0.38 प्रतिशत चढ़कर 82,814.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 633.94 अंक बढ़कर 83,132.08 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 116.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,571.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 209.2 अंक उछलकर 25,663.55 अंक के उच्च स्तर तक पहुंच गया था। भूराजनीतिक चिंताओं के बीच निवेशकों द्वारा शेयर की अंधाधुंध बिकवाली से बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 1,236.11 अंक और एनएसई निफ्टी 365 अंक टूट गया था।

विदेशी मुद्रा भंडार 725.72 अरब डॉलर के रिकॉर्ड पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 8.66 अरब डॉलर बढ़कर 725.72 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक इससे पहले छह फरवरी को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.71 अरब डॉलर घटकर 717.06 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले का सर्वोच्च स्तर जनवरी में 723.774 अरब डॉलर का रहा था। आंकड़ों के मुताबिक 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 3.55 अरब डॉलर बढ़कर 573.60 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार मूल्य 4.99 अरब डॉलर बढ़कर 128.46 अरब डॉलर हो गया।

व्यापार सूचकांकों का आधार वर्ष बदलकर 2022-23 किया गया

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष में बदलाव की घोषणा कर इसे 2012-13 से बदलकर 2022-23 कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि अर्थव्यवस्था में आए ढांचागत बदलावों, व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए यह कदम उठाया गया है।

ये सूचकांक मंत्रालय के अधीन आने वाले वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई-एंड-एस) द्वारा तैयार एवं प्रकाशित किए जाते हैं। ये सूचकांक देश के बाहरी व्यापार क्षेत्र में कीमतों के उतार-चढ़ाव को समझने, राष्ट्रीय खातों के संकलन और व्यापार की शर्तों के आकलन के लिए महत्वपूर्ण संकेतक माने जाते हैं। मंत्रालय ने कहा, अर्थव्यवस्था में आए ढांचागत बदलावों और व्यापारिक वस्तुओं के स्वरूप में आए फेरबदल को देखते हुए डीजीसीआई-एंड-एस ने व्यापार सूचकांकों का आधार वर्ष 2012-13 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। यह कदम व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जगीं उम्मीदें

ट्रंप का टैरिफ धराशायी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस वैश्विक टैरिफ को अपना सबसे बड़ा हथियार करार देते रहे हैं, उसे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने उनके हाथों से छीन लिया। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अवैध घोषित करते हुए कहा कि टैक्स और टैरिफ लगाने का अधिकार मुख्य रूप से अमेरिकी कांग्रेस के पास है। इस ऐतिहासिक फैसले के पूरी दुनिया में दूरगामी आर्थिक परिणाम सामने आने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि ट्रंप ने फैसले को अपमानजनक बताते हुए कहा कि उनके पास एक बैकअप प्लान भी है। यह संकेत हैं कि वह अन्य कानूनों के तहत फिर टैरिफ लगाने की कोशिश कर सकते हैं।

सुप्रीम फैसले के निहितार्थ

- कोर्ट ने यह फैसला देकर राष्ट्रपति की शक्तियों पर अंकुश लगा दिया कि 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट का गलत इस्तेमाल किया गया है।
- ट्रंप सरकार ने अब तक टैरिफ के जरिए 133 बिलियन डॉलर से 200 बिलियन डॉलर के बीच राजस्व वसूला है। अब कंपनियां इस राशि के रिफंड की मांग कर सकती हैं।
- भारत के लिए राहत की खबर है। भारत से अमेरिका होने वाले इंजीनियरिंग और टेक्सटाइल जैसे निर्यात पर लगे 18% के अतिरिक्त टैरिफ खत्म हो सकते हैं।

शेयर बाजार

इस फैसले के तुरंत बाद वॉल स्ट्रीट और विशेष रूप से उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी गई है।

भारतीय निर्यातकों पर असर

- भारतीय निर्यातकों को विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लाभ होगा जहां ट्रंप प्रशासन ने पारस्परिक टैरिफ के तहत भारी शुल्क लगाए थे।
- कपड़ा और परिधान भारत का सबसे बड़ा श्रमप्रधान क्षेत्र है। टैरिफ हटने से भारतीय कपड़ा प्रतिस्पर्धियों से सस्ता हो जाएगा।
- अमेरिका का अतिरिक्त शुल्क हटने से मशीनरी और कलपुर्जों के निर्यात में 4-5 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि की संभावना है।
- पॉलिश्ड हीरों और गहनों के निर्यात से अनिश्चितता हटेगी, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, हस्तशिल्प, कालीन क्षेत्र को राहत मिलेगी।
- इस फैसले के बाद भारत से अमेरिका जाने वाले लगभग 55% निर्यात पर लगा 18% का अतिरिक्त बोझ खत्म हो सकता है। जिन निर्यातकों ने टैरिफ का भुगतान कर दिया है, वे रिफंड के लिए दावा करसकते हैं।

इन भारतीय कंपनियों को राहत

- कपड़ा-परिधान के क्षेत्र में गोकलदास एक्सपोर्ट्स व पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज को सीधा फायदा।
- वैभव ग्लोबल और गोल्डियम इंटरनेशनल के मार्जिन में 25-40% तक की वृद्धि का अनुमान।
- झींगा आपूर्ति करने वाली अवंती फीड्स, अपेक्स फ्रोजन फूड्स, कोस्टल कॉरपोरेशन को राहत।
- जेनेरिक दवाओं के क्षेत्र में सन फार्मा, डॉ. रेड्डी, सिपला जैसी कंपनियों को कम लागत पर दवाएं बेचने में मदद मिलेगी।

राजमार्गों के टोल प्लाजा पर एक अप्रैल से बंद होगा कैश

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनएचएआई ने कहा- सिर्फ फास्टैग या यूपीआई के जरिए ही होगा भुगतान

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) एक अप्रैल से राजमार्गों पर स्थित टोल प्लाजा पर नकद भुगतान बंद करने पर विचार कर रहा है। ऐसा होने पर वाहन चालकों को टोल भुगतान के लिए केवल फास्टैग या यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों का ही उपयोग करना होगा।

एनएचएआई ने कहा कि नकद भुगतान की व्यवस्था बंद होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर सभी भुगतान केवल डिजिटल माध्यमों से ही स्वीकार किए जाएंगे। प्राधिकरण पूरे देश में टोल प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल बनाने के उद्देश्य से एक अप्रैल, 2026 से नकद लेनदेन को पूरी तरह खत्म करने की योजना बना रहा है। संस्था ने कहा कि इस प्रस्तावित कदम का लक्ष्य इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह में अब तक मिली सफलताओं को मजबूत करना और टोल प्लाजा के कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता लाना है।

कुछ वर्षों में फास्टैग की 98 प्रतिशत से अधिक पैठ ने देश में टोल संग्रहण की प्रक्रियाओं में उल्लेखनीय बदलाव किया है। फिलहाल टोल लेनदेन का बड़ा हिस्सा वाहनों पर लगाए गए फास्टैग के जरिए इलेक्ट्रॉनिक रूप से किया जा रहा है। इससे टोल प्लाजा पर निर्बाध आवागमन संभव हुआ है। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा पर यूपीआई भुगतान सुविधा भी संचालित की गई है, जिससे देशभर में राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के लिए त्वरित और सुलभ डिजिटल भुगतान विकल्प उपलब्ध हो सके हैं।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला देश की कंपनियों के लिए बड़ी राहतः निर्यातक

नई दिल्ली। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कई देशों के खिलाफ बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाने के आदेश को रद्द करने के फैसले का भारतीय निर्यातकों ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि यह फैसला उन घरेलू कंपनियों के लिए बड़ी राहत है, जो इस टैरिफ से प्रभावित थीं।

उद्योग निकाय ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा कि इस फैसले के बाद अमेरिका को भारत पर लगाए गए 25% पारस्परिक शुल्क को हटा देना चाहिए, जिससे अमेरिका को होने वाले भारत के लगभग 55% निर्यात पर केवल मौजूदा सीमा शुल्क ही लागू होगा।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि फैसले से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में पूर्वानुमान्यता बहाल हो जाएगी। पारस्परिक शुल्क को रद्द करने वाले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देश-केंद्रित शुल्कों से प्रभावित देश के निर्यातकों को राहत मिली है।

आठ बुनियादी क्षेत्रों की वृद्धि दर घटकर 4% पर

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जनवरी में गिरकर दो महीने के निचले स्तर 4% पर आ गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2025 में यह वृद्धि दर 5.1% और दिसंबर 2025 में 4.7% थी।

- पिछले साल जनवरी में 5.1% थी यह वृद्धि दर

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई। रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन स्थिर रहा। कोयला एवं सीमेंट क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि दर घटकर 3.1 % एवं 10.7 % रह गई जो एक साल पहले की समान अवधि में क्रमशः 4.6% एवं 14.3% थी। हालांकि, उर्वरक, इस्पात और बिजली उत्पादन में इस महीने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 2.8% रह गई। जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.5% थी।

एल्यूमीनियम के लिए ब्राजील की कंपनी का हिंडाल्को से करार

नई दिल्ली। ब्राजील की विमान बनाने वाली कंपनी एम्ब्रेयर ने खनन क्षेत्र की भारतीय कंपनी हिंडाल्को के साथ भारत में साझा व्यावसायिक अवसरों की तलाश के लिए शुक्रवार को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

एम्ब्रेयर ने बताया कि इस संयुक्त पहल का उद्देश्य विमानन में इस्तेमाल होने वाले विशेष एल्यूमीनियम से बने कच्चे माल के निर्माण में संभावनाओं की पहचान करना है। कंपनी ने महिंद्रा और अडानी समूहों के साथ भारत में विमान निर्माण संयंत्र की स्थापना के लिए समझौते किए हैं। एम्ब्रेयर में वैश्विक खरीद के कार्यकारी उपाध्यक्ष रॉबर्ट चेव्स ने कहा, यह पहल स्थानीय साझेदारों की पहचान करने पर हमारे फोकस को और मजबूत करती है।

ग्लोबलडेटा की रिपोर्ट

अलग-अलग देशों से तेल आयात के साथ अमेरिका से ऊर्जा संबंध मजबूत करने पर जोर

ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत ने बदली अपनी रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी

कच्चे तेल के आयात को लेकर भारत की रणनीति केवल सस्ता तेल खरीदने तक सीमित न रहकर अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए रणनीतिक कदम उठाने तक पहुंच गई है। विश्लेषक फर्म ग्लोबलडेटा ने शुक्रवार को यह दावा किया।

विश्लेषक फर्म ने कहा कि भारत अपनी कुल ऊर्जा जरूरतों का लगभग एक-चौथाई हिस्सा तेल से पूरा करता है और अपनी जरूरत का 87 प्रतिशत तेल दूसरे देशों से खरीदता है। इसे देखते हुए, भारत अब एक नई रणनीति पर काम कर रहा है। इसके तहत वह अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन, अलग-अलग देशों से तेल खरीदने और अमेरिका के साथ ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने पर सबसे ज्यादा जोर दे रहा है। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत के बारे में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि इसकी मांग 2024 के 55 लाख बैरल प्रति दिन से बढ़कर 2035 तक 80 लाख बैरल प्रति दिन हो जाएगी। घरेलू स्तर पर तेल खोज जारी रहने के बावजूद 2035 तक आयात पर निर्भरता बढ़कर 92 प्रतिशत हो सकती है, जिससे बाहरी आपूर्ति के झटकों का खतरा बढ़ जाएगा।

उथल-पुथल की चपेट में रहा है तेल आयात

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के कच्चे तेल के स्रोतों में 2022 से काफी बदलाव आया है। यूक्रेन संघर्ष से पहले भारत के तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 2.7 प्रतिशत थी, जो रियायती दरों के कारण 2024 में बढ़कर 25.9 प्रतिशत हो गई। हालांकि, प्रतिबंधों के कारण बीच जनवरी 2026 में रूस से आयात में सालाना आधार पर 40 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। इसी समय, अमेरिका और वेनेजुएला फिर से भारत के कच्चे तेल के आयात समूह का हिस्सा बने हैं। ग्लोबलडेटा ने कहा कि वेनेजुएला से मात्रा सीमित रहने की उम्मीद है, लेकिन उन्हें एक सामरिक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। फर्म ने यह भी कहा कि यह बदलाव ईरान से संबंधित व्यापार पर अमेरिकी शुल्क की धमकियों से भी प्रभावित है।

बलूच आर्मी ने दी समय सीमा खत्म होने पर पाकिस्तानी सैनिकों को मार देने की धमकी

क्वेटा, एजेंसी

- पाकिस्तान की सरकार को बातचीत को दिए हैं सात दिन

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान सरकार को चेतावनी दी है कि यदि 21 फरवरी के बाद उसके लड़ाकों को रिहा करने के लिए बातचीत शुरू नहीं हुई, तो वह अपनी हिरासत में लिए गए पाकिस्तानी सैनिकों को मार देगा। बीएलए ने 14 फरवरी को कुछ तस्वीरें और वीडियो जारी कर दावा किया था कि उसने सात पाकिस्तानी सैनिकों को पकड़ लिया है।

इस समूह ने सात दिन की समय सीमा देते हुए मांग की है कि पकड़े गए सैनिकों के बदले हिरासत में लिए गए उसके लड़ाकों को रिहा किया जाए। पाकिस्तानी सेना ने हालांकि इन दावों को खारिज कर दिया था। उनकी ओर से यह तर्क दिया गया कि वीडियो में दिखने वाले लोग पाकिस्तानी सैनिक नहीं हैं और वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई है। बीएलए की ओर से इसके बाद जारी एक नए वीडियो में, सातों बंदी एक साथ नजर आ रहे हैं और वे अपने आधिकारिक आर्मी सर्विस कार्ड दिखा रहे हैं। उनमें से एक सिपाही मोहम्मद शहराम अपने सैन्य और राष्ट्रीय पहचान पत्र को लेकर बोल रहा है।

पत्नी-बच्चों को पीट सकेंगे अफगानी

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का नया कानून पत्नियों और अपने बच्चों की पिटाई की अनुमति देता है बशर्ते कि पिटाई के कारण हड्डियां नहीं टूटें और खुले जख्म नहीं हों। दे महाकुमु जज़ाई उसूलनामा नामक 90 पन्नों के इस आपराधिक प्रक्रिया संहिता को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा ने मंजूरी दी है। दस अध्यायों और 119 अनुच्छेदों वाले दस्तावेज़ में घरेलू हिंसा को कुछ शर्तों के साथ वैध किया गया है।

आर्थिक जबरदस्ती पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत ने 20 फरवरी को औपचारिक रूप से अमेरिका के नेतृत्व वाली पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने के लिए घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता न केवल भारत और अमेरिका के बीच तकनीकी सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत है बल्कि वैश्विक स्तर पर एआई और सेमीकंडक्टर की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम भी है। वर्तमान में सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों लिथियम, कोबाल्ट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स की आपूर्ति पर चीन जैसे कुछ ही देशों का एकाधिकार है। यह निर्भरता आर्थिक जोखिम पैदा करने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा है। पैक्स सिलिका इसी आर्थिक जबरदस्ती को समाप्त करने का वैश्विक प्रयास है।

पैक्स सिलिका पहल

रणनीतिक गठबंधन

- शुरुआत : अमेरिका के नेतृत्व वाला एक रणनीतिक गठबंधन है जो सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिजों और एआई ढांचे की पूरी सिलिकॉन स्टैक को सुरक्षित करने पर केंद्रित है। इसकी शुरुआत 2025 में वाशिंगटन में हुई थी।
- आपूर्ति श्रृंखला बनाना : एआई और चिप निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल से लेकर अंतिम उत्पाद तक एक बाधा रहित आपूर्ति श्रृंखला बनाना।
- चीन पर निर्भरता कम करना : महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर विनिर्माण में चीन के प्रभुत्व और आर्थिक दबाव को कम करना। डेटा सेंटर, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और एआई मॉडल के लिए देशों का एक समूह तैयार करना।

भारत को होगा लाभ

- सेमीकंडक्टर हब बनना : भारत को अत्याधुनिक चिप विनिर्माण तकनीक और निवेश प्राप्त होगा, जिससे इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन को गति मिलेगी।
- महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच : लिथियम, कोबाल्ट और सिलिकॉन जैसे खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जो ईवी और रक्षा उपकरणों के लिए अनिवार्य हैं।
- एआई निवेश : अमेरिकी कंपनियों द्वारा भारतीय एआई बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश की संभावना है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।
- रणनीतिक स्वायत्तता : भारत बिना अपनी स्वायत्तता खोए वैश्विक उच्च-तकनीकी समूह का हिस्सा बनकर चीन की विस्तारवादी नीतियों का मुकाबला कर सकेगा।
- शेयर बाजार पर असर : विशेषज्ञों के अनुसार, माइनिंग, मेटल और टेक सेक्टर की कंपनियों को इससे दीर्घकालिक लाभ होगा।

एआई सप्लाई चेन की सुरक्षा

- सुरक्षा के लिए अहम : एआई को चलाने के लिए उन्नत चिप्स, विशाल डेटा सेंटर और निरंतर ऊर्जा की जरूरत होती है। पैक्स सिलिका निम्न तरीकों से सुरक्षा तय करता है।
- खनिजों का सुरक्षित स्रोत : सेमीकंडक्टर के लिए जरूरी रेयर अर्थ एलिमेंट्स की माइनिंग से लेकर प्रोसेसिंग तक सदस्य देशों के बीच सहयोग सुनिश्चित करना
- संवेदनशील तकनीक का संरक्षण : उन्नत एआई एल्गोरिदम और हार्डवेयर डिजाइन को गलत हाथों (विशेषकर प्रतिद्वंद्वी देशों) में जाने से रोकना।
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर : फाइबर-ऑप्टिक केबल, डेटा सेंटर और एआई फाउंडेशनल मॉडल के लिए सुरक्षित और पारदर्शी मानक स्थापित करना।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका में 57 वर्षीय सिख का अपहरण

न्यूयॉर्क। कैलिफोर्निया के सैन जोकिन काउंटी के ट्रेसी इलाके से 57 वर्षीय सिख व्यक्ति का अपहरण कर लिया गया है। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने फेसबुक पोस्ट में पीड़ित की पहचान अवतार सिंह के रूप में की है, जिनकी लंबाई पांच फुट सात इंच है और वजन लगभग 200 पाउंड है। घटना के समय उन्होंने हल्के रंग के पारंपरिक सिख वस्त्र पहने हुए थे। पुलिस ने बताया कि निगरानी फुटेज में मंगलवार को अपराह्न लगभग ढाई बजे सिंह को गहरे रंग के कपड़े पहने तीन अज्ञात व्यक्ति एक सफेद एसयूवी में बिठाते हुए दिख रहे हैं। पुलिस ने बताया कि फुटेज से प्रतीत होता है कि पीड़ित अपनी मर्जी के बिना कार में बैठा।

पाकिस्तान ने कश्मीर में संघर्ष विराम तोड़ा

श्रीनगर। पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास शुक्रवार को संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नौगाम सेक्टर में स्थित टीएमजी (टूट मार गली) में दोपहर के आसपास पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) की चौकियों ने भारतीय चौकियों पर छोटे हथियारों से गोलीबारी करते हुए संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। उन्होंने बताया कि कुछ समय बाद गोलीबारी बंद हो गई, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ है।

वेनेजुएला ने कैदियों को माफी की मंजूरी दी

काराकस। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को आम माफी से संबंधित एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए जिससे हिरासत में लिए गए नेताओं, कार्यकर्ताओं, वकीलों और कई अन्य लोगों की रिहाई हो सकती है। इस विधेयक पर हस्ताक्षर के साथ ही राष्ट्रपति ने यह स्वीकार किया कि सरकार ने सैकड़ों लोगों को राजनीतिक कारणों से जेल में रखा है। रोड्रिगेज के इस कदम को बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

पाकिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांतों के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके पेशावर तथा इस्लामाबाद सहित कई शहरों में महसूस किए गए। भूकंप से किसी के हताहत होने या किसी तरह के नुकसान होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शाम 6:09 बजे आए भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में 101 किमी की गहराई पर था।

ट्रंप ने ईरान को फिर दी चेतावनी, तय की परमाणु समझौते की समय सीमा

अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेताया, समझौता नहीं हुआ तो ईरान के साथ होगा बुरा बर्ताव

वॉशिंगटन, एजेंसी

- ईरान पर 10 से 15 दिन के भीतर कोई फैसला लेंगे ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को ईरान को चेतावनी दी कि यदि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने में विफल रहा तो बुरी चीज़ें होंगी और उन्होंने ईरान पर फैसले के लिए अपनी समय सीमा 10-15 दिन तक बढ़ा दी। ट्रंप का यह बयान पश्चिम एशिया में अमेरिका की भारी सैन्य तैयारी के बीच आया है, जिससे बड़े युद्ध की चिंताएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत अच्छी चल रही है, लेकिन उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ईरान को एक अर्थपूर्ण समझौता करना होगा। इस बीच, अमेरिका इस सप्ताह के अंत तक ईरान पर हमला करने के लिए तैयार है, हालांकि ट्रंप ने अभी तक कोई आखिरी फैसला नहीं लिया है। एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा, 10-15 दिन, ज़्यादा से ज़्यादा। या तो हम समझौता कर लेंगे या यह उनके लिए बुरा होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें 10 दिनों के अंदर पता चल जाएगा कि ईरान के साथ समझौता मुमकिन है या नहीं। उन्होंने बोर्ड ऑफ़ पीस की पहली बैठक में कहा, हमें इसे एक कदम और आगे ले जाना पड़ सकता है, या शायद नहीं भी। शायद हम एक समझौता कर लें। आपको अगले शायद 10 दिनों में पता चल जाएगा। ट्रंप ने दोहराया कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। अगर उनके पास परमाणु हथियार हैं तो आप पश्चिम एशिया में शांति नहीं ला सकते। ट्रंप ने कहा कि अब ईरान के लिए हमारे साथ उस रास्ते पर चलने का समय है, जो हम कर रहे हैं, उसे पूरा करे।

तो अमेरिकी ठिकानों पर वैध होगा ईरानी हमला

न्यूयॉर्क। ईरान ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका अपनी सैन्य धमकियों पर अमल करता है, तो अमेरिकी ठिकानों और संपत्तियों पर ईरानी हमले वैध होंगे। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरवानी ने पत्र में कहा कि ईरान किसी भी हमले का निर्णायक जवाब देगा। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में सैन्य आक्रामकता के गंभीर परिणामों की चेतावनी भी दी। यह घटनाक्रम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दी गई उस धमकी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने परमाणु मुद्दे पर समझौते के लिए अधिकतम 10-15 दिन का समय दिया है।

बोर्ड ऑफ पीस को 10 अरब अमेरिकी डॉलर देंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा के पुनर्निर्माण के लिए बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय निकाय बोर्ड ऑफ पीस में चीन और रूस के भी शामिल होने की उम्मीद जताई। ट्रंप ने कहा कि कई देश बोर्ड में शामिल होने की प्रक्रिया में हैं। मैं चाहूंगा कि चीन और रूस भी इसमें शामिल हों। ट्रंप ने घोषणा की कि बोर्ड के नौ सदस्यों ने कुल सात अरब अमेरिकी डॉलर देने का वादा किया है, जबकि अमेरिका 10 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान देगा। उन्होंने कहा, युद्ध की लागत की तुलना में यह राशि बहुत कम है। उन्होंने अमेरिका के 10 अरब डॉलर देने को काफी छोटी रकम बताया।

असम में बोले अमित शाह- देश से सभी घुसपैठियों को बाहर करेंगे

- पूर्वोत्तर राज्य में शुरू किया वाइब्रेंट विलेज का दूसरा चरण

गुवाहाटी, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली असम सरकार ने पिछले दस वर्षों में घुसपैठियों को राज्य में प्रवेश करने से रोका है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एक बार फिर भाजपा को वोट दें ताकि असम से आखिरी घुसपैठिए को बाहर किया जा सके। केंद्रीय गृह मंत्री ने शुक्रवार को असम के कछार जिले के नाथनपुर गांव में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-द्वितीय' की शुरुआत करते हुए यह बात कही।

इस पहल का उद्देश्य सीमा पर स्थित समुदायों को सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध बनाना है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। वीवीपी-द्वितीय एक 6,839 करोड़ रुपये की योजना है, जिसे 15 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में से लागू किया जाना है। शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने असम में पहले अवैध घुसपैठ के लिए सीमा खुले छोड़ दिए थे, जिससे जनसांख्यिकीय बदलाव आया है। उन्होंने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग असुरक्षा के कारण अपनी जमीन छोड़ने लगे और घुसपैठियों ने उन क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया। स्थानीय लोगों और युवाओं ने अवसर खो दिए, क्योंकि घुसपैठियों की आबादी लगातार बढ़ती गई। उन्होंने कहा, असम में भाजपा सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में घुसपैठ को पूरी तरह से रोक दिया था और दूसरे में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने घुसपैठियों को उन जमीनों से उखाड़ फेंका, जिन पर उन्होंने अवैध तरीके से कब्जा किया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने असम के कछार जिले में वाइब्रेंट विलेज के द्वितीय का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और मंत्री अतुल बोरा भी उपस्थित रहे।

हिंदी के साथ मजबूत होती हैं सभी भाषाएं

अगरतला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि जब हिंदी को बढ़ावा दिया जाता है, तो अन्य सभी भाषाएं भी मजबूत होती हैं। अगरतला में राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुष्प्रचार किया जा रहा था कि हिंदी लोगों पर थोपी जा रही है लेकिन पिछले 10 वर्षों में इस बात को गलत साबित किया गया है। उन्होंने कहा कि हिंदी और अन्य स्थानीय भाषाओं के बीच कोई विवाद नहीं हो सकता क्योंकि वे एक ही मां की दो बेटियां हैं, जिन्होंने साथ-साथ प्रगति की है। शाह ने कहा कि लिपि और भाषा विवाद का मुद्दा नहीं हो सकतीं। उन्होंने लोगों से यह भी आग्रह किया कि वे घर पर अपने बच्चों से उनकी मातृभाषा में बात करें। गृह मंत्री ने कहा कि अगर आप ऐसा नहीं कर सकते, तो आपके बच्चे अपनी मातृभाषा के साहित्य, परंपरा और संस्कृति से वंचित रह जाएंगे। हमें घर में जितना हो सके अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए।

किंग चार्ल्स-3 के भाई पूर्व प्रिंस एंड्रयू किए गए रिहा

लंदन। सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के संदेह में गिरफ्तार किए गए ब्रिटने के पूर्व राजकुमार व किंग चार्ल्स तृतीय के भाई एंड्रयू को रिहा कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि पूर्व राजकुमार को गुरुवार शाम को रिहा किया गया। एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को उनकी गिरफ्तारी के लगभग 11 घंटे बाद पूर्वी ब्रिटेन स्थित उनके घर के पास स्थित थाने से कार में निकलते हुए देखा गया। एंड्रयू को उनके खिलाफ जांच जारी रहने के बीच रिहा किया गया है। एंड्रयू को गुरुवार तड़के घर से उन जांचकर्ताओं ने गिरफ्तार किया था, जो जेफ्री एप्स्टीन से उनके संबंधों की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि उसने एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के घर की तलाशी पूरी कर ली है।

अमेरिका में हिरासत में लिए जा सकते हैं हजारों वैध शरणार्थी

मिनियापोलिस, एजेंसी

- डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए आदेश से बढ़ीं मुश्किलें

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एक नया आदेश जारी किया है जिससे देश में मौजूद उन हजारों शरणार्थियों को गिरफ्तार किया जा सकता है जो यहां वैध रूप से रह तो रहे हैं लेकिन अब तक उनका कोई स्थायी आवास नहीं है।

मिनिसोटा में गुरुवार को होने वाली संघीय अदालत की सुनवाई से पहले गृह मंत्रालय द्वारा दाखिल एक मेमो में कहा गया है कि ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले शरणार्थियों को अपने आवेदनों की समीक्षा के लिए अमेरिका में प्रवेश किए जाने के एक साल बाद संघीय हिरासत में रहना होगा। बुधवार को दाखिल मेमो में कहा गया है कि निरीक्षण और जांच प्रक्रिया की अवधि के लिए आव्रजकों को हिरासत में रखा जा सकता है। मानवाधिकार कार्यकर्ता और पुनर्वास समूहों ने इस आदेश की कड़ी आलोचना की है। इस आदेश से पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका आए लगभग 2 लाख शरणार्थियों के बीच भ्रम और भय पैदा हो सकता है। यह आदेश ट्रंप प्रशासन द्वारा आव्रजन पाबंदियों की श्रृंखला में हालिया कार्रवाई है। पिछले साल के अंत में एक मेमो में कहा गया था कि ट्रंप प्रशासन बाइडन प्रशासन के दौरान अमेरिका में प्रवेश पाने वाले सभी शरणार्थियों की समीक्षा करने की योजना बना रहा है।

रूस की सीमा पर बारूदी सुरंग बिछाएगा पोलैंड

वॉरसॉ। पोलैंड अपनी पूर्वी सीमा पर रूस के बढ़ते खतरे के मद्देनजर बारूदी सुरंग बिछाएगा। यह जानकारी देश के उप रक्षामंत्री पावेल जालेव्स्की ने शुक्रवार को दी। पोलैंड विवादास्पद हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले अंतर्राष्ट्रीय समझौते से अलग हो गया है। वर्ष 1997 में बारूदी सुरंग पर प्रतिबंध संबंधी संधि को मंजूरी दी गई थी, जिसे ओटावा संधि के नाम से भी जाना जाता है। यह संधि हस्ताक्षरकर्ताओं को बारूदी सुरंग रखने या बिछाने से रोकती है। कंबोडिया, अंगोला और बोस्निया और हर्जेगोविना सहित देशों के पूर्व संघर्ष क्षेत्रों में इन बारूदी सुरंगों की वजह से नागरिकों को हुई क्षति के मद्देनजर यह संधि अस्तित्व में आई।

खुफिया विफलता को लेकर नौसेना को कोर्ट की फटकार

मुंबई, एजेंसी

- आईएनएस शिकरा के पास इमारत निर्माण का मामला

बंबई उच्च न्यायालय ने दक्षिण मुंबई में नौसेना के प्रमुख हवाई ठिकाने आईएनएस शिकरा के आसपास एक बहुमंजिला इमारत के निर्माण को लेकर शुक्रवार को नौसेना को खुफिया विफलता के लिए कड़ी फटकार लगाई और सवाल किया कि इमारत के बनते समय कैसे इस पर किसी की नजर नहीं पड़ी।

न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति अभय मंत्री की पीठ ने कहा कि नौसेना की ओर से खुफिया चूक हुई है, क्योंकि वह अपने प्रतिष्ठान के आसपास एक गगनचुंबी इमारत के निर्माण पर ध्यान देने में विफल रही। पीठ आईएनएस शिकरा के कमांडिंग ऑफिसर की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठान के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए परियोजना पर रोक लगाने का निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने नौसेना के सिर्फ इसी इमारत के निर्माण का विरोध करने पर भी सवाल उठाया, जबकि आसपास कई अन्य बहुमंजिला आवासीय इमारतें मौजूद हैं। याचिकाकर्ता के वकील आरवी गोविलकर ने दलील दी कि अन्य इमारतों का निर्माण साल 2011 में रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास ऊंचे निर्माण के लिए एनओसी को अनिवार्य बनाने से पहले किया गया था।

यूएफओ से जुड़ीं फाइलें सार्वजनिक करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह पेंटागन और अन्य सरकारी एजेंसियों को परग्रही जीवों (एलियन्स) और यूएफओ से संबंधित फाइल की पहचान करके उन्हें सार्वजनिक करने का निर्देश दे रहे हैं, क्योंकि इन विषयों में लोगों की गहरी रुचि है।

ट्रंप ने यह घोषणा एक सोशल मीडिया पोस्ट में की। कुछ घंटे पहले ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर हाल में एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में परग्रही जीवों के वास्तव में होने का संकेत देकर गोपनीय जानकारी उजागर करने का आरोप लगाया था। एयर फोर्स वन विमान में संवाददाताओं से ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं पता कि परग्रही जीव वास्तव में हैं या नहीं।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 21 फरवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 13.00 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

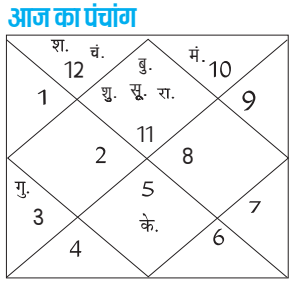

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- रेवती 19.07 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। यद्यपि आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको गलत लोगों के कारण परेशानी उठानी पड़ सकती है। स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें।

वृष — आज रुके हुए काम तेजी से पूरे कर लेंगे। अपनी कार्यक्षमता को सिद्ध कर पाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। लोग आपकी विचारधारा से बहुत शीघ्र प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन हो सकते हैं।

मिथुन — आज व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं। आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे।

कर्क — आज भाग्य आपका साथ देगा। महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेते रहें। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

सिंह — आज अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। लोग आप से अत्यंत प्रभावित रहेंगे। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

कन्या — आज अल्प परिश्रम से ही आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में कोई मांगलिक कार्यक्रम हो सकता है। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

तुला — आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। आप गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

वृश्चिक — आज व्यापार में नए समझौतों को लेकर सावधानी रखें। प्रेमीजन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

धनु — आज गूढ़ अध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। दांपत्य संबंध काफी रोमांटिक हो सकते हैं। अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

मकर — आज बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में अच्छे ग्राहकों के कारण आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी।

कुंभ — आज कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें। उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को जॉब की चिंता हो सकती है।

मीन — आज का दिन कला-जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष है। कार्य थोड़े विलंब से पूर्ण होंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

सुडोकू-68

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9	3	2				7
				9			4	
	8		5			9		
7		5			9	1		
								5
		2	7			4		9
		7		5	6		9	
5	6			7				
				4	8	7		

सुडोकू - 67 का हल

3	4	6	2	8	9	5	1	7
5	2	7	1	3	6	8	4	9
9	8	1	4	5	7	3	6	2
7	9	8	3	2	1	4	5	6
6	5	2	7	4	8	9	3	1
4	1	3	6	9	5	7	2	8
1	3	4	9	7	2	6	8	5
2	7	5	8	6	4	1	9	3
8	6	9	5	1	3	2	7	4

जब टीम के तौर पर चीजें हमारी योजना के मुताबिक नहीं होतीं, तो देश में होने वाली प्रतिक्रियाओं का हम सम्मान करते हैं। हमें पता है कि ऐसा होगा और हम इसे स्वीकार करते हैं। आगे बेहतर करने के तरीकों पर हम जरूर विचार करेंगे।
-मिचेल मार्श, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार, 21 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

अभ्यास सत्र के दौरान अभिषेक शर्मा (बीच में), वरुण चक्रवर्ती (दाएं) और अन्य। एजेंसी

मार्करम या लिंडे करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरुआत

अहमदाबाद, एजेंसी

टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए, लेकिन भारत का अभियान बिना रुके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है।

इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास

एडेन मार्करम

जॉर्ज लिंडे

• सुपर-8 में भारत और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला कल

स्थायी है। अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी होगा कि उनका बल्ला चले।

भारत सुपर आठ चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे या वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें।

अभिषेक को एक अच्छी पारी की जरूरत : मोर्केल

अहमदाबाद। भारत की पहले सुपर-आठ मुकाबले में रविवार को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ंत से पहले गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने स्पष्ट किया कि टी20 विश्व कप में अब तक अभिषेक शर्मा के खराब प्रदर्शन को लेकर टीम के अंदर कोई चर्चा नहीं हुई है। मोर्केल ने कहा कि अभिषेक को बस एक अच्छी शुरुआत की जरूरत है और उसके बाद वह लय पकड़ लेंगे। भारत का यह सलामी बल्लेबाज तीन मैचों में अब तक खाता खोलने में नाकाम रहा है।

सुपर-8 में आज

टीम	समय
पाकिस्तान-न्यूजीलैंड	शाम 7 बजे

हाईलाइट

भारतीय हॉकी टीम की नजरें वापसी करने पर

होबार्ट। भारतीय पुरुष हॉकी टीम घरेलू मैदान पर बुरी तरह हारने के बाद शनिवार को यहां स्पेन के खिलाफ मैच के साथ एफआईएच प्रो लीग के विदेशी चरण की शुरुआत में नए कप्तान हार्दिक सिंह के नेतृत्व में वापसी करने और एक नयी शुरुआत करने के लिए बेताब होगी। सीरीज का होबार्ट चरण 25 फरवरी तक तस्मानिया हॉकी सेंटर में होगा जिसमें मेजबान ऑस्ट्रेलिया भी शामिल है।

अल्काराज सेमीफाइनल में, सिनर हारकर बाहर

दोहा। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने रूस के करेन खाचानोव को हराकर कतर ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर को जैकब मेन्सिक के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जैकब मेन्सिक ने गुरुवार को खेले गये क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी जैनिक सिनर को 7-6(7-3) 2-6 6-3 से हारकर कतर ओपन से बाहर कर दिया। चेक रिपब्लिक के छठे सीड वाले खिलाड़ी जैकब मेन्सिक ने पहला सेट जीता। हालांकि सिनर ने बराबरी कर ली। मेन्सिक ने अखिरी गेम जीत कर जीत दर्ज मुकाबला अपने नाम किया। इसी के साथ सिनर का 23 मैचों में 22 जीत का सिलसिला समाप्त हो गया।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों का लक्ष्य पाकिस्तानी स्पिनरों पर नियंत्रण

टी-20 विश्व कप : सुपर-8 के मुकाबले आज से, शाम 7 बजे से होगी शुरुआत

कोलंबो, एजेंसी

न्यूजीलैंड की टीम शनिवार को यहां टी-20 विश्व कप के सुपर-8 चरण ग्रुप दो के शुरुआती मैच में पाकिस्तान का सामना करेगी तो जीत के लिए सबसे अहम कारक होगा कि उसका मजबूत मध्यक्रम प्रतिद्वंद्वी टीम की स्पिन विविधता का माकूल जवाब दे सके।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज आईसीसी के इस बड़े टूर्नामेंट में अभी तक शीर्ष स्तर का खेल नहीं दिखा सके हैं जिसमें बस सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और फिन एलेन ही हैं जिन्होंने मिलकर तीन अर्धशतक लगाए हैं। लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज इन दोनों का ठीक से साथ नहीं दे पाए हैं। ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन और डेरिल मिचेल जैसे बल्लेबाज निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। फिलिप्स और रविंद्र ने हालांकि एक-एक अर्धशतक लगाया है, लेकिन कुल मिलाकर उनका प्रदर्शन फीका ही रहा है। चार मैचों में रविंद्र ने 72 रन बनाए हैं, लेकिन इनमें से 59 रन कनाडा के खिलाफ एक ही मैच में आए। न्यूजीलैंड इस टूर्नामेंट में पहली बार कोलंबो में खेलेगा जिससे यह और मुश्किल हो सकता है। इसके विपरीत पाकिस्तान ने विश्व कप की शुरुआत से ही यहां की है और वह पहले प्रेमदासा में दो मैच खेल चुका है। पाकिस्तान के गेंदबाज, खासकर स्पिनर इस धीमी पिच पर असरदार होने के लिए लेंथ और रफ्तार जानते हैं जहां शॉट लगाने के लिए हिम्मत से ज्यादा समझदारी की जरूरत होती है। इसलिए एलेन और सिफर्ट की पावरप्ले की धमाकेदार बल्लेबाजी में न्यूजीलैंड के मध्यक्रम का साथ चाहिए ताकि वे अपनी टीम को लगभग 180 या इससे ज्यादा के स्कोर तक पहुंचा सकें।पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, सैम अयूब, मोहम्मद नवाज और शादाब खान उसे बढ़त दिलाते हैं, लेकिन बल्लेबाजी में उनकी भी अपनी चिंता हैं। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले साहिबजादा फरहान (220) के बाद शादाब खान (88) दूसरे नंबर पर हैं।

पाकिस्तान के बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड जैसी अनुभवी टीम के खिलाफ मिलकर बड़ा योगदान देना होगा। लेकिन पाकिस्तान प्रबंधन को बाबर आजम (चार मैचों में 66 रन) से ज्यादा चिंता किसी और बात की नहीं है क्योंकि यह पूर्व कप्तान टी20 बल्लेबाजों की जरूरतों को समझने में जूझ रहा है।

अगर बाबर एक बार और लड़खड़ाते हैं तो पाकिस्तान प्रबंधन फखर जमां जैसे किसी और खिलाड़ी को ला सकता है जो ग्रुप चरण के मैच में बेंच पर ही बैठे रहे। टीम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को शामिल करने पर भी सोचेंगे जिन्हें नामीबिया के खिलाफ जरूरी मैच के लिए बाहर कर दिया गया था। अफरीदी ने दो मैच में तीन विकेट लिए हैं जो धीमी पिच पर 'वैरिएशन' इस्तेमाल करने में उनकी नाकामी का सबूत है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, जैकब डफी और जेम्स नीशम अब तक लगभग महंगे रहे हैं और उन्हें यहां अपनी रणनीति पर फिर से सोचना होगा। वहीं स्पिनर मिचेल सैंटनर, ईश सोढ़ी और कामचलाऊ रविंद्र और फिलिप्स पर से दबाव कम करना जरूरी है।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर व कोच रॉब वाल्टर। पाकिस्तान के गेंदबाज उस्मान तारिक।

टीम

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आज़म, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सिफर्ट, ईश सोढ़ी, कोल मैककॉन्ची।

टीम के साथ जश्न मनाते ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा।

ओमान पर बड़ी जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने ली विदाई

पल्लेकल, एजेंसी

• ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा ने चार विकेट चटकाए

टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का अपमान झेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टी20 विश्व कप के अपने आखिरी लीग मैच में शुक्रवार को ओमान को नौ विकेट से हराकर विदा ली। जिम्बाब्वे और श्रीलंका से अप्रत्याशित हार के बाद ऑस्ट्रेलिया ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया है।

प्रतिष्ठा के लिए खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने औपचारिकता के इस मैच में ओमान को 16 .2 ओवर में ही 104 रन पर आउट कर दिया था। लेग स्पिनर एडम जम्पा ने चार विकेट चटकाए।

जवाब में कप्तान मिचेल मार्श के 33 गेंद में नाबाद 64 रन और ट्रेविस हेड के 19 गेंद में 32 रन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 9 . 4 ओवर में जीत दर्ज की। यह सौ रन से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे तेजी से दर्ज की गई जीत है।

मार्श ने अपनी पारी में सात चौके और चार छक्के लगाए। वहीं हेड ने छह चौके लगाए। दोनों ने 93 रन की साझेदारी की। इससे पहले जम्पा के चार विकेट की मदद से आस्ट्रेलिया ने ओमान को 104 रन पर आउट कर दिया। जम्पा ने 21 रन देकर चार विकेट लिये जबकि जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो दो विकेट मिले। ओमान की टीम 16.2 ओवर में आउट हो गई। वसीम अली ने ओमान के लिये 33 गेंद में 32 रन बनाए। आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया।

भारत ए की टीम वुमैन्स राइजिंग स्टार्स एशिया कप के फाइनल में

बैंकॉक, एजेंसी

• कप्तान राधा यादव ने किया हरफनमौला प्रदर्शन

कप्तान राधा यादव ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए भारत ए की टीम को शुक्रवार को यहां श्रीलंका ए पर पांच विकेट से जीत दिलाकर वुमैन्स राइजिंग स्टार्स टी20 एशिया कप के फाइनल में पहुंचा दिया।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन यह उस पर भारी पड़ गया। राधा की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने उसके बल्लेबाजी लाइन-अप को तहस-नहस कर उन्हें 118 रन पर आउट कर दिया। बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 19 रन देकर चार विकेट लिए। राधा को एक और बाएं हाथ की स्पिनर तनुजा कंवर (दो विकेट) और लेग स्पिनर प्रेमा रावत (दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज संजना कविंदी (31 रन) शीर्ष स्कोरर रहीं। 10वें ओवर में श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 71 रन था। लेकिन इसके बाद वे भारतीय स्पिनरों का सामना नहीं कर सकीं और बचे हुए आठ विकेट नौ ओवर में 47 रन के अंदर गंवा दिए। श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी भागीदारी कविंदी और साथी हंसिमा करुणारत्ने (14) के बीच 36 रन की साझेदारी रही।

राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया से सीरीज जीतना चाहेगी महिला टीम

एडिलेड, एजेंसी

भारतीय महिला टीम को अगर ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतनी है तो उसकी बल्लेबाजों को यहां शनिवार को तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मेजबान टीम की अनुभवी गेंदबाजी इकाई के खिलाफ एकजुट होकर आक्रामक प्रदर्शन करना होगा। भारतीय महिला टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया में तीनों प्रारूपों में कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं जीत पाई है। इसे बदलने के लिए भारत को यहां बेहतर बल्लेबाजी की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से होगी। स्मृति और शेफाली दोनों ने शुरुआत तो की है लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाईं जिससे दूसरे मैच में भारत 164 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका। किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलिनू की अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तिकड़ी ने इस मौके का फायदा उठाया। इन्होंने भारत की पांच बल्लेबाजों को सिर्फ सात रन के अंदर आउट कर दिया। लेकिन एडिलेड की पिच कैनबरा की पिच के मुकाबले अलग है और भारतीय बल्लेबाजों को यहां अपने पिक-अप शॉट्स पर भरोसा करना चाहिए। एक बेहतरीन आउटफील्ड भी बल्लेबाजी के लिए बेहतर है। कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष को बल्ले पर आती गेंद पसंद है और उन्हें यहां कुछ मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि मैदान की सतह चिकनी होने से जिम्मेदारी भारतीय तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़ और अमनजोत कौर पर होगी कि वे अपनी लाइन एवं लेंथ में स्थिर रहें।

मलाल अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने सुपर-8 में न पहुंचने के बताए कारण, दोहरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका से मिली थी हार

बड़ी टीमों से द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने से ही आता है अनुभव

चेन्नई, एजेंसी

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने बृहस्पतिवार को यहां अपने आखिरी ग्रुप मैच में कनाडा को हराकर टी-20 विश्व कप से शानदार तरीके से विदा लेने के बाद कहा कि क्रिकेट खेलने वाले मजबूत देशों के साथ और द्विपक्षीय श्रृंखलाएं होनी चाहिए क्योंकि इनसे अनुभव मिलता है। अफगानिस्तान ने टूर्नामेंट रोमांचक क्रिकेट खेला और एक मुकाबले में स्कोर बराबर होने के बाद दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका से हार गया। हालांकि स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज ने कहा कि अगर अफगानिस्तान को नियमित रूप से क्रिकेट खेलने वाले मजबूत देशों के खिलाफ मौके मिलते हैं तो वह काफी आगे बढ़ सकता है।

राशिद ने बृहस्पतिवार रात को कनाडा को 82 रन से हराने के बाद कहा कुछ विभाग में सुधार की जरूरत है। बड़ी टीमों के खिलाफ मध्यक्रम बल्लेबाजी बिखर गई और डेथ ओवर में गेंदबाजी में भी सुधार चाहिए। पर यह सुधार तब होता है जब आप द्विपक्षीय सीरीज में बड़ी टीमों के साथ खेलते हैं। उन्होंने मैच में 19 रन देकर दो विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा कि टीम टूर्नामेंट के लिए अच्छी तैयारी के साथ आई थी और उसने जबरदस्त क्रिकेट खेला। लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका से मिली करीबी हार महंगी पड़ी।

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान।

राशिद ने कहा हम (टूर्नामेंट के लिए) अच्छी तरह तैयार थे। हमने जबरदस्त क्रिकेट खेला। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच ने सच में सभी को दुखी किया। हमें उन (पहले दो) मैचों में से एक में जीत दर्ज करनी थी और देखना था कि टूर्नामेंट कैसा होता है। हम इस विश्व कप से सकारात्मक चीजें लेकर आगे बढ़ेंगे। मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल खत्म हो गया और राशिद ने इसे टीम के लिए भावुक पल बताया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि हमने उसके साथ कुछ बहुत अच्छे पल बिताए। हम अभी जहां हैं, वहां उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई है।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद भावुक विदाई ली

चेन्नई। अफगानिस्तान की टीम के साथ बनाई गई यादों से संतुष्ट लेकिन भावनाओं से अभिभूत कोच जोनाथन ट्रॉट ने चार साल के कार्यकाल के बाद अपनी भूमिका को अलविदा कहा। इस पद की पेशकश पहले इंग्लैंड के उनके साथी ग्राहम थोर्प को की गई थी लेकिन उस समय वह इसे स्वीकार नहीं कर सके और सौभाग्य से 44 वर्षीय ट्रॉट इस पद पर काबिज हुए। अफगानिस्तान ने सुपर आठ चरण की दौड़ से बाहर होने के बाद अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा को 82 रन से हराकर अपना अभियान समाप्त किया। इंग्लैंड के ट्रॉट ने अपनी भावनाओं को नियंत्रित करते हुए उस टीम के साथ अपने कार्यकाल को याद किया जो अब सफेद गेंद के प्रारूप में एक कड़ी प्रतिद्वंद्वी बन चुकी है। ट्रॉट के नेतृत्व में अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के काफी करीब पहुंची और 2024 टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। उन्होंने मैच के बाद बातचीत में कहा, शायद समय सही है, शायद नहीं। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं भविष्य में सभी को शुभकामनाएं देता हूं। मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं। ग्राहम थॉर्प को कोच बनना था और दुर्भाग्य से वह यह भूमिका स्वीकार नहीं कर सके। ट्रॉट ने कहा फिर मुझे यह पद पेश किया गया और मैंने इसे पूरे जोश के साथ स्वीकार किया। तो मैं यहां वास्तव में सौभाग्य से आया। मैंने पूरी कोशिश की। मैं उम्मीद करता हूं कि खिलाड़ी देख सकें कि मुझे इस खेल से कितना प्यार है।

पाकिस्तान सरकार ने हॉकी कप्तान बट पर लगा दो साल का प्रतिबंध हटाया

लाहौर, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया टूर विवाद

पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट पर राष्ट्रीय महासंघ (पीएचएफ) द्वारा लगाया गया दो साल का प्रतिबंध हटा दिया और इस कदम को 'अवैध और असंवैधानिक' करार दिया।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से ठीक पहले बृहस्पतिवार को तारिक बुगती ने हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान कुप्रबंधन के खिलाफ कप्तान के पीएचएफ की आलोचना करने के लिए बट पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन पीएचएफ के सरंक्षक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा नियुक्त अंतरिम अध्यक्ष मुहुयदीन अहमद वानी ने इस फैसले को पलट दिया और कहा कि यह बुगती का 'अवैध और असंवैधानिक कदम' था।

राष्ट्रीय टीम के ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद हुए विवाद के मद्देनजर बुगती ने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था। ऑस्ट्रेलिया में टीम को लॉजिस्टिक की दिक्कतों का सामना करना पड़ा था और उन्हें एयरबीएनबी के घरों में रहना पड़ा था जबकि सरकार द्वारा संचालित पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने कैनबरा में एफआईएच प्रो लीग मैचों के दौरान टीम के पांच सितारा होटल में रहने के लिए पीएचएफ को एक करोड़ रुपये दिए थे। खेल से जुड़े सभी मामलों को देखने वाली अंतर-प्रांतीय समन्वयक मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी ने पुष्टिक की कि प्रधानमंत्री शरीफ ने तुरंत बुगती का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और वानी को पीएचएफ का तदर्थ अध्यक्ष और ब्रिगेडियर मुसरतुल्लाह को महानिदेशक नियुक्त किया।

उन्होंने कहा दोनों तदर्थ आधार पर हॉकी के मामलों को देखेंगे और नुकसान को ठीक करने की कोशिश करेंगे। बुधवार सुबह टीम के घर लौटने के तुरंत बाद बट और कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों ने हवाई अड्डे पर इंतजार कर रही मीडिया से कहा कि वे पीएचएफ के मौजूदा प्रबंधन और टीम प्रबंधन के साथ आगे काम नहीं कर सकते। बट ने बताया कि खिलाड़ियों को किस तरह झूठ बोला गया और मीडिया से बात न करने की धमकी दी गई।